THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 285 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.8 2082 शनिवार, 10 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अहमदाबाद में होगी पीएम मोदी और जर्मन चांसलर की मुलाकात

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर जर्मनी के संघीय चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने जानकारी दी है कि दोनों नेताओं के बीच 12 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। चांसलर मर्ज 12 और 13 जनवरी 2026 को भारत के दौरे पर रहेंगे। यह मुलाकात दोनों देशों के कूटनीतिक रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि हाल ही में भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी ने अपने 25 वर्ष पूरे किए हैं।

बस दुर्घटनाग्रस्त में 12 लोगों की मौके पर ही मौत, कई घायल

शिमला, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। वहीं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ये बस कुपवी से शिमला जा रही थी। जो हरिपुरधार के पास खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार बस में 30 से 35 लोग सवार थे।

स्थानीय लोग हादसे में घायलों को बाहर सड़क तक लेकर आ रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीखों पुकार मची है। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं। एसपी सिरमौर, निश्चिंत सिंह नेगी ने कहा कि सिरमौर जिले में हरिपुरधार के पास कुपवी से शिमला जा रही एक प्राइवेट बस के सड़क से नीचे गिरने से हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

मोदी ने कॉल नहीं किया, इसलिए रुकी ट्रेड-डील

अमेरिकी मिनिस्टर बोले-ट्रम्प खुद डील चाहते थे, भारत का जवाब-2025 में 8 बार बात हुई

वॉशिंगटन, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने दावा किया है कि भारत के साथ डील किसी पॉलिसी विवाद की वजह से नहीं रुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधे फोन न करना इसकी वजह है। एक पॉडकास्ट में लुटनिक ने ये बात कही है। इस मामले से जुड़े एक्सपर्ट लुटनिक के इस बयान को ट्रम्प के 'ईगो' से जोड़कर देख रहे हैं। वो मान रहे हैं कि ट्रम्प निजी तौर पर कॉल की उम्मीद कर रहे थे। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक के बयान को गलत बताया। एमईए स्पोक्सपर्सन रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी और प्रेसिडेंट ट्रम्प 2025 में 8 बार फोन पर बात कर चुके हैं। जायसवाल ने कहा, भारत और अमेरिका फरवरी 13, 2025 से बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम कर रहे। कई राउंड नेगोशिएशन हो चुके हैं और कई बार हम डील के करीब पहुंचे हैं।

एमईए ने कहा कि भारत बेनिफिशियल ट्रेड डील पर आगे बढ़ना चाहता है। दोनों देशों के बीच नेगोशिएशन जारी हैं। मोदी-ट्रम्प की 8 बातचीत से साफ है कि लीडरशिप लेवल पर बातचीत जारी है। एक पॉडकास्ट में लुटनिक ने बताया था कि भारत के साथ ट्रेड डील लगभग पूरी हो चुकी थी।

भारत को बातचीत फाइनल करने के लिए 'तीन शुक्रवार' का समय दिया गया था। ट्रम्प खुद इसे क्लोज करना चाहते थे। इसके लिए बस मोदी को राष्ट्रपति को कॉल करना था। भारतीय पक्ष ऐसा करने में असहज था और मोदी ने कॉल नहीं किया।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने खुलासा किया कि भारत के देरी करने का फायदा दूसरे देशों को मिला। उन्होंने कहा, हमने सोचा था कि भारत के साथ डील पहले होगी, लेकिन मोदी के कॉल न करने पर हमने इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के साथ ट्रेड डील कर ली। लुटनिक ने ब्रिटेन का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने समय सीमा खत्म होने से पहले खुद ट्रम्प को फोन किया और अगले ही दिन डील का ऐलान हो गया।

ईगो की लड़ाई और 50 प्रतिशत टैरिफ का बोझ :

जानकारों का मानना है कि भारत को ट्रम्प के 'ईगो' को ठेस पहुंचने का खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर ट्रम्प ने टैरिफ पहले 25 प्रतिशत और फिर इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। हालांकि, 17 सितंबर को मोदी के जन्मदिन पर ट्रम्प के कॉल के बाद बर्फ कुछ पिघली। दोनों नेताओं ने दिवाली और दिसंबर में भी बात की है, लेकिन ट्रेड डील अभी भी अधर में है।

अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें से 25 प्रतिशत को वह 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25 प्रतिशत रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत का कहना है कि यह पेनाल्टी गलत है और इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए।

आतंरिक सुरक्षा मजबूत होगी : शाह

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत के पहले राष्ट्रीय आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम का उद्घाटन किया। यह कदम देश की काउंटर-आईईडी और आंतरिक सुरक्षा संरचना को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एनआईडीएमएस को नेशनल सिक्योरिटी गार्ड द्वारा विकसित किया गया है। यह एक सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो आईईडी से संबंधित डेटा के संग्रह, समेकन और वितरण को व्यवस्थित करने में मदद करेगा।

वर्चुअल उद्घाटन के दौरान अमित शाह ने कहा कि इंटर-एजेंसी समन्वय भी अब और बेहतर होगा। यह सही समय और सही जगह पर सही जानकारी पहुंचाने का एक बहुत प्रभावी तरीका होगा। एनएसजी की स्थापना 1984 में हुई थी और तब से इसने दुनिया भर में हुए आतंकवादी हमलों का विश्लेषण किया है और किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार किया है। आतंकवाद रोधी गतिविधियां, हाइजैकिंग विरोधी ऑपरेशन, बम निष्कासन की उन्नत प्रणाली और अब सभी एजेंसियों के साथ डेटा साझा करने के लिए प्लेटफॉर्म तैयार करना ये सभी एनएसजी के महत्वपूर्ण कार्य हैं। एनएसजी के डायरेक्टर जनरल ब्रिघु श्रीनिवासन ने बताया कि पिछले 11 महीनों में एनएसजी ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर इस सिस्टम को तैयार किया है। उन्होंने इसे भारत का अनूठा प्लेटफॉर्म बताया। एनआईडीएमएस के माध्यम से राज्य पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियां डेटा को एक्सेस, विश्लेषण और साझा कर सकेंगी। >14

डेनमार्क बोला-पहले गोली मारेंगे, फिर बात करेंगे

कोपनहेगन, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी के बीच डेनमार्क का जवाब आया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने धमकी दी है कि अगर कोई विदेशी ताकत उनके इलाके पर हमला करती है, तो सैनिक आदेश का इंतजार किए बिना तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे और गोली चलाएंगे। बिना आदेश हमला करने का नियम 1952 का है। तब डेनमार्क ने अपनी सेना के लिए एक नियम बनाया था, जिसके मुताबिक विदेशी ताकतों के देश पर हमला करने की स्थिति में सैनिकों को तुरंत लड़ना होगा। इसके लिए उन्हें किसी सीनियर अधिकारी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं होती। 3यह नियम पहली बार 1940 में तब लागू हुआ था जब जर्मनी ने डेनमार्क पर हमला किया था। उस समय कम्युनिकेशन सिस्टम ठप हो गया था और सैनिकों को समझ नहीं आया था कि क्या किया जाए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह नियम आज भी लागू है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका की तरफ से ग्रीनलैंड पर कब्जा करने या फिर उसे खरीदने जैसी बयान दिए गए हैं। ग्रीनलैंड अटलांटिक महासागर में बसा एक द्वीप है। यह पिछले 300 साल से डेनमार्क से जुड़ा है। >14

63 नक्सलियों ने किया सरेंडर-एक करोड़ से ज्यादा का था इनाम

जगदलपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। लोन वर्राटू अभियान के तहत आज 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें 18 महिला नक्सली भी शामिल हैं। यह घटना राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

प्रमुख नक्सली नेताओं का आत्मसमर्पण :

आत्मसमर्पण करने वालों में पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव मोहन कड़ती भी शामिल है, जिसने अपनी पत्नी के साथ आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों पर कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था, जो उनकी नक्सली गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। इस बड़े पैमाने पर हुए आत्मसमर्पण से नक्सलियों के संगठन को बड़ा झटका लगा है।

अभियान की व्यापकता :

यह आत्मसमर्पण केवल छत्तीसगढ़ प्रदेश के नक्सलियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के बाहर के भी नक्सली शामिल हैं। यह इस बात का संकेत देता है कि राज्य की पुलिस और सुरक्षा बल नक्सलवाद के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रहे हैं और नक्सलियों के प्रभाव को कम करने में सफल हो रहे हैं। लोन वर्राटू (घर वापसी) अभियान के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे सघन अभियान, नक्सलियों के विरूद्ध मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीतियों के तहत मुख्यधारा में एकीकृत करने और उन्हें बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। इस सफलता से क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति में सुधार की उम्मीद है और विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह घटना छत्तीसगढ़ सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ममता बोलीं-मेरे पास भाजपा के खिलाफ पेन ड्राइव

मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगी नहीं, ईडी की रेड के बाद कोलकाता में रैली की

कोलकाता, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर गुरुवार को हुई ईडी रेड के विरोध में टीएमसी दिल्ली से कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन कर रही है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी पर दो एफआईआर भी दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला। इस दौरान ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली में बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं तक कोयला घोटाले की रकम पहुंचती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। जरूरत पड़ी तो मैं इन्हें जनता के सामने पेश कर सकती हूं। ममता ने कहा, कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी ने इस्तेमाल किया और अमित शाह को भेजा। मैं आमतौर पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं, लेकिन अगर कोई मुझे छेड़ता है तो मैं छोड़ती नहीं हूं। इधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट परिसर में भारी भीड़ और हंगामे की वजह से ईडी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। याचिका में ममता बनर्जी के खिलाफ छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। ममता ने कहा चुनाव आयोग में बैठे एक अधिकारी पहले अमित शाह के सहयोग विभाग के सचिव रह चुके हैं।

मुझे इससे निजी आपत्ति नहीं है, लेकिन भाजपा ने हरियाणा और बिहार में जबरन सत्ता हासिल की और अब वही कोशिश बंगाल में की जा रही है। एसआईआर के नाम पर स्थानीय लोगों को परेशान किया जा रहा है, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को भी परेशान किया गया। बंगाली बोलने वालों को बांग्लादेशी कहा जा रहा है। भाजपा रोहिंग्याओं की बात करती है, लेकिन असम में रोहिंग्या हैं तो वहां एसआईआर क्यों नहीं लागू किया गया।

रिश्वत लेते जॉइंट डायरेक्टर गिरफ्तार

बैंगलुरू, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सीबीआई ने 9.5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट बेंगलुरू के जॉइंट डायरेक्टर राजाराम मोहनराव चेन्नू को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के मुताबिक चेन्नू पर एक निजी कंपनी के इलेक्ट्रिकल उपकरणों की जांच रिपोर्ट देने के बदले रिश्वत लेने का आरोप है। इस मामले में कंपनी के डायरेक्टर अतुल खन्ना को भी गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने चेन्नू के घर छापेमारी के दौरान करीब 3.76 करोड़ रुपये कैश और विदेशी करेंसी बरामद की है। इसमें डॉलर, यूरो, दिरहम समेत कई देशों की करेंसी शामिल है। एजेंसी ने बताया कि रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ने के बाद यह कार्रवाई की गई और आगे की जांच जारी है।

भारत ने अमेरिका को दे दिया साफ मैसेज, कैसे पेचीदा हुआ मामला?

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक प्रस्तावित बिल पर भारत ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी है। इस बिल के तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। भारत ने साफ कहा है कि वह अपने 1.4 अरब लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करने को प्राथमिकता देता है।

वैश्विक बाजार की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए वह अपने ऊर्जा स्रोतों के बारे में फैसले लेता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत इस बिल से अवगत है। स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हम प्रस्तावित बिल से अवगत हैं। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने भारत के ऊर्जा स्रोतों को लेकर पुराने रुख को दोहराया। >14

सबरीमाला सोना चोरी मामले में अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी गिरफ्तार

ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस

तिरुवनंतपुरम, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को भगवान अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी कंदरारू राजीव को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों ने बताया कि एसआईटी राजीव को गिरफ्तार करने के बाद एक अज्ञात जगह पर पूछताछ के लिए ले गई थी, बाद में उन्हें एसआईटी टीम ऑफिस लेकर आई, जहां उनकी औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर सूत्रों ने दावा किया है कि ईडी ने केरल के सबरीमाला सोना चोरी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। एसआईटी के अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी मामले के मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पद्मकुमार के बयानों के आधार पर की गई है।

एसआईटी की जांच में सामने आया है कि राजीवरु के पोट्टी के साथ करीबी संबंध थे और उन्होंने मंदिर में द्वारपालक (रक्षक देवता) की प्लेटों तथा श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार-फ्रेम की री-प्लेटिंग की सिफारिश की थी। जब त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने री-प्लेटिंग के लिए उनसे अनुमति मांगी, तो राजीवरु ने इसे मंजूरी दे दी थी। एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, राजीवरु से इस मामले में पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। केरल हाईकोर्ट द्वारा इस सोना चोरी मामले की जांच के लिए एसआईटी के गठन के बाद यह 11वीं गिरफ्तारी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को केरल में सबरीमाला सोना चोरी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है।

राहुल गांधी ने कहा-लोगों की जिंदगी तबाह, लगाए सिलसिलेवार आरोप

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमलावर हैं। एक दिन पहले जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रंप के टैरिफ को लेकर कड़ा निशाना साधा था। वहीं अब उन्होंने एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट के जरिए भाजपा शासित राज्यों पर सिलसिलेवार हमला किया है।

कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में 'भ्रष्ट' जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरूपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, इनके सिस्टम में गरीब, असहाय, मजदूर और मध्यमवर्ग की जिंदगी सिर्फ आंकड़ा है और 'विकास' के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया- लेकिन सवाल आज भी वही है: सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है? कानून सबके लिए बराबर कब होगा? उन्होंने यूपी और इंदौर का मुद्दा उठाते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड में भी पूरा देश देख चुका है कि सत्ता के गुरूर में अपराधियों को कैसे बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ी। इंदौर में जहरीला पानी पीकर मौतें हों या गुजरात-हरियाणा-दिल्ली तक 'काले पानी' और दूषित सप्लाई की शिकायतें- हर तरफ बीमारियों का डर है। हालिया अरावली पर्वत माला को लेकर उपजे विवाद पर कांग्रेस सांसद ने कहा, राजस्थान की अरावली हो या प्राकृतिक संसाधन- जहां-जहां अरबपतियों का लालच और स्वार्थ पहुंचा, वहां-वहां नियमों को रौंद दिया गया।

पहाड़ काटे जा रहे हैं, जंगल उजाड़े जा रहे हैं- और जनता को बदले में मिल रहा है: धूल, प्रदूषण और आपदा। खांसी के सिरप से बच्चों की मौतें, सरकारी अस्पतालों में नवजातों को मारते चूहे, सरकारी स्कूलों की गिरती छतें- ये लापरवाही नहीं, भ्रष्टाचार की सीधी मार है। पुल गिरते हैं, सड़कें धंसती हैं, ट्रेन हादसों में परिवार मिट जाते हैं और भाजपा सरकार हर बार वही करती है: फोटो-ऑप, ट्वीट और मुआवजे की औपचारिकता।

कैबिनेट सेक्रेटरी को यह गलतफहमी कैसे हुई? : सुप्रीम कोर्ट

राज्यों के मुख्य सचिवों को फटकार के साथ ही पूछा सवाल

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्राइवेट यूनिवर्सिटीज से जुड़ी जानकारी नहीं देने को लेकर फटकार लगाई है। खास बात है कि यह जानकारी दो महीने पहले कोर्ट की तरफ से आदेश दिए गए एक बड़े ऑडिट का हिस्सा थी। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान मौजूद न रहने वालों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी दे डाली। मामले की सुनवाई जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह और एन वी अंजारिया की बेंच ने की।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में कैबिनेट सचिव को गलतफहमी होने को लेकर भी सवाल उठाया। बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि पालन के संबंध में, जिन राज्यों ने हलफनामा दायर नहीं किया है, वे बिना किसी समय विस्तार की मांग किए, हलफनामा दायर न करने के लिए मुख्य सचिव के जरिये स्पष्टीकरण फाइल करें। >14

'आवारा कुत्ते' मामले में तीसरे दिन भी सुनवाई

अवैध प्रजनन-आयात और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दे उठे

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में लगातार तीसरे दिन भी सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालय परिसरों में भटकते कुत्तों की समस्या पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया शामिल हैं, मामले की सुनवाई हुई और शुक्रवार को करीब 1.50 घंटे सुनवाई चली। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 13 जनवरी रखी।

सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट और एनीमल राइट्स एक्टिविस्ट महालक्ष्मी पावनी ने कहा कि कुछ लोग कुत्ते रखने वाली महिलाओं के बारे में अपमानजनक बातें करते हैं और उन्हें यह तक कहते हैं कि महिलाएं संतुष्टि के लिए कुत्तों के साथ सोती हैं। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से इस मामले में दखल न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून और नियम पहले से मौजूद हैं, इसलिए अदालत को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है। सिंघवी ने यह भी कहा कि जब संसद जानबूझकर दखल नहीं देती, तो अदालत को भी इसमें नहीं जाना चाहिए। सिंघवी ने आगे बताया कि एमीकस क्यूरी (अदालत के सलाहकार) कानून के अच्छे जानकार होते हैं लेकिन किसी विशेष विषय के विशेषज्ञ नहीं। ऐसे मामलों में डोमेन एक्सपर्ट्स जैसे पशु, पर्यावरण या स्वास्थ्य विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान, महालक्ष्मी पावनी ने बड़े पैमाने पर अवैध प्रजनन और विदेशी कुत्तों के अवैध आयात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिट बुल और हस्की नस्ल के कुत्तों को सड़कों पर छोड़ा जा रहा है। हालांकि, न्यायालय ने कहा कि यह मामला स्ट्री डॉग्स (अवारा कुत्तों) के मुद्दे से संबंधित नहीं है। कृपया उन मुद्दों पर ध्यान दें जिनसे हम निपट रहे हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून में उपलब्ध उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

भारत-नेपाल सीमा समन्वय बैठक आयोजित

नई दिल्ली/काठमांडू, 9 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल के कैलाली जिले में भारत-नेपाल सीमा के शांति, सुरक्षा और प्रशासनिक समन्वय को लेकर बैठक आयोजित की गई। यह बैठक आगामी नेपाल चुनाव को ध्यान में रखते हुए की गई थी। बैठक में भारतीय पक्ष से जिला मजिस्ट्रेट दुर्गा शक्ति नागपाल, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नरेंद्र बहादुर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, पल्लिया और निघासन तहसीलों के उप-महानिरीक्षक और सशस्त्र सीमा बल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जिला मजिस्ट्रेट दुर्गा शक्ति नागपाल ने कैलाली और कंचनपुर जिलों के मुख्य जिला अधिकारी को नेपाल चुनाव के दौरान पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारत और नेपाल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि चुनावों के सुचारू सचालन के लिए सभी आवश्यक मदद प्रदान की जाएगी।

पूर्व कबड्डी खिलाड़ी गगनदीप मर्डर केस: चार और गिरफ्तार, अबतक 10 आरोपी दबोचे

लुधियाना, 9 जनवरी (एजेंसियां)। लुधियाना के जगरांव के गांव मानूके में 5 जनवरी को पूर्व कबड्डी खिलाड़ी व बाउंसर गगनदीप सिंह उर्फ बाबा की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई थी। इस सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने और गिरफ्तारियां की हैं। हत्या के मुख्य आरोपी गुरसेवक सिंह और प्रदीप दास के दो साथियों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन चार दिनों बाद भी मुख्य आरोपी गुरसेवक सिंह पुलिस की पहुंच से दूर है। इस मामले में अबतक 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरमीत सिंह घारू उर्फ निक्का, जसपाल सिंह उर्फ हंसा (निवासी गांव मानूके), चरणजीत सिंह उर्फ पप्पू (निवासी बंधनी कलां) और कुलदीप सिंह (निवासी गांव रसूलपुर) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर एक दिन का रिमांड लेकर आगे की गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

महबूबा ने ममता बनर्जी को बताया 'शेरनी'

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद हुई कार्रवाई से जोड़ा बंगाल मुख्यमंत्री का विरोध

श्रीनगर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को "शेरनी" बताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ "बहुत बहादुर" हैं और सरेंडर नहीं करेंगी। वह केंद्र के आगे नहीं झुकेंगी। महबूबा मुफ्ती ने ईडी रेड का विरोध करने के लिए ममता बनर्जी की तारीफ़ करते हुए इसे आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुई ऐसी ही कार्रवाई से जोड़ा। मुफ्ती गुरुवार को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पीएसी के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर ईडी की छापेमारी पर रिएक्शन दे रही थीं। इस कार्रवाई से हाई ड्रामा शुरू हो गया, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रेड वाली जगह पर पहुंच गईं और आरोप लगाया कि सेंट्रल एजेंसी राज्य चुनावों से पहले टीएमसी का सेंसिटिव डेटा ज़ब्त करने की कोशिश कर रही है। मुफ्ती ने कहा कि ईडी या दूसरी जांच एजेंसियों की ऐसी छापेमारी जम्मू-कश्मीर में आम बात हो गई है, लेकिन "पूरा देश अब इसका स्वाद चख रहा है।"

उन्होंने कहा, "जब अनुच्छेद 370 हटाया गया, जब छापे पड़े और जब तीन मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया तो ज़्यादातर राजनीतिक पार्टियों ने चुप्पी साधे रखी। अब, यह पूरे देश में देखा जा रहा है," उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद खुद को, फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला को हिरासत में लिए जाने का ज़िक्र किया। पीडीपी प्रधान ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि बनर्जी बहुत बहादुर हैं, वह एक शेरनी हैं और वह उनसे अच्छे से लड़ेंगी और सरेंडर नहीं करेंगी।"

जम्मू के लिए अलग राज्य की मांग के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कदम सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इससे जिन्ना की टू-नेशन थ्योरी सही साबित होगी।

उन्होंने कहा, अगर वे जम्मू-कश्मीर को धर्म के आधार पर बांटते हैं, तो इसका मतलब होगा कि जिन्ना सही थे। अगर ऐसा होता है, तो यह बहुत गलत फैसला होगा। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट को बंद करने की भी आलोचना की, उन्हें डर था कि इससे धर्म के आधार पर शिक्षा का राजनीतिकरण होगा और इसे कहीं और भी दोहराया जा सकता है। उन्होंने कॉलेज की मान्यता रद होने पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए कहा कि ऑर्डर जारी होने से एक दिन पहले, उमर अब्दुल्ला ने इशारा किया था कि केंद्र कॉलेज बंद कर सकता है। अगले ही दिन, मान्यता रद्द करने का आर्डर आ गया। क्या यह पहले से तय समझौता था।

उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि ऐसे हथकंडे बार-बार क्यों अपनाए जा रहे हैं। जब धर्म के नाम पर शिक्षा का राजनीतिकरण हो रहा है, और जम्मू-कश्मीर के युवाओं को अपने ही इलाके में भी जगह नहीं मिल रही है, तो वे हरियाणा, पंजाब या दूसरे राज्यों में सुरक्षित कैसे महसूस कर सकते हैं? पीडीपी नेता ने आरोप लगाया कि यह फैसला जम्मू में भाजपा, आरएसएस और बजरंग दल से जुड़ी "कुछ चुनिंदा, सांप्रदायिक ताकतों" के असर में लिया गया है। यही संगठन इस संस्था के खिलाफ इसलिए विरोध कर रहे थे क्योंकि कश्मीरी मुसलिम बच्चों ने दाखिल लिया था और वह भी योग्यता के आधार पर। ऐसी ताकतों और दबाव के आगे झुककर, हम एक ऐसी सांप्रदायिक व संकीर्ण सोच को बढ़ावा दे रहे हैं जो दूसरी जगहों पर भी मुस्लिमों के प्रति इसी तरह के हथकंडे अपनाएगी।

यह मुसलमान हैं, ये कश्मीर के बच्चे हैं; इन्हें बाहर निकालो, यह सोच गलत है और खतरनाक है। इस घटना से "कम्युनल ताकतों" को जो कॉन्फिडेंस मिला है, उससे भारत के दूसरे हिस्सों में भी ऐसा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया, "जम्मू में लोगों को धर्म के आधार पर बांटने के लिए एक खास माहौल बनाया जा रहा है।" राज्य ब्यूरो, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को "शेरनी" बताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ "बहुत बहादुर" हैं और सरेंडर नहीं करेंगी।

वह केंद्र के आगे नहीं झुकेंगी। महबूबा मुफ्ती ने ईडी रेड का विरोध करने के लिए ममता बनर्जी की तारीफ़ करते हुए इसे आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुई ऐसी ही कार्रवाई से जोड़ा। मुफ्ती गुरुवार को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पीएसी के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर ईडी की छापेमारी पर रिएक्शन दे रही थीं।

इस कार्रवाई से हाई ड्रामा शुरू हो गया, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रेड वाली जगह पर पहुंच गईं और आरोप लगाया कि सेंट्रल एजेंसी राज्य चुनावों से पहले टीएमसी का सेंसिटिव डेटा ज़ब्त करने की कोशिश कर रही है।

कई शहरों में एक के बाद एक आए भूकंप के 7 झटके

स्कूलों में छुट्टी का फैसला, दहशत में लोग

अहमदाबाद, 9 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में जेतपुर, धोराजी और उपलेटा पंथक में आज (शुक्रवार, 9 जनवरी) सुबह भूकंप के लगातार झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के अनुसार, पिछले 12 घंटों में इस क्षेत्र में कुल 7 भूकंपीय झटके दर्ज किए गए हैं। आईएसआर के डेटा के मुताबिक, सबसे पहले बीती रात 8:43 बजे रिक्टर स्केल पर 3.3 तीव्रता का झटका महसूस किया गया, जिसका केंद्र उपलेटा से लगभग 30 किलोमीटर दूर था।

इसके बाद आज तड़के सबसे तेज झटका सुबह 6:19 बजे दर्ज हुआ, जिसकी तीव्रता 3.8 रही। जानकारी के अनुसार, इन सभी झटकों का केंद्र मुख्य रूप से उपलेटा से 27 से 30 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व (ईएनई) दिशा में रहा। भूकंप की गहराई जमीन से 6.1 किलोमीटर से 13.6 किलोमीटर के बीच मापी गई है। गनीमत रही कि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन लगातार झटकों के कारण लोग घरों से बाहर निकल आए और भय का माहौल बना रहा। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

लगातार भूकंप के झटकों के चलते राजकोट जिले के धोराजी शहर में कई निजी स्कूलों के संचालकों ने एहतियातन आज अवकाश घोषित कर दिया। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। जो बच्चे सुबह स्कूल पहुंच चुके थे, उन्हें भी वापस घर भेज दिया गया।

असम में विपक्षी दल सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ गोलबंद, मतदाता सूची से नाम हटवाने की शिकायत दर्ज

गुवाहाटी, 9 जनवरी (एजेंसियां)। असम में विपक्षी दलों ने शुक्रवार को भाजपा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया गया कि वह विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची से नाम हटाने की साजिश रच रही है।कांग्रेस, सीपीआई (एम), रायजोर दल, असम जातीय परिषद और सीपीआई (एमएल) एल ने यहां दिसपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक संयुक्त शिकायत दर्ज किया है।

इसमें दावा किया है कि राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल को 60 विधानसभा क्षेत्रों (एलएसी) में सीटों को हटाने की प्रक्रिया को अंजाम देने का विशेष जिम्मा सौंपा है। असम में मतदाता सूचियों का विशेष संशोधन (एसआर) चल रहा है, जिसकी अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। विपक्षी दलों ने शिकायत में कहा कि राज्य भाजपा अध्यक्ष ने भाजपा विधायकों को 60 लाख विधानसभा सूचियों से नाम हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही 4 जनवरी को आयोजित एक जूम बैठक में मंत्री अशोक सिंघल को भी यह जिम्मेदारी सौंपी।

विपक्षी दलों के समर्थकों का नाम हटाने की साजिश

इसमें कहा गया है, यह विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की एक नापाक साजिश है। पुलिस से साइकिया से जुड़े वीडियो कॉन्फ्रेंस के फुटेज को सुरक्षित करने का आग्रह किया गया है क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण सबूत मौजूद हैं। विपक्षी दलों ने दावा किया कि यह मतदान सूची से बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने की एक बड़ी साजिश थी।

शिकायत में कहा गया है, इसलिए, आपसे अनुरोध है कि दंड संहिता की उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज करें। लोकतंत्र को बचाने के लिए साजिशकर्ताओं को पकड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। इसके साथ ही एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कपूरथला में 5 हजार की रिश्वत लेता एएसआई गिरफ्तार

विजिलेंस ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ा

कपूरथला, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला जिले के फगवाड़ा सब-डिवीजन में विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने वीरवार देर रात बड़ी कार्रवाई की। विजिलेंस ब्यूरो ने सिटी थाना फगवाड़ा में तैनात एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह छापेमारी रात करीब 9 बजे के बाद की गई। यह कार्रवाई विजिलेंस ब्यूरो के डीएसपी जोगिंदरपाल की अगुवाई में अंजाम दी गई है।

गिरफ्तार किए गए एएसआई की पहचान सरबजीत सिंह के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, दोषी एएसआई ने एक गांव वासी से जुड़े मामले को "ठीक" करने के बदले 5 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो को शिकायत दी, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर दोषी को रिश्वत लेते हुए काबू कर लिया। बता दें कि गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस ब्यूरो की कार्रवाई काफी देर तक थाने के अंदर जारी रही। इसके बाद विजिलेंस की टीम दोषी एएसआई को अपने साथ चंडीगढ़ ले गई।

इस छापेमारी से पुलिस महकमे में बुरी तरह हड़कंप मच गया। हालांकि अब तक किसी भी पुलिस अधिकारी ने इस मामले के बारे में कोई सरकारी बयान जारी नहीं किया है संभावना है कि शुक्रवार दोपहर तक विजिलेंस विभाग इस संबंध में और जानकारी साझा करेगा। पंजाब में विजिलेंस ब्यूरो की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार पर लगाम कसने की दिशा में एक और मजबूत कदम मानी जा रही है। आम जनता में विजिलेंस की इस मुस्तैदी से विश्वास बढ़ा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में टॉप 4 पर जो राज्य वहां डिलीवरी के बाद डॉक्टर ने महिला के पेट में छोड़ा कपड़ा, भड़कीं प्रियंका गांधी

कोच्चि, 9 जनवरी (एजेंसियां)। केरल में विधानसभा चुनाव से पहले एक महिला की डिलीवरी के दौरान पेट में ही कपड़ा छोड़ देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। लोकसभा सांसद और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के सरकारी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल लापरवाही की कथित घटना की निष्पक्ष और सही तरीके से जांच की मांग की है। कांग्रेस इस मसले पर लगातार मुखर है और डॉक्टर तथा स्टाफ पर एक्शन लेने की मांग कर रही है। प्रियंका गांधी ने केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज को भेजे अपने पत्र में कहा कि कथित मेडिकल लापरवाही के कारण उस युवा मां को असहनीय दर्द हुआ, जो जानलेवा भी हो सकता था। पत्र में उन्होंने यह उम्मीद जताई कि महिला की शिकायत के जवाब में जिला मेडिकल अधिकारी द्वारा शुरू की गई जांच "निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता के साथ की जाएगी।"

कांग्रेस नेता का कहना है कि जहां केरल की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली अधिकांश लोगों के लिए मेडिकल इलाज को सुलभ बनाने में अहम रही है, वहीं उनके वायनाड संसदीय क्षेत्र के मनंथावडी मेडिकल कॉलेज जो यहां के लोगों के लिए एक अहम लाइफ लाइन है- गंभीर संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। उन्होंने कॉलेज में कर्मचारियों की कमी और अहम मेडिकल उपकरणों की कमी को मुख्य मुद्दे बताया, और कहा कि इन चिंताओं को पहले भी केंद्र और राज्य सरकारों के सामने उठाया गया था।

उन्होंने बताया कि मनंथावडी मेडिकल कॉलेज में कई एक्सपर्ट्स की कमी है और इसकी वजह से मरीजों को बेहतर इलाज के खातिर कोझिकोड के सरकारी मेडिकल कॉलेज जाने के लिए 80 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करनी पड़ती है। साथ ही प्रियंका गांधी ने सरकार से सरकारी अस्पतालों में प्रभावी जवाबदेही और शिकायत निवारण तंत्र तय करने का अनुरोध किया, और कथित लापरवाही की निष्पक्ष जांच की मांग की।

मामला यह है कि इस अस्पताल में महिला ने 20 दिसंबर को एक बच्चे को जन्म दिया। महिला की ओर दर्ज शिकायत के अनुसार, डिलीवरी के बाद भी उसे पेट में तेज दर्द हुआ और अगले पांच दिनों में वह कई बार डॉक्टरों के पास गई। लेकिन मेडिकल स्टाफ ने उसकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया।

यहां तक डॉक्टरों ने "पेट साफ करने" के लिए दवाई दे दी, लेकिन दर्द बना रहा। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 29 दिसंबर को उसके गर्भाशय से कपड़े का एक टुकड़ा निकला, जिसके बाद उसे राहत मिली। उसने जांच के दौरान एक्सपर्ट पैनल के सामने वह कपड़ा भी पेश किया। महिला ने कहा, "मुझे इंसाफ चाहिए। मेरी बार-बार की शिकायतों को कि मेरे गर्भाशय में कुछ फंसा हुआ है, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया।" मामला तूल पकड़ने पर जांच के लिए 3 सदस्यीय पैनल का गठन किया गया।

केरल स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी

यह हाल तब है जब केरल अपने यहां की बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए जाना जाता है और उसकी लगातार तारीफ की जाती है। यह दक्षिणी राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में देश के शीर्ष 4 राज्यों में आता है। पिछले साल जुलाई में नीति आयोग की 'गुड हेल्थ एंड वेलबीइंग इंडेक्स' में केरल चौथे स्थान पर आ गया था। जबकि इस लिस्ट में गुजरात पहले नंबर पर रहा। केरल साल 2018 में इस लिस्ट में पहले नंबर पर रहा था। पिछले साल जारी 2023-24 के इंडेक्स में गुजरात 90 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहा था। इसके बाद महाराष्ट्र और उत्तराखंड (84) और हिमाचल प्रदेश (83) थे। कर्नाटक ने केरल के साथ चौथा स्थान साझा किया।

अंकिता भंडारी केस में धामी सरकार ने की सीबीआई जांच की सिफारिश

देहरादून, 9 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक बड़ा मोड़ आया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनता के भारी आक्रोश और अंकिता के माता-पिता की मांग को स्वीकार करते हुए इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की संस्तुति दे दी है। विशेष रूप से वीवीआईपी के नाम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच यह निर्णय बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया कि हाल ही में उन्होंने अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की थी।

इस दौरान भावुक माता-पिता ने अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई से कराने का अनुरोध किया। पुष्कर सिंह धामी ने कहा, अंकिता केवल एक पीड़िता नहीं थी, वह हमारी भी बहन और बेटी थी। उनके माता-पिता की भावनाओं का सम्मान करते हुए हमने इस मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया है। सीएम धामी ने राज्य सरकार द्वारा अब तक की गई कार्रवाई का विवरण भी साझा किया। घटना के तुरंत बाद महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाई गई थी। सभी अभियुक्तों को बिना विलंब गिरफ्तार किया गया।

सरकार की प्रभावी पैरवी के कारण ट्रायल के दौरान किसी भी आरोपी को जमानत नहीं मिल सकी। निचली अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर कुछ ऑडियो क्लिप्स और वीवीआईपी की संलिप्तता को लेकर दावे किए जा रहे थे, जिसके चलते आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शुरू से ही पारदर्शी न्याय सुनिश्चित करना रहा है।

40 बाघों की खालें और 133 नाखून

मंदिर के पुराने मकान से हुआ चौंकाने वाला खुलासा

नर्मदा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के राजपीपला शहर के पास स्थित प्रसिद्ध धर्मेश्वर महादेव मंदिर के पुराने मकान से जानवरों के नाखून और खालें मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। माना जा रहा है कि गुजरात में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में बाघों के अवशेष बरामद हुए हैं। राजपीपला शहर के हनुमान धर्मेश्वर मंदिर में पुराने और जर्जर मकान की मरम्मत के दौरान तेज दुर्गंध आने पर मंदिर ट्रस्टियों ने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद राजपीपला रेंज के फॉरेस्ट ऑफिसर जिग्नेश सोनी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और एक कमरे से बाघों की खाल और नाखूनों से भरी एक पूरी पेटी बाहर निकाली गई।

वन विभाग की टीम को मौके से लुप्तप्राय बाघों की 37 पूरी खालें, 4 खालों के टुकड़े और करीब 133 बाघों के नाखून मिले हैं। संदिग्ध पाए जाने पर खालों और नाखूनों को एफएसएल जांच के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ये खालें करीब 35 साल से अधिक समय से पेटी में रखी हुई थीं।

पुजारी महाराज के कमरे से मिली बाघों की खाल!

जिस कमरे से बाघों की खाल और नाखूनों से भरी पेटी मिली है, वह मंदिर के पुजारी महाराज का कमरा था, जिनका तीन महीने पहले निधन हो चुका है। मंदिर ट्रस्टी प्रकाश व्यास ने बताया कि ये महाराज मध्यप्रदेश के थे और बाहर से अन्य साधुओं का आना-जाना भी रहता था, जिनमें से कुछ साधु रात में ठहरते भी थे आरएफओ जिग्नेश सोनी ने बताया कि जांच के दौरान कुल 40 से अधिक बाघों की खालें और 133 से ज्यादा नाखून बरामद किए गए हैं। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 172 के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर सरकार को सूचना दे दी है। भारत का राष्ट्रीय पशु होने के बावजूद बाघ आज भी सुरक्षित नहीं है। एक समय था जब भारत के जंगलों में करीब 40 हजार बाघ विचरण करते थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मुश्किल से 4 हजार के आसपास रह गई है। हैरानी की बात यह है कि इतने सख्त कानूनों और सुरक्षा दावों के बावजूद शिकार और तस्करी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसे में हर नई घटना यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर बाघों की सुरक्षा व्यवस्था में चूक कहां हो रही है और वन्यजीव संरक्षण के दावे कितने मजबूत हैं।

हिमाचल में तीस अप्रैल से पहले चुनाव कराने का फैसला

शिमला, 9 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में पंचायत चुनाव को समय पर करवाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद शुक्रवार सुबह अंतिम फैसला आया । अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग को 30 अप्रैल से पहले चुनाव करवाने के आदेश पारित किए। साथ ही हाईकोर्ट ने पंचायतीराज विभाग, चुनाव आयोग और राज्य सरकार को आपस में बैठकर पंचायत चुनाव समय पर करवाने के लिए रणनीति बनाने को कहा।

अदालत ने कहा कि सांविधानिक संस्थाओं को बनाए रखने के लिए चुनाव को अनिश्चितकाल तक स्थगित नहीं किया जा सकता। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने की। अदालत के आदेशानुसार 20 फरवरी से पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

30 अप्रैल को चुनाव होंगे। बीते 7 जनवरी को सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। बुधवार को सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने पंचायती राज चुनाव को समय पर न करवाने पर अपनी असमर्थता जताते हुए कहा था कि जिस तरह से सरकार पर चुनाव को टालने के आरोप लगाए जा रहे हैं

'हरियाणा देखा, दिल्ली देखा और अब बंगाल के भी नतीजे देखेंगे'

सीएम ममता को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दिया जवाब

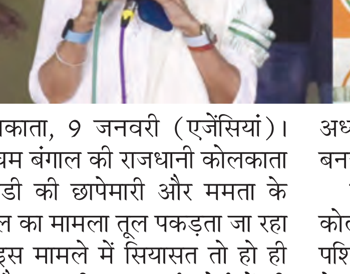

कोलकाता, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में ईडी की छापेमारी और ममता के दखल का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में सियासत तो हो ही रही है साथ ही आज हाई कोर्ट में भी सुनवाई होगी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आई-पीएसी के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में घुसने और सबूत ले जाने का आरोप लगाया है। बता दें कि गुरुवार को सीएम ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी हमला किया था। अब इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधा है।

क्या बोलीं थी सीएम ममता?

कोलकाता में ईडी की छापेमारी पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा था- अमित शाह, अगर आपको बंगाल जीतना है और आप में हिम्मत है तो आप चुनाव में लड़कर आइए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा- क्या पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना डी, अमित शाह का काम है? अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तो क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं।।। चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष क्या बोले?

पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष और सांसद सामिक भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर कहा- स्वतंत्र भारत के इतिहास पर अमित शाह जैसा कोई और पैदा नहीं हुआ है। अमित शाह सपने दिखाते हैं और उन्हें साकार करते हैं। हरियाणा देखा, दिल्ली देखा और कुछ ही समय में आप बंगाल के भी नतीजे देखेंगे। हम तैयारियों में लगे हुए हैं। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा- अब तक, संगठन के नज़रिए और ताकत के हिसाब से, हम अपनी गतिविधियों से संतुष्ट हैं। अभी पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र के नाम पर क्या हो रहा है?।।। जनता लिख चुकी है कि ममता बनर्जी का इस बार विश्राम पर जाना निश्चित है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 10 जनवरी, 2026

मेरा हैदराबाद

सुविचार
सपनें वो नहीं जो हम नींद में देखते है, सपने वह है जो हमको नींद नहीं आने देते!

हैदराबाद पुलिस ने लोगों की मदद के लिए 'सी-मित्र' लॉन्च किया

अब नागरिक घर से ही दर्ज करवा सकते हैं साइबर क्राइम एफआईआर

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश में पहली बार, हैदराबाद सिटी पुलिस ने शुक्रवार को 'सी-मित्र' (साइबर-मित्र) लॉन्च किया, एक वर्चुअल हेल्प डेस्क जिसे साइबर फ्रॉड के शिकार नागरिकों को पुलिस स्टेशन गए बिना ही प्राथमिकी दर्ज कराने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पहल नागरिकों को डिजिटल अपराधों जैसे ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल जमानत, निवेश और ट्रेडिंग घोटालों के बढ़ते खतरे से राहत प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने बताया कि यह "वर्चुअल पुलिस अधिकारी" प्रणाली तकनीक का उपयोग कर आम जनता के दरवाजे तक पुलिसिंग लाने का काम करती है। सी-मित्र सेवा केवल हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के लिए उपलब्ध है। प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में है। प्राथमिक रिपोर्टिंग: पीड़ित को पहले '1930' हेल्पलाइन पर कॉल करना होगा या राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (cybercrime.gov.in) पर शिकायत दर्ज करनी होगी। वर्चुअल सहायता: रिपोर्टिंग के बाद, सी-मित्र टीम के 'वर्चुअल पुलिस अधिकारी' पीड़ित से संपर्क करेंगे। शिकायत का प्रारूप तैयार करना: कई पीड़ित कानूनी शब्दावली या संबंधित धाराओं को लेकर असमंजस में रहते हैं। सी-मित्र टीम एआई का उपयोग करके दिए गए विवरण के आधार पर सटीक शिकायत तैयार करेगी और इसे पीड़ित को भेजेगी। प्रस्तुति: पीड़ित को इस प्रारूप का प्रिंट आउट लेकर उस पर हस्ताक्षर करना होगा और इसे साइबर मित्र हेल्प डेस्क, बशीरबाग को पोस्ट या कूरियर करना होगा। ड्रॉप बॉक्स सुविधा: वैकल्पिक रूप से, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन पर ड्रॉप बॉक्स उपलब्ध है, जिसमें पीड़ित हस्ताक्षरित शिकायत की कॉपी जमा कर सकते हैं। एफआईआर पंजीकरण: भौतिक प्रति प्राप्त होने के बाद पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी और विवरण एसएमएस के माध्यम से पीड़ित को भेजेगी। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में भौतिक हस्ताक्षर अनिवार्य हैं, लेकिन भविष्य में डिजिटल हस्ताक्षर विकल्प पर भी काम किया जा रहा है। सीपी ने बताया कि सी-मित्र के तहत मामलों की जांच को सुव्यवस्थित करने के लिए पुलिस ने सीमा तय की है। इसमें 3 लाख से अधिक नुकसान वाले मामले की एफआईआ साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज और जांच की जाएगी। 3 लाख से कम नुकसान वाले मामलों को जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज किया जाएगा और आगे की जांच के लिए संबंधित स्थानीय कानून एवं व्यवस्था पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, एफआईआर पंजीकृत कराने में औसतन तीन घंटे लगते हैं। सी-मित्र नागरिकों का समय बचाने और स्टाफ को जांच पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य रखता है। वर्तमान में '1930' हेल्पलाइन और राष्ट्रीय पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में से केवल 18 प्रतिशत एफआईआर में परिवर्तित होती हैं। विभाग ने सी-मित्र के माध्यम से इस दर को 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। वर्चुअल हेल्पडेस्क सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा, 24 सदस्यीय टीम एआई उपकरणों के साथ सेवा प्रदान करेगी। फिशिंग और नकली कॉल से नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने कई निर्देश जारी किए हैं। सी-मित्र की आधिकारिक कॉल केवल लैंडलाइन नंबर 040-4189-3111 से आएगी। व्हाटऐप संदेश केवल 87126 श्रृंखला के नंबरों से भेजे जाएंगे। स्टाफ कभी भी ओटीपी या पैसे की मांग नहीं करेगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सी-मित्र केवल एफआईआर पंजीकरण के लिए सुविधा प्रदान करता है। यह जांच नहीं करता, कानूनी सलाह नहीं देता और खोई हुई राशि की वसूली की गारंटी नहीं देता। मामले की स्थिति या वसूली के लिए, पीड़ित को उस पुलिस स्टेशन से संपर्क करना होगा जहां एफआईआर दर्ज या स्थानांतरित की गई है। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने एम. श्रीनिवासुलु, (अतिरिक्त सीपी, क्राइम्स एंड एसआईटी), ए. अरविंद बाबू, डीसीपी (साइबर क्राइम), शिवमारुती, एसीपी (साइबर क्राइम) और उनकी टीम की सराहना की। उन्होंने अन्य डीसीपी, अधिकारियों और स्टाफ के सहयोग के लिए भी प्रशंसा व्यक्त की।

तेलंगाना के विकास के लिए भाजपा आवश्यक : रामचंदर राव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने सम्मक्का-सारक्का मंदिर में दर्शन किया

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने शुक्रवार को आगामी नगर निकाय चुनावों में भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि यह तेलंगाना के विकास को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। मुलुगु जिले में सम्मक्का-सारक्का मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए राव ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य में मंदिरों और पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित कर रही है।

उन्होंने सम्मक्का-सारक्का, रामप्पा मंदिर और लखनावरम पर्यटन केंद्र से जुड़ी परियोजनाओं के लिए केंद्र के समर्थन का उल्लेख किया। भाजपा नेता ने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयासों से रामप्पा मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला है, और वहां 150 करोड़ रुपये के विकास कार्य वर्तमान में चल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार सम्मक्का-सारक्का जातरा के लिए हर साल सहायता प्रदान कर रही है, जिसमें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों से लाखों श्रद्धालु आते हैं। शैक्षणिक पहलों पर प्रकाश डालते हुए राव ने कहा कि मोदी सरकार ने मुलुगु में सम्मक्का-सारक्का जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुलुगु जिले के गठन में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और अपने एमएलसी कार्यकाल के दौरान उन्होंने यह मुद्दा विधान परिषद में उठाया था। इससे पहले, भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर दर्शन से पहले प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में एक विशाल रैली का आयोजन किया। राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और गट्टम्मा मंदिर जाकर विशेष पूजा-अर्चना भी की।

डीजीपी ने ग्रेहाउंड्स डायरी और वर्ष कैलेंडर का विमोचन किया

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस ने शुक्रवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रेहाउंड्स की आधिकारिक टेबल कैलेंडर और नववर्ष-2026 की डायरी का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, ऑपरेशंस (ग्रेहाउंड्स एवं ऑक्टोपस) आर. भास्करन, डीआईजी, सीआई सेल कर्नल सोमेश्वर सिंह सेंसिनवार, एसएम, प्रशिक्षण सलाहकार जे. राघवेंद्र रेड्डी, ग्रुप कमांडर (ऑपरेशंस), एन. वी. सत्य श्रीनिवास राव, ग्रुप कमांडर (प्रशिक्षण), ए. वेंकटेश्वरलु, ग्रुप कमांडर (मुख्यालय), जी. दयानंद, ओएसडी ऑपरेशंस, तथा पी.वी. नारायणस्वामी, स्क्वाड्रन कमांडर उपस्थित थे।

सड़क पर बकरियों को बचाते समय पुलिस आयुक्त की कार दुर्घटना से बची

सिद्दिपेट, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को रिम्मनगुंडा के राजीव राहधारी मार्ग पर सड़क पार कर रही बकरियों को टक्कर मारने से बचाने के प्रयास में सिद्दिपेट के निवर्तमान पुलिस आयुक्त एसएम विजय कुमार दुर्घटना से चमत्कारिक रूप से बच गए। घटना के दौरान कार ने एक लड़के को मामूली चोटें पहुंचाईं। लड़का सड़क पार करते समय बकरियों को चरा रहा था। चालक ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कार को सड़क से उतारकर पीने के पानी की पाइपलाइन के निरीक्षण कक्ष से टकरा दिया। विजय कुमार ने गाड़ी से उतरकर घायल लड़के को सांत्वना दी और स्थानीय पुलिस को तुरंत उसे अस्पताल ले जाकर उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मध्याह्न भोजन कर्मचारियों के वेतन और बिल लंबित होने से राज्य सरकार पर नाराजगी

करीमनगर, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा वेतन जारी करने में देरी के कारण मध्याह्न भोजन एजेंसियों के सदस्यों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि केंद्र सरकार ने दिसंबर 2025 तक का लंबित वेतन भुगतान कर दिया है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अब तक शेष राशि का भुगतान नहीं हुआ।

प्रत्येक कर्मचारी को प्रति माह 3,000 रुपये मिलते हैं, जिसमें से 1,000 रुपये केंद्र सरकार देती है और 2,000 रुपये राज्य सरकार द्वारा। इसके अलावा, कक्षा 9 और 10 के छात्रों के अंडों के बिल भी कई महीनों से लंबित हैं। मिड-डे मील वर्कर्स एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष बुर्रा मंजुला ने बताया कि कई बार अनुरोध करने के बावजूद वेतन और बिल जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने सरकार से शीघ्र भुगतान की मांग की और कहा कि कर्मचारी अपने सोने के गहने गिरवी रखकर बच्चों को भोजन परोस रहे हैं।

जहर खाने से महिला और नाबालिग बेटे की मौत

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट के हस्तिनापुरम इलाके में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद के संदिग्ध मामले में एक महिला और उसके नाबालिग बेटे की जहर खाने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना हस्तिनापुरम के जया कृष्णा एन्क्लेव में हुई। यशवंथ रेड्डी की पत्नी सुष्मिता (27) ने कथित तौर पर अपने 10 वर्षीय बेटे यशवंथ नंदा रेड्डी को जहर दिया और बाद में खुद भी जहर खा लिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब सुष्मिता की मां ललिता ने घर में दोनों को बेहोश अवस्था में देखा। बताया गया कि सदमे में आकर उन्होंने भी जहर खा लिया। उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही मीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और महिला व बच्चे के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को घटना का संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14656060P, Ex- NK, Mantu Kumar, R/o, Vill: Bheriharwa,Dist: East Champaran, Bihar, changed my Daughter's name from Shupriya Kumari to Supriya Kumari , vide Affidavit No.BN 820775 dt. 08.01.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, No. 14667986N, NK, Pal Surjit Ramprakash, R/o, Dist: Kannauj, U P, changed my Father's name from Ramprakash Pal to Pal Ramprakash Gurudayal, vide Affidavit No. 284174 dt. 07.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14647221L, Hav, Daund Ramesh Bhaskar, R/o, Dist: Jalgaon, Maharashtra, changed my Mother's name from Shakuntala Laxman to Shakuntala Bai Bhaskar Daund,vide Affidavit No. 284177 dt. 08.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No.14647718H, Hav, Vasmale Sudarshan Ambadas, R/o, Dist: Solapur, Maharashtra, changed my Father's name from Ambadas to Ambadas Sangappa Vasmale, vide Affidavit No. 284188 dt. 08.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14647718H, Hav, Vasmale Sudarshan Ambadas, R/o, Dist: Solapur, Maharashtra, changed my Mother's name from Vasmale Shakuntala to Shakuntala Ambadas Vasamale, vide Affidavit No. 284190 dt. 08.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No. 14668009F, Hony Hav, Vinod Yaduvanshi, R/o, Dist: Chhindwara, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Saraswati Yaduvanshi to Sarasvati Bai, vide Affidavit No. 284193 dt 08.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पिल्ले को कार से कुचलने के आरोप में एफआईआर

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पशु क्रूरता की एक भयावह घटना में, सरूरनगर पुलिस ने पेटा इंडिया और स्थानीय पशु देखभालकर्ता की मदद से एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपी पर आरोप है कि उसने अपनी कार से एक पिल्ले को कुचल दिया।

घटना 2 जनवरी को हुई, जब सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि वाहन पांच पिल्लों के समूह की ओर धीरे-धीरे बढ़ा और उनमें से एक को कुचल दिया। चालक न तो रुका और न ही उसने मदद की पेशकश की। जब स्थानीय पशु देखभालकर्ता सोनाली भौमिक ने आरोपी श्रवण से पूछताछ की, तो उसने कथित तौर पर कहा, 'मुझे यहां कोई कुत्ता नहीं चाहिए।'

सरूरनगर पुलिस स्टेशन ने आरोपी के खिलाफ धारा 325 (बीएनएस), 2023 के तहत एफआईआर दर्ज की है। इस धारा के तहत जानवर की हत्या या उसे अपंग करना संज्ञेय अपराध माना जाता है और इसमें पांच साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। पेटा इंडिया की वरिष्ठ क्रूरता प्रतिक्रिया समन्वयक सिंचना सुब्रमण्यन ने कहा कि जानवरों के प्रति क्रूरता करने वाले अक्सर मानव हिंसा की ओर भी बढ़ सकते हैं। संगठन ने जनता से दुर्व्यवहार की तुरंत रिपोर्ट करने और घायल पशुओं के लिए 24/7 आपातकालीन हेल्पलाइन (9820122602) का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है।

सिकंदराबाद की पहचान बचाने के लिए बीआरएस का विरोध प्रदर्शन का एलान

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्रि तलसानी श्रीनिवास यादव ने कांग्रेस सरकार पर हैदराबाद, साइबरबाद और मलकाजगिरि के नए नगर निगम बनाने के कथित प्रस्ताव के जरिए सिकंदराबाद की 220 साल पुरानी विरासत को मिटाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार से प्रस्ताव तुरंत वापस लेने की मांग की।

श्रीनिवास यादव ने कहा कि अगर पुनर्गठन आवश्यक है तो मलकाजगिरि के बजाय सिकंदराबाद या लश्कर के नाम से जिला या नगर निगम स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि साइबरबाद और मलकाजगिरि कभी गांव हुआ करते थे और सिकंदराबाद की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को नहीं ले सकते, जो रेलवे स्टेशन, लश्कर बोनालू, राष्ट्रपति निलयम और परेड ग्राउंड के लिए जानी जाती है।

बीआरएस नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बिना परामर्श और आम सहमति के एकतरफा फैसले ले रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद को केवल नौ दिनों में 300 डिवीजनों में विभाजित करने के कदम की आलोचना की और अधिकारियों पर गूगल मैप्स से नई सीमाएं तय करने का आरोप लगाया।

सरकार द्वारा योजना वापस न लेने पर बीआरएस ने विरोध प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी है। 11 जनवरी को ले पैलेस में राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों, निवासी संघों और व्यापारी संघों की संयुक्त बैठक होगी, जिसके बाद 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित गांधी प्रतिमा तक विशाल रैली निकाली जाएगी। पूर्व उपाध्यक्ष टी पद्म राव गौड़ ने कहा कि सिकंदराबाद की पहचान तेलंगाना की संस्कृति से जुड़ी है और सरकार की मांगें मानने तक विरोध प्रदर्शन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेंगे।

अमेरिका में हत्या की शिकार निकिता गोडिशाला का हैदराबाद में अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका में कथित हत्या की शिकार हुई हैदराबाद की निवासी निकिता गोडिशाला (27) का पार्थिव शरीर शुक्रवार को हैदराबाद में अंतिम संस्कार के लिए लाया गया। मर्रेडपल्ली के श्मशान घाट पर निकिता को भावभीनी विदाई देने के लिए परिवार और मित्रगण एकत्र हुए। दिन में उनका शव आरजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां करीबी रिश्तेदारों ने उसे ग्रहण किया। परिवार ने बताया कि अंतिम संस्कार निजी रूप से आयोजित किया गया और व्यवस्था तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तैनात की गई थी।

निकिता 31 दिसंबर, 2025 को मैरीलैंड के कोलंबिया स्थित अपने आवास में मृत पाई गई थीं। उनके शरीर पर कई चाकू के घाव थे और जांचकर्ताओं का मानना है कि घटना उसी दिन शाम को हुई थी। संदिग्ध अर्जुन शर्मा उसी स्थान पर मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि शर्मा ने 1 जनवरी, 2026 को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज की और अगले दिन भारत लौट गए। इस दौरान निकिता के बैंक खाते में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन देखा गया। परिवार ने यह भी कहा कि संदिग्ध ने निजी कठिनाइयों का हवाला देते हुए अपने परिचितों से पैसे मांगने की कोशिश की थी।

मानू की जमीन के मुद्दे पर केटीआर का राहुल गांधी से सवाल

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू) की जमीन को लेकर राज्य सरकार की कार्रवाई पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर सवाल उठाया है। उन्होंने राहुल गांधी से इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ने और यह स्पष्ट करने की मांग की कि कांग्रेस सरकार बार-बार विश्वविद्यालय की जमीनों को क्यों निशाना बना रही है। केटी रामाराव ने कहा कि राहुल गांधी खुद को अल्पसंख्यकों का हितैषी बताते हैं, लेकिन फिर भी एक अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय की जमीन पर कब्जे की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि एमएएनयूयू की जमीन खाली नहीं थी, बल्कि वहां शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों और भविष्य के विस्तार की योजना थी। शुक्रवार को एमएएनयूयू छात्र संघ के निवर्तमान अध्यक्ष मतीन अशरा के नेतृत्व में छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नंदी नगर स्थित केटी रामाराव के आवास पर उनसे मुलाकात की। छात्रों ने बताया कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय को पहले आवंटित 50 एकड़ जमीन वापस लेने का प्रयास कर रही है, जिससे छात्र समुदाय में भारी रोष है।

मेयर व पार्षदों ने साबरमती रिवरफ्रंट परियोजना का निरीक्षण किया

साबरमती रिवरफ्रंट ने टीम पर गहरी छाप छोड़ी

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के पार्षदों के एक दल ने शुक्रवार को अध्ययन दौरे के तहत अहमदाबाद की साबरमती रिवरफ्रंट परियोजना का दौरा किया।

इस दौरे का उद्देश्य नदी तट विकास और पर्यटन-केंद्रित शहरी नियोजन की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को समझना था, ताकि हैदराबाद में मूसी नदी के पुनर्जीवन के लिए प्रेरणा ली जा सके। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी के नेतृत्व में, उपमहापौर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ पार्षदों ने परियोजना का निरीक्षण किया। अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों और साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआरएफडीसीएल) के प्रतिनिधियों (जिनमें विजय प्रजापति शामिल थे) ने जीएचएमसी टीम को परियोजना की परिकल्पना, योजना और चरणबद्ध क्रियान्वयन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कभी उपेक्षित रहे साबरमती नदी के किनारों को जीवंत सार्वजनिक और मनोरंजनात्मक स्थलों में परिवर्तित किया गया।

यह रिवरफ्रंट परियोजना सात चरणों में विकसित की जा रही है, जिसमें पहला चरण 11.5 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करता है और यह पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि दूसरा चरण अगले छह महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। परियोजना के लिए एक समर्पित संगठन का गठन किया गया, जिसमें प्रभावित निवासियों से सीधे परामर्श किया गया, न्यूनतम राजनीतिक हस्तक्षेप रखा गया और विस्थापित लोगों को पुनर्वास लाभ सीधे प्रदान किए गए। यह परियोजना बाढ़ नियंत्रण, पर्यावरणीय पुनर्स्थापन और शहरी पुनर्जीवन को एकीकृत करती है, जिसमें पैदल पथ, पार्क, उद्यान, थीम आधारित ज़ोन और मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी और पश्चिमी तटों को जोड़ने वाले प्रसिद्ध अटल फुट ब्रिज का भी दौरा किया। जीएचएमसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि साबरमती रिवरफ्रंट ने टीम पर गहरी छाप छोड़ी है और यह हैदराबाद में मूसी रिवरफ्रंट विकास, सार्वजनिक स्थलों के प्रबंधन और नागरिक-केंद्रित शहरी नवीनीकरण के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल के रूप में कार्य करेगा। अध्ययन दौरे के दौरान देखी गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट जीएचएमसी और राज्य सरकार को सौंपी जाएगी।

बढ़ती ठंड और गलन के बीच बढ़ाई गईं छुट्टियां, अब 10 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल

प्रयागराज, 9 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में कोहरे और शीतलहर में लोग ठिठुरने को मजबूर हैं। बड़ों के लिए यह ठंड जितनी खतरनाक साबित हो रही है, बच्चे और भी ज्यादा परेशान हैं। ऐसे में प्रशासन ने फैसला लिया है कि प्रयागराज के सभी स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाकर 10 जनवरी तक कर दी जाएं। अब प्रयागराज जिले में 12वीं तक के सभी स्कूल 10 जनवरी तक बंद रहेंगे। सभी प्रकार के माध्यमिक विद्यालयों, समस्त बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा।

इसके लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर डीआईओएस पीएन सिंह ने आदेश जारी किए हैं। स्कूल अब सोमवार, 12 जनवरी से खुलने की बात कही जा रही है। ध्यान देने वाली बात है कि इस अवधि में टीचर्स और अन्य स्टाफ स्कूल और कार्यालय में उपस्थित रहेंगे और अपने कार्यों निर्वहन करेंगे। डीआईओएस पीएन सिंह ने इस आदेश का सख्ती से अनुपालन करने का निर्देश दिया है।

लैंड फॉर जॉब केस: लालू परिवार समेत 41 पर आरोप तय

कोर्ट ने कहा- लालू फैमिली ने आपराधिक गिरोह की तरह काम किया

पटना, 9 जनवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोर्ट ने लालू परिवार पर आरोप तय किए हैं। 41 लोगों पर आरोप तय हुए हैं। इन लोगों पर अब मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने 52 लोगों को बरी किया है। सुनवाई को लेकर आज शुक्रवार को लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती और बेटे तेजप्रताप दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोग्ने ने कहा कि लालू यादव और उनका परिवार एक आपराधिक गिरोह की तरह काम कर रहे थे और उनकी ओर से एक व्यापक साजिश रची गई थी। जज ने आदेश सुनाते हुए कहा, अदालत संदेह के आधार पर यह पाती है कि लालू प्रसाद यादव ने अपने परिवार (बेटियों, पत्नी और बेटों) के लिए अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की एक व्यापक साजिश रची थी। इस मामले में कुल 41 आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा13(2) और 13(1)(डी) के तहत आरोप तय किए जाएंगे। कोर्ट ने 52 आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है।

अब आगे क्या होगा

कोर्ट ने सबूत के आधार पर ये स्वीकार कर लिया है कि लालू यादव के ख़िलाफ लगाए गए आरोप सही हैं। इसके आधार पर अब उनके ख़िलाफ इस केस का ट्रायल चलेगा। ट्रायल में बहस होगी इसके बाद इस पर अंतिम फैसला सुनाया जाएगा।

लालू यादव के पास क्या ऑप्शन

राजद सुप्रीमो लालू यादव लोअर कोर्ट के फैसले के खिलाफ हायर कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

सीबीआई ने दायर की है चार्जशीट

पिछली सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत में एक सत्यापन रिपोर्ट पेश की, जिसमें बताया गया कि चार्जशीट में नामजद 103 आरोपियों में से पांच की मौत हो चुकी है। जांच एजेंसी ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है।

2004 से 2009 के बीच रची गई साजिश

सीबीआई का कहना है कि 'यह पूरी साजिश 2004 से 2009 के बीच रची गई जब लालू प्रसाद यादव देश के रेल मंत्री थे। 2004 से 2009 के बीच मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर स्थित रेलवे के अलग अलग जोनों में बिहार के लोगों को ग्रुप-डी पदों पर बहाल किया गया।' आरोप है कि इसके बदले में, इन व्यक्तियों या उनके परिवारों ने अपनी जमीन तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों और एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी को दी, जिसे बाद में उनके परिवार के सदस्यों ने अपने कब्जे में ले लिया। जांच एजेंसी ने कहा कि इस दौरान लगभग सभी मामलों में नौकरी देने से पहले ही जमीनें ट्रांसफर की गईं और अधिकांश में गिफ्ट डीड तैयार कर ली गई थी।' सीबीआई ने आरोप पत्र में यह भी दावा किया है कि 'जब लालू यादव रेल मंत्री थे, तब उनके करीबी भोला यादव ने गांव में जाकर कहा था कि अपने परिजनों को नौकरी दिलाने के एवज में अपनी-अपनी जमीन लालू परिवार के नाम कर दीजिए। लालू परिवार के नाम जमीन लिखने वाले सभी आरोपियों ने दावा किया है कि उन्हें लालू परिवार से नकद में भुगतान किया गया था।'

लालू की बेटियों पर भी आरोप

सीबीआई ने इस मामले में सिर्फ लालू और उनके बेटों को ही नहीं, बल्कि उनकी बेटियों को भी आरोपी बनाया है। खासकर सांसद मीसा भारती और हेमा यादव के खिलाफ भी चार्जशीट में आरोप दर्ज हैं कि उन्हें भी नाम मात्र की कीमत पर ज़मीन ट्रांसफर की गई थी।

एम्स में 44.50 लाख का घोटाला, चीफ कैशियर अरेस्ट

पटना, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना में करीब 44.50 लाख घोटाले का मामला सामने आया है। इस मामले में एम्स प्रशासन राज कुमार जालान ने फुलवारी शरीफ थाने में चीफ कैशियर अनुराग अमन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने चीफ कैशियर को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, संस्थान की ओर से इंटरनल ऑडिट कराया गया। ऑडिटर पीयूष आनंद ने वित्तीय रिकॉर्ड खंगाला, जिसमें कई वित्तीय अनियमितता पाई है।

एम्स के सूत्रों के अनुसार, नियमित आंतरिक ऑडिट में कैश बुक, भुगतान रजिस्टर, रसीदों और बैंक खातों का मिलान किया गया। इस प्रक्रिया में नकद लेन-देन और बैंक एंट्री के बीच भारी अंतर मिला है। शुरुआती जांच में कई बड़े लेनदेन बिना आवश्यक दस्तावेजों, वाउचर और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के किए गए थे। ऑडिट टीम के गहन विश्लेषण के बाद लगभग 44.50 लाख रुपए का हिसाब नहीं मिला। इसके बाद संस्थान के कैशियर के खिलाफ कार्रवाई की है।

पूर्णिया में 19 लाख की हेरोइन बरामद, 2 तस्कर गिरफ्तार

पूर्णिया, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया के कसबा थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 19 लाख की हेरोइन के साथ युवक और युवती को गिरफ्तार किया है। दोनों लंबे समय से इस धंधे में शामिल थे। गिरफ्तार युवक की पहचान अरुण नेहरू क्रमेश (40) के तौर पर हुई है। जो राधा नगर गांव का रहने वाला है। महिला तस्कर अंजली देवी (36) वैशाली जिले के विदुपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। एसडीपीओ-2 राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी।

दो तस्कर हेरोइन की खेप लेकर राधा नगर इलाके में आने वाले हैं। इसकी जानकारी तुरंत एसपी स्वीटी सेहरावत को दी गई। इसके बाद एक विशेष टीम बनाई गई। छापेमारी टीम ने सिंहजी ढाबा के पास जंगल क्षेत्र में घेराबंदी की। एक महिला और युवक वहां पहुंचे। पुलिस ने दोनों को रोककर तलाशी ली। उनके पास से 8 डिब्बों में छिपाकर रखी गई 93.50 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

भू-माफिया की कर्मियों से मिलीभगत

5 लाख में बदले पुराने दस्तावेज पुलिस ने एक को पकड़ा

अररिया, 9 जनवरी (एजेंसियां)। जिला निबंधन कार्यालय से जुड़े मूल अभिलेखों को गायब कर फर्जी अभिलेख तैयार करने के गंभीर मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अररिया नगर थाना में जिला निबंधन कार्यालय के अभिलेखपाल मो शफी अनवर के आवेदन पर 15 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया था।

जिसमें निबंधन कार्यालय के दो एमटीएस सहित दस लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ सुशील कुमार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। अनुसंधान के बाद छापामारी दल द्वारा प्राथमिकी के नामजद अभियुक्त जोकीहाट थाना क्षेत्र के तुरकैली, वार्ड नंबर 11 निवासी सनाउल्लाह शेख उर्फ सोनू (21) को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में एसपी अंजनी कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि रजिस्ट्री कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की मिलीभगत से मूल अभिलेखों में हेरफेर की गई थी। पुलिस को पहले से ही संदेह था कि कर्मचारियों की संलिप्तता के बिना इस तरह की गड़बड़ी संभव नहीं है।

एसपी ने बताया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी अररिया थाना क्षेत्र में सामने आ चुकी हैं। सभी मामलों का पैटर्न एक जैसा है। रजिस्ट्री नंबर वही रहता है, लेकिन मूल दस्तावेज बदल दिए जाते हैं। खरीददार और विक्रेता के नामों में हेरफेर की जाती है। इस पूरे खेल में रजिस्ट्री ऑफिस में कार्यरत एमटीएस को करीब पांच लाख रुपए दिए जाने की बात सामने आई है।

सास से झगड़ा के बाद बहू ने किया सुसाइड

झांसी, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सास से झगड़ा होने के बाद बहू ने सुसाइड कर लिया। उसकी डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। सुबह किसी बात को लेकर सास-बहू की कहासुनी हो गई। इसके बाद बहू ने जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन मऊरानीपुर सीएचसी ले गए। जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

यहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बड़ी बहन का आरोप है- शादी के बाद से ही दहेज के लिए छोटी बहन को परेशान किया जाता है। सोने की अंगूठी की डिमांड करते थे। मारपीट कर छोटी बहन की हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला मऊरानीपुर के वीरा धौर्रा गांव का है।

बिहार ने जंगलराज को नकारा, यूपी की जनता भी गुंडाराज को करेगी खारिज: ब्रजेश

बरेली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सत्ता के संरक्षण में पले गुंडों को बढ़ावा देना समाजवादी पार्टी की पुरानी पहचान रही है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश की जनता इस राजनीति को पूरी तरह खारिज कर चुकी है। जब-जब सपा सत्ता में रही, प्रदेश में गुंडाराज, अराजकता और भय का माहौल रहा। इसके विपरीत आज उत्तर प्रदेश कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। आज यूपी को सुरक्षित प्रदेश–विकसित प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। जैसे बिहार की जनता ने जंगलराज को नकारा है,

वैसे ही उत्तर प्रदेश की जनता भी 2027 में सपा के गुंडाराज को सिरे से खारिज करेगी। पीर बहोड़ा अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के बाद उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचा है। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और कोरोना काल से अब तक 80 करोड़ लोगों को निश्शुल्क राशन दिया जा रहा है। यही वजह है कि आमजन का भरोसा भाजपा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है। सपा नेतृत्व को यह भली-भांति पता है कि उनकी राजनीति अब जमीन पर कमजोर पड़ चुकी है। इसी कारण वे जाति और भ्रम की राजनीति का सहारा लेकर चुनावी वैतरणी पार करना चाहते हैं, लेकिन यह वोट बैंक की राजनीति अब सफल नहीं होने वाली। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के दौरान बरेली में हत्यारे और गुंडों का राज था।

उन्होंने कहा कि सपा का नारा है, खाली प्लाट हमारा है। एसआइआर को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया पूरी कर रहा है। ड्राफ्ट मतदाता सूची उपलब्ध है और सभी राजनीतिक दल आयोग के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं में भाजपा सरकार ने जनता का भरोसा जीता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सांसद पप्पू यादव की मुलाकात

पूर्णिया को रक्षा हब बनाने का प्रस्ताव, दिल्ली की फ्लाइट कैंसिल करने का भी मुद्दा उठाया

पूर्णिया, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की है। इस दौरान सीमांचल से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। साथ ही लोकसभा क्षेत्र की सामरिक, सामाजिक और रणनीतिक अहमियत से रक्षा मंत्री को अवगत कराया। सांसद ने कहा कि पूर्णिया सीमांचल का प्रमुख प्रशासनिक-सामाजिक केंद्र होने के साथ-साथ नेपाल सीमा और उत्तर-पूर्व भारत के निकट स्थित होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा सेना में भर्ती होते रहे हैं और यहां भूतपूर्व सैनिकों की भी मजबूत मौजूदगी है, जो राष्ट्र सेवा की सशक्त परंपरा को दर्शाती है।

शहीद स्मारक के निर्माण की मांग

सांसद पप्पू यादव ने रक्षा मंत्री के समक्ष पूर्णिया और आसपास के इलाकों में रक्षा से जुड़े संस्थानों की स्थापना का प्रस्ताव रखा। सैनिक स्कूल, सेना भर्ती पूर्व-प्रशिक्षण केंद्र, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय का विस्तार, सैन्य कैंटीन (सीएसडी), ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक या सैन्य अस्पताल, डीआरडीओ की फील्ड यूनिट रक्षा अनुसंधान केंद्र, एनसीसी प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार और शहीद स्मारक या वीर स्मृति स्थल के निर्माण की मांग की। सांसद ने कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्र की सामरिक क्षमता भी मजबूत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सांसद की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के साथ विचार करने का आश्वासन दिया। इसी मुलाकात में सांसद ने पूर्णिया-दिल्ली हवाई सेवा को 19 से 26 जनवरी तक अचानक बंद किए जाने का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठाया। कहा कि उड़ान रद्द होने से सबसे अधिक नुकसान छात्रों, मरीजों और कामकाजी लोगों को होगा। पढ़ाई और इलाज के लिए दिल्ली जाने वाले लोगों को अब लंबी और कठिन रेल या सड़क यात्रा करनी पड़ेगी, जो आम जनता के लिए बड़ी परेशानी है।

मांग करते हुए कहा कि 19 से 26 जनवरी के बीच उड़ान का शेड्यूल समायोजित कर संचालन जारी रखा जाए, इंडिगो से कैंसिलेशन के लिखित कारण मांगे जाएं और यात्रियों को मुआवजा, री-बुकिंग की सुविधा सुनिश्चित हो। साथ ही भविष्य में किसी भी एकल-सेवा रूट को पूरी तरह बंद करने से पहले पूर्व अनुमति को अनिवार्य बनाने और डीजीसीए स्तर पर यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विशेष सेल गठित करने की मांग भी रखी। सांसद पप्पू यादव ने विश्वास जताया कि रक्षा मंत्री के हस्तक्षेप से सीमांचल-कोसी क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी और क्षेत्रीय विकास की रफ्तार बनी रहेगी।

आधी रात को महिला की एक कॉल पर पति को उठा ले गई पुलिस

बेतिया, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में पत्नी की शिकायत पर पति को जेल हो गई। दरअसल, एक महिला ने खुद पुलिस को फोन कर सूचना दी कि मेरे पति बिस्तर के नीचे बंदूक रखते हैं और वह हमेशा मेरे साथ मारपीट करते हैं। बंदूक रखने से मुझे डर लगता है कि कभी कोई अनहोनी ना हो जाए। इसके बाद पत्नी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया। पूरा मामला बेतिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महनागनी गांव का है। यहां पत्नी की सूचना पर पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शख्स के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा बरामद किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान स्वर्गीय शंकर पासवान के पुत्र रमेश पासवान के रूप में हुई है। आरोपी रमेश पासवान की पत्नी सुनीता देवी ने बताया कि उसका पति रमेश पासवान हमेशा उसके साथ मारपीट करता है। इससे नाराज होकर सुनीता देवी ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

बिहार की 'मॉडर्न लव स्टोरी': फुफेरे भाई के प्यार में ममेरी बहन ने 3 बच्चे छोड़ की कोर्ट मैरिज, एक्स हसबैंड बना गवाह

वैशाली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। ममेरी बहन को फूफेरे भाई से प्यार हो गया और वह अपने पति और तीन बच्चे को छोड़कर प्रेमी से कोर्ट मैरिज कर ली। प्रेमी पति का कहना है कि मुझे विश्वास है कि अब वह मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएगी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। मामला जंदाहा नगर पंचायत क्षेत्र का बताया जा रहा है। प्रसारित वीडियो के अनुसार तीन बच्चों की मां रानी कुमारी ने अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी गोबिंद कुमार से कोर्ट मैरिज कर ली है।

इस लव मैरिज में हैरान वाली बात यह है कि रानी कुमारी के पूर्व पति कुंदन कुमार ने खुद गवाह बनकर उसे खुशी-खुशी विदा किया है। जानकारी के अनुसार रानी कुमारी पहली शादी जंदाहा निवासी कुंदन कुमार के साथ वर्ष 2011 में कोर्ट मैरिज के जरिए हुई थी। कुंदन घर पर ग्राहक सेवा केंद्र चलाते हैं। उससे उनके तीन बच्चे भी हैं, जो अब कुंदन के साथ ही रहेंगे। रानी का पिछले पांच साल से अपने फूफेरे भाई गोबिंद कुमार के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसमें रानी पहले भी कई बार अपने पति और सभी बच्चों को छोड़कर जा चुकी थी। जिससे उसके पति काफी परेशान रहते थे। लेकिन उनकी पत्नी अपनी हरकत से बाज नहीं आती थी।

कुंदन अपनी पत्नी के इस व्यवहार से तंग आ चुके थे। बताया गया है कि रानी अपने प्रेमी गोबिंद कुमार के साथ रहने की सहमति जताई और तीनों बच्चों को पहले पति के साथ छोड़ दिया। कुंदन ने रानी की खुशी को देखते हुए गोबिंद से उनकी खुशी-खुशी शादी करवा दी और इस विवाह का खुद गवाह बन गया।

चिकन पॉइंट में थूक लगाकर रोटियां बना रहा था जावेद

वीडियो वायरल, अब हुई गिरफ्तारी

गाजियाबाद, 9 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित गाजियाबाद में सड़क किनारे एक ढाबे में खाना बनाने वाले रसोइये को गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर रसोइये का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह चपाती बनाने से पहले कथित तौर पर आटे पर थूकता नजर आ रहा है। पुलिस ने बताया कि यह घटना मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ रोड पर वर्धमान पुरम पुलिस चौकी के पास सड़क किनारे स्थित एक ढाबे पर हुई। पुलिस के मुताबिक, कुछ ग्राहकों ने रसोइये को आटे और चपातियों पर थूकते हुए देखा और इस घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया मंच पर खूब प्रसारित हुआ।

वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि रसोइये की पहचान मुरादनगर कस्बे के रहने वाले

जावेद अंसारी के रूप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त (कविनगर) सूर्यबली मौर्य ने बताया कि 'चिकन पॉइंट' ढाबे का मालिक वसीम नामक व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि घटना के समय मालिक दुकान पर मौजूद था या नहीं। एसीपी ने कहा कि पुलिस ढाबे के लाइसेंस की वैधता की भी जांच कर रही है और घटना में मालिक की भूमिका की भी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि ढाबे के मालिक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई के लिए मामले की रिपोर्ट खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य विभागों को भेज दी गई है।

बिहार कांग्रेस की बैठक में तीन विधायक गायब

10 जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की तैयारी; राजेश राम ने दी सफाई

पटना, 9 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए वीबी-जीरामजी के खिलाफ कांग्रेस 10 जनवरी से मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम चलाएगी। आयोजन के दौरान कांग्रेस मनरेगा विरोधी नीति के खिलाफ पूरे प्रदेश में जन-जन को जागरूक करेगी और सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। पार्टी के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर केंद्र सरकार की नीतियों की सच्चाई जनता के सामने रखेंगे। आयोजन की सफलता के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा निर्धारित की।

बैठक को संबोधित करते हुए राजेश राम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया कानून, मनरेगा की मूल भावना पर सीधा हमला है। यह कानून गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण जनता के रोजगार के अधिकार को कमजोर करने वाला

है। मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों गरीब परिवारों की आजीविका की वैधानिक गारंटी है, जिसे किसी भी कीमत पर खत्म नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में पार्टी के तमाम नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने को बुलाई गई बैठक में पार्टी के छह में से तीन विधायक नदारद रहे। अबीदुररहमान, मनोहर प्रसाद और मनोज विश्वास को छोड़ तीन विधायक बैठक में नहीं आए। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने विधायकों की अनुपस्थिति पर सफाई देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी कार्यों में व्यस्त थे। 10 फरवरी को जिलास्तरीय प्रेस कांफ्रेंस। 11 को एक दिवसीय उपवास। 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर चौपालें, जनसंपर्क, नुक्कड़ सभाएं। 30 जनवरी को वार्ड व ब्लाक स्तर पर शांतिपूर्ण धरना। 31 जनवरी से 6 फरवरी तक डीएम कार्यालयों पर धरना। 7 से 15 फरवरी के बीच राज्य स्तर पर विधानसभाओं का घेराव। 16 से 25 फरवरी के दौरान एआईसीसी द्वारा आयोजित क्षेत्रीय रैलियों के साथ अभियान का समापन।

दरभंगा में युवक ने 10वीं की छात्रा पर बनाया शादी का दबाव, फांसी लगाकर दे दी जान

दरभंगा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले के हरचंदा गांव में मानसिक उत्पीड़न से आहत होकर 10वीं की एक छात्रा ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) भेज दिया। छात्रा की मौत से गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा कि गांव का एक युवक छात्रा पर शादी करने का दवाब बना रहा था, जबकि छात्रा उससे शादी नहीं करना चाहती थी।

मृतका की पहचान फूदन साह की 16 वर्षीय पुत्री अंजली कुमारी के रूप में हुई है। अंजली बिशनपुर थाना क्षेत्र के हरचंदा गांव की रहने वाली थी। परिजनों का आरोप है कि गांव का ही एक युवक लंबे समय से उनकी बेटी पर शादी के लिए दबाव बना रहा था और लगातार फोन कर परेशान करता था। इस संबंध में अंजली ने पहले भी थाने में शिकायत की थी। मृतका के पिता फूदन साह ने बताया कि वह रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब छह बजे सब्जी बेचने घर से निकल गए थे। इसी दौरान आरोपी युवक अपने कुछ परिजनों के साथ उनके घर पहुंचा और हंगामा करने लगा। कथित पंचायत और दबाव से आहत होकर उनकी बेटी ने घर में ही गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि अंजली पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी थी और 10वीं कक्षा की छात्रा थी।

पिता के अनुसार, आरोपी युवक रिश्ते में अंजली का भाई लगता था। बावजूद इसके वह एकतरफा प्रेम में उसके साथ भागने का दबाव बनाता था। युवक की उम्र करीब 33 वर्ष बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि लगातार मानसिक प्रताड़ना के कारण अंजली टूट चुकी थी। वहीं मामले को लेकर दरभंगा के एसएसपी ने बताया कि एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम बना दी गई है और खुद से एसडीपीओ सभी बिंदु पर जांच कर रहे हैं। उचित कार्रवाई जल्द की जाएगी।

साकेत कोर्ट के टॉप फ्लोर से कूदकर क्लर्क ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट भी बरामद

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां मौजूद साकेत कोर्ट में एक शख्स ने सुसाइड कर लिया है। आत्महत्या करने वाले शख्स की पहचान एक अहलमद हरीश सिंह के रूप में हुई है, जो साकेत कोर्ट में ही काम कर रहा था। शव के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक काम के दबाव में शख्स ने खुदकुशी की है।

हरीश सिंह ने कोर्ट परिसर के टॉप फ्लोर से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि उन्होंने मौते के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं बताया है। हरीश 60 प्रतिशत दिव्यांग थे। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अदालती अभिलेखों के रखरखाव और न्यायाधीशों की सहायता करने वाले क्लर्क हरीश सिंह ने कार्य समय के दौरान साकेत कोर्ट भवन की सबसे ऊपरी मंजिल पर चढ़कर वहां से कूदकर आत्महत्या कर ली।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में चार्ज फ्रेम करने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कह दी बड़ी बात

प्रयागराज, 9 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आत्महत्या से जुड़े एक मामले में आवेदक की क्रिमिनल रिवीजन याचिका को खारिज करते हुए कहा है कि आरोप तय करने के चरण में अनुमान ही काफी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस स्टेज पर कोर्ट को विस्तृत कारण दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती और बरी या दोषसिद्धि के लिए आवश्यक मापदंडों की जांच इस अवस्था में नहीं की जा सकती। आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत आरोप तय करने के लिए इतना भर पर्याप्त है कि मामले का ठोस आधार और समग्र संदेश यह बताता हो कि अपराध किया गया है।

उकसावे के आवश्यक तत्वों की उपस्थिति या अनुपस्थिति को आरोप तय होने के समय गहराई से नहीं परखा जा सकता; यह विचारण न्यायालय (ट्रायल कोर्ट) तय करेगा। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि आरोप तय करने की स्टेज तब आती है जब आरोपी डिस्चार्ज नहीं किया गया हो; इसलिए आरोप तय होने के बाद पूर्ण विचारण (फुल ट्रायल) करना ही पड़ेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सीआरपीसी की धारा 227 के तहत डिस्चार्ज में, मामले के रिकॉर्ड और उसके साथ जमा दस्तावेज़ों पर विचार करने तथा आरोपी और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद, यदि जज को लगता है कि आगे बढ़ने का पर्याप्त आधार नहीं है, तो वह आरोपी को डिस्चार्ज कर देगा और ऐसा करने के कारणों को रिकॉर्ड करेगा। वहीं धारा 228 में आरोप तय करने में, यदि इस विचार और सुनवाई के बाद जज की राय है कि यह मानने का आधार है कि आरोपी ने ऐसा अपराध किया है जो विशेष रूप से सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय नहीं है, तो वह आरोपी के खिलाफ आरोप तय कर सकता है। आदेश द्वारा मामले को ट्रायल के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (साजेएम) या प्रथम श्रेणी के अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को ट्रांसफर भी कर सकता है और आरोपी को संबंधित मजिस्ट्रेट के सामने निर्धारित तारीख पर पेश होने का निर्देश दे सकता है। बाद में मजिस्ट्रेट पुलिस रिपोर्ट पर दायर वारंट-मामलों के ट्रायल की प्रक्रिया के अनुसार अपराध का ट्रायल करेंगे; और जो मामले विशेष रूप से न्यायालय द्वारा विचारणीय हैं, उनमें आरोपी के खिलाफ लिखित में आरोप तय किया जाएगा। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि संदेह/गंभीर संदेह/अनुमान मौजूद होने के कारण कोर्ट आईपीसी की धारा 306 के तहत आरोप तय कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि सेशंस कोर्ट द्वारा आरोप तय करना गलत है।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और आवेदक की रिवीजन याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने साथ ही स्पष्ट किया कि फैसले में की गई टिप्पणियां केवल आरोप तय करने के चरण तक सीमित हैं और इसे मामले के गुण-दोष पर राय नहीं माना जाए। यह आदेश जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र ने आवेदक अशोक सिंह उर्फ काली सिंह की क्रिमिनल रिवीजन याचिका को खारिज करते हुए दिया है।

केस का घटनाक्रम और दर्ज आदेश

आवेदक ने सीआरपीसी की धारा 397/401 के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें गोरखपुर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/स्पेशल जज द्वारा 24 जनवरी 2024 को आईपीसी धारा 306 के तहत आरोप तय करने के आदेश और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 22 अक्टूबर 2021 को अपराध का संज्ञान लेने के आदेश को चुनौती दी गई थी। 2 मार्च 2020 को जिला अस्पताल, गोरखपुर के एक वार्ड बॉय ने पुलिस को शवगृह में एक शव होने की सूचना दी। मृतक की पहचान दीन दयाल सिंह के रूप में हुई, जो याचिकाकर्ता अशोक सिंह का सगा भाई था। मौके पर पहुँची पुलिस को मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

ट्यूशन जा रही नाबालिग लड़की का परिचित ने किया अपहरण, पहाड़ी पर ले जाकर किया रेप

बीड़, 9 जनवरी (एजेंसियां)। ट्यूशन के लिए जा रही एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप करने की चौंकाने वाली घटना महाराष्ट्र के बीड़ जिले के केज तालुका से सामने आई है। इस मामले ने पूरे तालुका में हंगामा मचा दिया है। इस घटना के संबंध में संबंधित आरोपी के खिलाफ केज पुलिस स्टेशन में एक गंभीर अपराध दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, केज तालुका के एक गांव में रहने वाली पंद्रह साल की एक नाबालिग लड़की हमेशा की तरह ट्यूशन के लिए घर से निकली थी।

इसी दौरान उसके परिचित एक युवक ने उसे कार से घुमाने का बहाना बनाया। परिचित होने और विश्वास में लेने के बाद आरोपी ने लड़की को कार में बिठाया। हालांकि, उसे ट्यूशन के बजाय तालुका के बाहर एक पहाड़ी और सुनसान इलाके में ले जाया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि उस जगह पर एकांत का फायदा उठाते हुए आरोपी ने नाबालिग लड़की की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ रेप किया।

इंदौर में तेज रफ्तार कार ट्रक से भिड़ी

एमपी के पूर्व गृहमंत्री की बेटी समेत तीन लोगों की मौत

इंदौर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। एक भयानक सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर ट्रक से हो गई। इस दुर्घटना में मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। रालामंडल इलाके में हुए इस हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर फरार है। इस हादसे में कार में सवार एक और लड़की थी, जिसे घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, ये हादसा आज शुक्रवार 9 जनवरी सुबह सवा पांच बजे के करीब हुआ, जब कार सवार युवक-युवतियां पार्टी करके लौट रहे थे।

इंदौर में हुए इस हादसे में मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा बच्चन समेत प्रखर कासलीवाल और मान संधु नाम के दो और शख्स की भी मौत हुई है। इस हादसे में अनुष्का राठी नामक युवती घायल हैं। दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

रालामंडल इलाके में हुए इस हादसे की सूचना मिलने के साथ ही एमपी के पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन और उनकी पत्नी सहित पूरा परिवार शव गृह पहुंच गया। प्रेरणा बच्चन की मौत की खबर से पूरे परिवार को गहरा सदमा लगा है। वहीं प्रेरणा की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम रूम के बाहर से पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की तस्वीर में देखा जा सकता है।

दिल्ली सरकार का आप पर तीखा हमला

मंत्री आशीष सूद ने केजरीवाल को क्यों बताया झूठा?

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान रेखा गुप्ता की सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय की तरफ इशारा करते हुए केजरीवाल पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल का भाषण साफ तौर पर दर्शाता है कि सरकार अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। लेकिन विपक्ष अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है। बेवजह जनता के बीच झूठ फैलाने में लगा है। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सभी विधायक और ब्यूरोक्रेसी मिलकर ईमानदारी से दिल्ली में परिवर्तन लाने का काम कर रहे हैं।

विपक्ष आज भी सिर्फ मेनिफेस्टो की बातें कर रहा है। उन्होंने आप का 70 सूत्रीय एजेंडा था, सभी विधानसभाओं के लिए मेनिफेस्टो आया था, लेकिन वह कहां गया? आज भी गिनाने के लिए सिर्फ 10 बिंदु बचे हैं, जिनमें भी यमुना की सफाई और प्रदूषण जैसे मुद्दे सिर्फ कागजों तक सीमित रहे। जबकि आप को ये सारे काम जमीन पर लेकर आने थे, लेकिन केजरीवाल सरकार को अपने शीशमहल से ही फुर्सत नहीं मिल पाई।

उन्होंने आप और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग झूठ बोलकर भागने की राजनीति करते हैं। अतिथि देवो भवः की बात करने वाले झूठ बोलकर यहां से निकल गए। दिल्ली की जनता ने परेशान होकर ही आप को सत्ता से बेदखल कर उन्हें चुना है। अब जनता से किए वादे धीरे-धीरे कर पूरे हो रहे हैं।

जनता का सरकार में विश्वास बढ़ रहा है। मंत्री आशीष ने कहा कि पिछले 11 महीनों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर ठोस काम हुआ है, लाइसेंसिंग की टाइमलाइन कम की गई है और प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है।

झुग्गी-झोपड़ी और बजट को लेकर भी मंत्री सूद ने विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, रात को बजट लाया गया था और 12 बजे वह लैप्स हो गया था। एक रुपये तक खर्च नहीं हुआ, यह अपने आप में रिकॉर्ड है। अटल कैंटीन का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि बीते 11 महीनों में 25 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक 3.76 लाख से ज्यादा लोग अटल कैंटीन में भोजन कर चुके हैं। हम काम करते रहेंगे, क्योंकि हम सेवा के लिए चुनकर आए हैं। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि अटल कैंटीन का पौष्टिक खाना शीशमहल में खाने वालों को शायद पचे नहीं। मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय में बदलावों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले 11 महीनों में सचिवालय में परिवर्तन दिख रहा है। पहले अपने ही विधायक मुख्यमंत्री कार्यालय तक नहीं पहुंच पाते थे, अब यह व्यवस्था बदली है।

आज अदालत में अहम सुनवाई

विधायक अब्बास अंसारी और कर्नाटक के बीजेपी नेता की याचिकाएं सूचीबद्ध

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। देश के उच्च न्यायालयों में आज कई अहम याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है, जिनमें राजनीतिक, कानूनी और सामाजिक मामलों से जुड़ी संवेदनशील मुद्दों को शामिल किया गया है। कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट के भाजपा विधायक बीए बसवराज से जुड़े आपराधिक मामले में दिए गए आदेश को चुनौती दी है। सरकार का दावा है कि मामले में न्यायालय ने जो आदेश दिए हैं, वह राज्य प्रशासन और कानून-व्यवस्था पर असर डाल सकते हैं।उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी, जो कि दिवंगत गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के पुत्र हैं, ने जमानत की शर्तों में ढील की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें ऑगस्टावेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले से जुड़ी रक्षा उपकरण निर्माता कंपनी की निलंबन अवधि को रद्द किया गया था। केंद्र का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता के कारण कंपनी पर

निगरानी आवश्यक है। हाईकोर्ट में एक रूसी महिला के अलगाव के मामले में याचिका दायर की गई है। महिला ने अवैध तरीके से अपने नाबालिग बेटे के साथ मास्को भागने की कोशिश की। याचिकाकर्ता का कहना है कि कानूनन बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही, कोर्ट में घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की शिकायतों के लिए जेंडर-न्यूट्रल दिशा-निर्देश और कानून बनाने की याचिका भी प्रस्तुत की गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्तमान कानूनी प्रावधान लिंग आधारित हैं, जबकि सभी पीड़ितों के लिए समान सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित होना चाहिए।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में पांच आरोपियों को राहत नहीं, अब 13 जनवरी को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में तीस हजारी कोर्ट में शुक्रवार को पांच आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने फिलहाल सुनवाई के लिए 13 जनवरी की तारीख तय की है। यह मामला तब सामने आया था जब अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर भीड़ ने पत्थर फेंके थे, जिसमें पुलिसकर्मी घायल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और 50 से अधिक की पहचान कर ली है। हाल ही में, मोहम्मद इमरान (36) नाम के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले गुरुवार को पुलिस ने अफान, आदिल, शाहनवाज, हमजा, अतहर और उबैद सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। वहीं दूसरी तरफ आज शुक्रवार को अतिक्रमण वाले इलाके में जुम्मे की नमाज हुई। तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद पर जुम्मे की नमाज भारी सुरक्षा बलों की तैनाती के बीच पढ़ी गई। बताया जा रहा है कि 30 से 35 लोगों ने फैज ए इलाही मस्जिद में की नमाज अदा की। मध्य दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित दरगाह फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास मंगलवार को अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान शरारती तत्वों ने हिंसा कर दी थी। करीब 150 से 200 उपद्रवियों ने देर रात पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें क्षेत्र के थाना प्रभारी सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

फ्लाइट से ला रहे थे 43 करोड़ का गांजा, दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम ने शातिर बदमाशों को ऐसे रंगेहाथों धर लिया

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने नशे और तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कस्टम अधिकारियों ने बैंकॉक से दिल्ली पहुंचे चार भारतीय यात्रियों के पास से भारी मात्रा में गांजा और विदेशी सिगरेट बरामद की है। जानकारी के मुताबिक, ये चारों यात्री 5 जनवरी को बैंकॉक से फ्लाइट नंबर टीजी-315 और टीजी-331 से दिल्ली पहुंचे थे।

6 जनवरी को जब ये यात्री आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर ग्रीन चैनल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी कस्टम अधिकारियों को इन पर शक हुआ। स्पॉट प्रोफाइलिंग के आधार पर इन्हें रोका गया और इनके सामान को

एक्स-रे जांच के लिए भेजा गया।

कस्टम अधिकारियों को जांच के दौरान चार ट्रॉली बैग, दो नीले, एक ग्रे और एक पर्पल रंग के मिले, जिनमें से 36 पॉलीथिन पाउच बरामद किए गए। इन पाउचों में हरे रंग का नशीला पदार्थ भरा हुआ था, जो जांच में मारिजुआना पाया गया। इस गांजे का कुल वजन करीब 43 किलो 135 ग्राम बताया गया है। इतना ही नहीं, दो अन्य ट्रॉली बैग (एक पीला और एक स्काई ब्लू) से गोल्ड फ्लेक ब्रांड की 76 डंडा विदेशी सिगरेट भी बरामद की गईं। जब इन सभी सामानों की डायग्नोस्टिक जांच की गई, तो शुरुआती जांच में यह गांजा और विदेशी सिगरेट ही पाए गए।

आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अनुसार, बरामद किए गए नशीले पदार्थ और सिगरेट की कुल अनुमानित कीमत करीब 43 करोड़ 15 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में कस्टम अधिकारियों का कहना है कि चारों यात्रियों ने एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 8 का उल्लंघन किया है।

इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20, 23 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से पकड़े गए चारों आरोपियों को 7 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 1 बजे अलग-अलग समय पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार किया गया। वहीं, गांजा, विदेशी सिगरेट, पैकिंग मटेरियल और तस्करी में इस्तेमाल किया गया सामान धारा 43(ए) के तहत जब्त कर लिया गया है।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हंसी खान गिरफ्तार

दलित समुदाय के अपमान का लगा आरोप

नूंह, 9 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले के पुनहाना उपमंडल में रहने वाली मेवाती सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हंसीरा उर्फ हंसी खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उन पर दलित समाज के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एससी-एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। बताया जा रहा है कि फेसबुक पर वायरल हुए एक वीडियो में हंसीरा पेट्रोल पंप पर अपनी गाड़ी में बैठी दिखाई दे रही थीं। इस दौरान वह सीएनजी की लंबी कतार को लेकर दलित समुदाय की तुलना आपत्तिजनक और अश्लील शब्दों में करती नजर आईं। वीडियो तेजी से वायरल हुआ और इसे लेकर दलित समाज की भावनाएं आहत हुईं। पीड़ित युवक ने पुनहाना शहर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, शिकायत मिलते ही एफआईआर दर्ज की गई और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। विवाद बढ़ने के बाद हंसीरा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर माफी भी मांगी। यह माफी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। हालांकि, पुलिस ने साफ किया कि मामला बेहद संवेदनशील है और एससी-एसटी एक्ट के गंभीर प्रावधानों के तहत कार्रवाई जरूरी है। इसलिए माफी के बावजूद गिरफ्तारी की गई।

जगन्नाथ पुरी मंदिर में 24 घंटे के लिए कार पार्किंग फीस 500 रुपये

भड़की कांग्रेस और बीजेडी ने बताया श्रद्धालुओं के साथ अन्याय

पुरी, 9 जनवरी (एजेंसियां)। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) की तरफ से 500 रुपये की पार्किंग फीस लगा दी गई है।ये पार्किंग फीस अपने भक्त निवास (श्रद्धालुओं के लिए गेस्ट हाउस) सुविधाओं में चार पहिया वाहनों के लिए लगाई गई है। मंदिर प्रशासन को अपने इस फैसले के लिए कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। आम लोगों से लेकर कई नेताओं ने भी इसका कड़ा विरोध किया है।दरअसल, मंदिर प्रशासन की तरफ से जारी किए गए एक नोटिफिकेशन के जरिए इसकी जानकारी दी गई। एसजेटीएने कहा कि उसके चार भक्त निवासों में ठहरने वाले मेहमानों को 24 घंटे के लिए चार पहिया वाहन पार्क करने के लिए 500 रुपये देने होंगे। इसमें 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल है। एसजेटीएके मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा कि यह फैसला बढ़िया पार्किंग सुविधाओं और व्यवस्था के लिहाज से लिया गया है। इस फैसले को लेकर किए जाने वाले विरोध के बाद पुरी जिले के कलेक्टर दिव्य ज्योति परिदा ने कहा कि मंदिर प्रशासन इस फैसले पर पुनर्विचार करेगा। कलेक्टर दिव्या, एसजेटीएकी उप मुख्य प्रशासक भी हैं। उन्होंने कहा कि हम पार्किंग फीस पर पुनर्विचार करेंगे। अधिकारियों से बात करने के बाद इसकी जानकारी दी जाएगी। पुरी बीजेडी विधायक सुनील कुमार मोहंती ने मंदिर प्रशासन से तत्काल इस फैसले को वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि पुरी और देश में कहीं भी होटल मेहमानों से पार्किंग के लिए अलग से शुल्क नहीं लेते हैं। उन्होंने कहा कि इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी। हमारी सरकार ऐसा फैसला लेगी जो सभी के लिए, खासकर गरीब लोगों के लिए अच्छा हो। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने इस कदम का विरोध किया। उन्होंने इस फीस को अनुचित और श्रद्धालुओं पर एक अनावश्यक खर्चा बताया। उन्होंने अधिकारियों से इस फैसले को वापस लेने और तीर्थयात्रियों के मुताबिक, सुविधाएं देने की बात कही। भुवनेश्वर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बीजेडी के उपाध्यक्ष संजय दास बर्मा ने भी भारी पार्किंग फीस को तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भक्त निवास में रहना पहले ही महंगा हो गया है।

सीएम अमर अब्दुला ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, 370 पर जम कर बोले

अमृतसर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शुक्रवार को पंजाब के अमृतसर पहुंचे। अमृतसर में फुलकारी संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उमर अब्दुल्ला खास तौर पर शिरकत करने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने फुलकारी संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों और कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात, केंद्र सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। आर्टिकल 370 हटाए जाने को लेकर उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस फैसले से राज्य में कोई सकारात्मक सुधार नहीं हुआ है, बल्कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह से कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के अधिकारों और संसाधनों में लगातार कटौती की जा रही है।

मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर भी मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने योजना का नाम बदल दिया है, जिस पर उन्हें आपत्ति है। पहले मनरेगा की पूरी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब इसका आर्थिक बोझ राज्यों पर डाला जा रहा है, जबकि केंद्र के पास पर्याप्त फंड मौजूद है। ऐसे में राज्यों पर अतिरिक्त दबाव डालना उचित नहीं है। मेडिकल कॉलेजों को बंद किए जाने के मुद्दे पर भी उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इसे नियंत्रित करने के लिए सरकार बड़े स्तर पर काम कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 जनवरी- 2026

जांच के घेरे में राजनीति, राजनीति के घेरे में जांच

आरके जैन

जब सत्ता के गलियारों में कानून की दस्तक पड़ती है, तब केवल फाइलें नहीं हिलतीं, पूरे लोकतांत्रिक ढांचे की परीक्षा शुरू हो जाती है। 8 जनवरी 2026 की सुबह कोलकाता ने ठीक ऐसा ही दृश्य देखा, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक सामान्य प्रतीत होने वाली छापेमारी अचानक राजनीति, संविधान और संघीय संतुलन के टकराव का प्रतीक बन गई। कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्डरिंग मामले की जांच में जुटी ईडी की टीम जैसे ही विभिन्न ठिकानों पर पहुंची, वैसे ही राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर उपस्थित हुईं और कुछ दस्तावेजों व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बाहर ले गईं। मुख्यमंत्री ने इसे पार्टी की गोपनीयता बचाने का कदम बताया, जबकि ईडी ने इसे जांच में बाधा और सबूत हटाने का आरोप लगाया। यही क्षण जांच की वैध सीमाओं से आगे बढ़कर राजनीतिक संघर्ष, संवैधानिक अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता पर छिड़ी एक व्यापक राष्ट्रीय बहस का केंद्र बन गया।

इस कार्रवाई की परिधि केवल कोलकाता तक सीमित नहीं रही, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय ने एक साथ शहर में छह और दिल्ली में चार ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी का कहना है कि यह जांच कोयला तस्करी सिंडिकेट से जुड़े अवैध धन के हवाला नेटवर्क पर केंद्रित है और पूर्व मामलों की तार्किक कड़ी का हिस्सा है। शुरुआती चरण में जांच शांतिपूर्ण रूप से आगे बढ़ रही थी, किंतु मुख्यमंत्री की उपस्थिति के बाद चुनावी रणनीति, डिजिटल डेटा और पार्टी गोपनीयता की सुरक्षा का मुद्दा केंद्र में आ गया। यहीं से कानूनी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के बीच तनाव स्पष्ट रूप से उभरने लगा।

मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास और साल्ट लेक के कार्यालय, दोनों स्थानों पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम पर प्रत्यक्ष नजर रखी। उन्होंने चुनाव से ठीक पहले की गई इस कार्रवाई को राजनीतिक दबाव से प्रेरित बताते हुए केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि चुनावी तैयारियों से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों और रणनीतिक सूचनाओं की जब्ती लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के आधार पर उन्होंने राज्यव्यापी विरोध का आह्वान किया और जनता से संस्थागत अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों ने इस कदम को संवैधानिक अधिकारों और चुनावी गोपनीयता की रक्षा का साहसिक उदाहरण माना, जबकि विपक्षी दलों ने इसे जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप और संभावित सबूत नष्ट करने का प्रयास बताया। प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के हस्तक्षेप को जांच में बाधा करार देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का दावा है कि छापेमारी पूरी तरह कानूनी है, कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्डरिंग मामले में ठोस साक्ष्यों (हवाला लिंक सहित) पर आधारित है, और मुख्यमंत्री ने जबरन दस्तावेज व उपकरण हटाए। ईडी का दावा है कि कोयला तस्करी से प्राप्त अवैध धन हवाला के जरिए आई-पैक को टीएमसी के 2022 गोवा चुनाव अभियान के लिए दिया गया था। वहीं, आई-पैक ने भी अदालत में याचिका दायर कर छापों की वैधता और समय पर सवाल उठाए हैं। दोनों पक्षों की दलीलें संकेत देती हैं कि अब इस विवाद की दिशा न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संतुलन से ही तय होगी। यह प्रक्रिया आने वाले समय में संस्थागत स्वतंत्रता और जवाबदेही, दोनों की निर्णायक परीक्षा बनेगी।

यह घटनाक्रम राज्य की राजनीति में केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका को लेकर चली आ रही बहस को एक बार फिर तीव्र करता है। आई-पैक जैसी संस्थाएं चुनावी रणनीति, डिजिटल प्रबंधन और जनसंपर्क संचालन में अहम भूमिका निभाती हैं, जिनका सीधा प्रभाव मतदाता व्यवहार पर पड़ता है। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले की गई छापेमारी की टाइमिंग स्वायत्तता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है। अन्य राज्यों में सामने आए समान प्रसंग भी यह स्पष्ट करते हैं कि संघीय ढांचे में पारदर्शिता और संवाद अनिवार्य है, ताकि लोकतंत्र की जड़ें हर परिस्थिति में मजबूत और विश्वसनीय बनी रहें।

दोनों पक्षों के तर्कों का संतुलित मूल्यांकन यह स्पष्ट करता है कि यदि प्रवर्तन निदेशालय की जांच ठोस और विश्वसनीय सबूतों पर आधारित है, तो उसे पूरी तरह वैध माना जाना चाहिए। अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई लोकतांत्रिक शासन की अनिवार्य शर्त है। इसके साथ ही, चुनावी गोपनीयता और समय की संवेदनशीलता भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप टीएमसी के लिए राज्य अधिकारों और चुनावी गोपनीयता की रक्षा का प्रयास था, जबकि ईडी और विपक्ष ने इसे सबूतों को जबरन हटाने और जांच बाधित करने का गंभीर आरोप लगाया, जिसका अंतिम आकलन न्यायिक निर्णय से ही संभव होगा। यही प्रक्रिया संस्थागत भरोसे को सुदृढ़ करेगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थिर दिशा प्रदान करेगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। समर्थक इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का साहसिक उदाहरण मानते हैं, जबकि आलोचक इसे जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं। यह मतभेद स्वयं लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है, जहां सत्ता और संस्थाओं के निर्णयों पर सवाल उठाए जाते हैं। जनभागीदारी और जागरूक बहस किसी भी स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान होती है, जो इस प्रकरण में स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई है और वर्तमान परिदृश्य में भविष्य के राजनीतिक आचरण को दिशा देने की क्षमता रखती है।

यह विवाद भारत के संघीय ढांचे और संस्थागत संतुलन को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों के बीच स्पष्ट और सम्मानजनक सीमाओं का निर्धारण आवश्यक है। टीएमसी ने विरोध को गोपनीयता और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा बताया, जबकि विपक्षी दलों ने इसे जांच बाधित करने का प्रयास कहा। अब सभी की निगाहें अदालत के निर्णय पर टिकी हैं, जो न्याय, पारदर्शिता और भरोसे की पुनर्स्थापना करेगा। जनता का विश्वास, निष्पक्ष प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाएं ही इस पूरी प्रक्रिया की अंतिम कसौटी होंगी, जिससे लोकतांत्रिक भारत की आधारशिला आने वाले वर्षों के लिए और अधिक मजबूत तथा प्रासंगिक बनेगी।

कोलकाता में टीएमसी द्वारा आयोजित प्रस्तावित पदयात्रा (जादवपुर से हाजरा) हालिया विवाद पर पार्टी का सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन है। टीएमसी इसे संस्थागत अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता की रक्षा का प्रतीक मानती है और दावा करती है कि चुनाव से पहले की गई जांच लोकतंत्र और संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। वहीं विपक्षी दल इसे जांच से ध्यान भटकाने और राजनीतिक नाटक के रूप में देख रहे हैं। इस कारण रैली को शांतिपूर्ण और अनुशासित बनाए रखना आवश्यक है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित न हो। अंततः विवाद का अंतिम निर्णय अदालत और जांच एजेंसियों के माध्यम से ही स्पष्ट होगा।

ट्रंप का टैरिफ एजेंडा

डोनाल्ड ट्रंप सनकी रवैया एक बार फिर दुनिया के सामने आ गया है। वे जिस तरह रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500% टैरिफ लगाने का नया प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। अमेरिका का यह कदम भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों को निशाना बनाने की तरफ बढ़ रहा है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को संसाधन जुटाने से रोकना मात्र है। देखा जाए तो वेनेजुएला और ग्रीनलैंड में उलझे डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ वाली कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। उनका नया प्रस्तावित बिल एकतरफा, मनमाना और अंतरराष्ट्रीय नियमों को धता बताने वाला है। यहां तक कि उनकी सरकार को यह कहने में संकोच नहीं है कि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति को दूसरे देशों पर दबाव बनाने की शक्ति मिलेगी। नए बिल पर अगले हफ्ते वोटिंग की उम्मीद है। उनके निशाने पर मुख्य रूप से भारत, चीन और ब्राजील हैं। बहाना उसका वही पुराना है रूस और यूक्रेन युद्ध का। जबकि हकीकत यही है कि अमेरिका और यूरोप की युद्ध रुकवाने की अभी तक की उसकी सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। इसके बावजूद अमेरिका इसका ठीकरा दूसरे देशों के बीच फोड़ना चाहते हैं। पिछले महीने अमेरिका ने बड़े ही उत्साह के साथ फ्लोरिडा में यूक्रेन, रूस और यूरोप के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की थी। उस बैठक में ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी मौजूद थे। उक्त बैठक में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर खास फोकस रहा। लेकिन,हालात देख कर लगता नहीं कि इन बैठकों का कोई असर पड़ा है, क्योंकि रूसी हमलों में भी तेजी आई है। अब ब्रिटेन और फ्रांस ने एक सहमति पत्र पर साइन किए हैं, जिसके मुताबिक शांति समझौते के बाद वे यूक्रेन में सेना तैनात करना चाहते हैं, जबकि रूस इसके विरोध में हैं। रूस और यूक्रेन के बीच का मसला कई बिंदुओं पर अटका पडा है, लेकिन ट्रंप प्रशासन उसका सरलीकरण करके उसे सिर्फ तेल की खरीद की नजर से देख रहा है। अजीब बात है कि खुद ट्रंप ने कई बार दावा किया कि भारत अब रूस से कम तेल आयात कर रहा है। ट्रंप के दिमागी संतुलन की बात तो यह है कि वह युद्ध से लेकर तेल तक हर दिन कोई नया राग अलापने लगते हैं। हाल में उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और अपाचे हेलिकॉप्टर की डील पर बयान दिया, जिसमें गलतियां थीं। उम्र का तकाजा कहें या तानाशाही कि ट्रंप की बातें पारंपरिक कूटनीतिक भाषा से अलग और असामान्य लगने लगी हैं। ऐसे में भारत को विरोध दर्ज कराने के लिए कूटनीतिक रास्ता ही अपनाना श्रेयस्कर होगा। वॉशिंगटन तक यह बात पहुंचानी जरूरी है कि उसके कदम द्विपक्षीय रिश्तों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अभी दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर वार्ता चल रही है, तो फोकस उसी पर होना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप सरकार की इन ऊट-पटांग हरकतों की वजह से अमेरिका तेजी से दुनिया का भरोसा गंवाता जा रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से उसकी सबसे बड़ी करंसी रही है। इससे ट्रंप के साथ ही अमेरिका की साख पर भी बट्टा लग रहा है।

मध्य प्रदेश को मथने की तैयारी

पुरुषोत्तम मदौरिया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन सिंह यादव की विदाई जल्दी हो सकती है भाजपा हाईकमान निर्विवाद व्यक्ति की तलाश में लग गई है मध्यप्रदेश में चल रही गुटबाजी के चलते सरकार अपनी छाप नहीं छोड़ पा रही है जिससे आगामी चुनाव में पार्टी को क्षति होने की संभावना लग रही है इसी के चलते नेतृत्व परिवर्तन की कवायद शुरू हो गई है

भाजपा हाई कमान ने शिवराज सिंह चौहान के बढ़ते वर्चस्व को समाप्त करने के लिए डा मोहन सिंह यादव को मुख्यमंत्री बनाया था पाटी हाई कमान को अपेक्षा थी कि डा मोहन सिंह यादव शिवराज सिंह के वर्चस्व को समाप्त कर गुटीय राजनीति को लगाम लगाएंगे लेकिन वह इस कार्य को अंजाम तक नहीं पहुंचा सके डा मोहन यादव पार्टी हाई कमान की नजर में खरे नहीं उतर सके हैं। जिसके कारण पार्टी नेतृत्व ने नेता की तलाश शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि नया मुख्यमंत्री संघ विचारधारा का हो और कड़े फैसले लेने में सक्षम हो। नेतृत्व परिवर्तन की संभावना के चलते मुख्यमंत्री को मंत्रिमंडल विस्तार की अनुभूति नहीं मिल पा रही है। इसलिए काफी दिनों से यह मामला भी लटका हुआ है। बता दें कि मंत्रिमंडल विस्तार के लिए मोहन यादव कई बार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मिल चुके हैं लेकिन उन्हें हर बार निराशा ही मिली है। इस मामले में मोहन यादव केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव से भी मिल चुके हैं लेकिन उन्होंने भी अभी किसी भी तरह का आश्वासन देने में अपनी मजबूरी बताई है।

गौरतलब है कि केंद्रीय नेतृत्व ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के विकल्प और उप्र बिहार व मप्र में यादव मतदाताओं को भाजपा के पाले में लाने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया था लेकिन वह उत्तर प्रदेश व बिहार में यादव मतदाताओं पर भी उतना प्रभाव नहीं डाल पाए जितना कि पार्टी नेताओं ने अपेक्षा की थी। मप्र में मोहन ए' सब के बावजूद आगामी विधानसभा चुनाव वाले प्रदेशों में यादव को स्टार प्रचारकों की श्रेणी में रखा गया है। इसके साथ चार मंत्रियों को भी दूसरी बडी जिम्मेदारी दी जाएगी जिसमें इंदौर के भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय को संगठन में लेकर पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

केंद्रीय नेतृत्व पूर्व राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को एक बार फिर सत्ता से हटाकर पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दिए जाने का मन बना चुका है। हाईकमान कैलाश विजयवर्गीय की संगठन क्षमता से अच्छी तरह वाकिफ है। इसलिए उन्हें एक बार फिर से पश्चिम बंगाल में भाजपा की पकड़ मजबूत करने व सरकार बनाने की संभावना के चलते वहां भेजा जा सकता है।

ज्ञात हो कैलाश विजयवर्गीय के महामंत्री और पश्चिम बंगाल के पदाधिकारी रहने के दौरान पार्टी ने लंबी छलांग लगाई थी और 3.से 77सीटो पर पहुंच गई थी अब उसी राह को मजबूत करने के लिए कैलाश विजयवर्गीय को भेजने की तैयारी चल रही है पार्टी हाई कमान को लगने लगा है कि चुनाव से पहले प्रदेश अध्यक्ष का पार्टी छोड़कर चले जाने से पार्टी को क्षति उठानी पड़ी इसी क्षति की पूर्ति के लिए विजयवर्गीय उपयुक्त चेहरा है वहीं राकेशसिंह और प्रहलाद सिंह पटेल को मंत्रिमंडल की बजाय संगठन में लाने की तैयारी है जिससे ने लोगों को मौका दिया जा सके वहीं बता दूं सिंधिया खेमे से एक मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाया जाएगा 25दिसबर को मप्र सरकार द्वारा ग्वालियर व्यापार मेले में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुटबाजी और सिंधिया को कहकर आंकने के मामले में करारा प्रहार करते हुए विधानसभा सभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के सामने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजासाहब का संबोधन कर जहां सिंधिया को हाइट दी वहीं नरेंद्र सिंह और मोहन सिंह को संदेश दिया है गौर तलब है कि कुछ दिनों से नरेंद्र सिंह तोमर ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजनैतिक रूप से बौना करने के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं जिसकी शिकायत श्री सिंधिया हाई कमान को कर चुके थे उसी शिकायत के चलते अमित शाह ने मोहन और नरेंद्र को संदेश दिया है।

नशाखोरी के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर

स्नेहा सिंह

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार हर साल 76 प्रतिशत फिल्मों में तंबाकू और 72 प्रतिशत फिल्मों में शराब या अन्य नशीले पेयों का सेवन दिखाया जाता है। हैरानी की बात यह है कि 2005 में इस पर प्रतिबंध लगाया गया था, फिर भी कोई खास असर नहीं पड़ा। एक समय राजशाही में नशाखोरी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा थी और आज आधुनिक माहौल में भी बनी हुई है। पंजाब, हरियाणा और अब धीरे-धीरे गुजरात में भी नशाखोरी का बाजार बहुत बड़ा होता जा रहा है। पार्टी कल्चर बढ़ने के साथ एमडी ड्रग्स, गांजा, कोकीन और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन बढ़ा है। हर साल दुनिया में जितनी मौतें होती हैं, उनमें से 26 लाख मौतें सिर्फ शराब पीने के कारण होती हैं। इसके अलावा 15 से 29 वर्ष के युवाओं में धूम्रपान की आदत खतरनाक रूप से बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस आयु वर्ग में नशे का प्रतिशत 26 है, जबकि शहरी इलाकों में यह 68 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

हमारे देश में नशाखोरी का स्तर भयावह रूप से बढ़ रहा है। खास तौर पर किशोर और युवा लगातार स्मोकिंग, पानमसाला और गुटखा के आदी बनते जा रहे हैं। इसके कारण वे कैंसर जैसी घातक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। वे न केवल अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं, बल्कि परिवार के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। युवाओं में एक-दूसरे की नकल, साहस दिखाने और अन्य कारणों से धीरे-धीरे नशे और नशीले पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि नशे की प्रवृत्ति आज ही नहीं बढ़ी है, भारत में लोग सदियों से नशे के दुष्चक्र में फंसे रहे हैं। यह हमारी दिनचर्या और परंपराओं का हिस्सा रहा है।

भारतीय परंपरा में, खासकर राजशाही और बाद में अंग्रेजी शासन के दौरान, शराब या वाइन पीना प्रतिष्ठा और ऊंचे सामाजिक दर्जे का प्रतीक माना जाता था। अब यह नशाखोरी पश्चिमी जीवनशैली और आधुनिकीकरण का प्रतीक बनती जा रही है। पार्टी कल्चर के साथ शराब का सेवन एक लत की तरह बढ़ा है। पहले सामंती व्यवस्था में नशीले पदार्थों का सेवन राजशाही का प्रतीक था और अब पूंजीवाद के इस दौर में नशाखोरी एक बड़े बाजार का रूप ले चुकी है। कई पदार्थ आधिकारिक रूप से नहीं, बल्कि ब्लैक मार्केट में बेचे जाते हैं। नशे का यह कारोबार आज भी जारी है।

यह भी उल्लेखनीय है कि बड़े शहरों और खासकर पाकिस्तान से सटे सीमावर्ती राज्यों के युवा बड़े पैमाने पर नशे की चपेट में आ चुके हैं। पंजाब, हरियाणा और अब गुजरात में भी नशाखोरी का बाजार तेज़ी से बढ़ रहा है। पार्टी कल्चर के कारण एमडी ड्रग्स, गांजा, कोकीन आदि का सेवन बढ़ा है। युवा इस जाल में फंसते जा रहे हैं और बेधड़क मौत का सामान उन तक पहुंच रहा है। तंत्र मूकदर्शक बना हुआ है या भ्रष्टाचार के कारण असहाय होकर इस कारोबार को देख रहा है।

आज भी पंजाब और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांवों में ड्रोन और घुसपैठियों के जरिए ड्रग्स, कोकीन, हेरोइन और एमडी ड्रग्स लाए जा रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक ड्रग माफिया अब घरों और अपार्टमेंट्स में गांजे की खेती कर रहे हैं, यहां तक कि अफीम भी उगाई जा रही है।

जानकारों का कहना है कि नशाखोरी और नशे का व्यापार तीन दृष्टिकोणों से जुड़ा है। पहला, आज के समय में नशे को फैशन या चलन माना जाने लगा है। कई जगह सिगरेट, सिगार या महंगी शराब पीना प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। किशोर और युवा खुद को परिपक्व दिखाने के लिए भी नशा करते हैं। दूसरा, दोस्ती और साथियों का दबाव, कई लोग केवल मित्रों के प्रभाव में नशा शुरू करते हैं और धीरे-धीरे उसके आदी बन जाते हैं। तीसरा, राजनीतिक और पूंजीवादी दृष्टिकोण, नशीले पदार्थों की कानूनी बिक्री से मिलने वाले कर से सरकारों को बड़ी आय होती है, जिससे विकास कार्य किए जाते हैं। लेकिन दूसरी ओर इससे मानव शक्ति, उत्पादकता और समाज को भारी नुकसान होता है। सवाल यह है कि नशा आखिर क्यों किया जाता है और इससे लाभ होता है या हानि। एक चर्चा यह भी है कि कई देशों में युवाओं और आने वाली पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिशें की जाती हैं। किसी देश के एक बार बर्बाद हो जाने के बाद वहां नशे को नियंत्रित करना बेहद कठिन हो जाता है। ऐसे में अंधविश्वास के साथ विदेशी हस्तक्षेप को खुली छूट देना खतरनाक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हर साल होने वाली मौतों में से 5 प्रतिशत मौतें शराब के कारण होती हैं, जो लगभग 26 लाख हैं। 15 से 29 वर्ष के युवाओं में धूम्रपान की आदत तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीण इलाकों में यह 26 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 68 प्रतिशत है। टोरंटो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार भारत में 18 वर्ष की उम्र में धूम्रपान करने वाले पुरुषों की संख्या में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन नशीले पदार्थों से व्यक्तिगत स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान होता है और हर साल लाखों मौतें होती हैं। दुर्घटनाओं और हिंसा के पीछे भी नशा एक बड़ा कारण है।

जानकारों का मानना है कि नशाखोरी रोकने के लिए गंभीर विचार और ठोस कदम जरूरी हैं। परिवार और सामाजिक नियंत्रण की कमी, नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता, दोस्तों का प्रभाव, अकेलापन, तनाव, असुरक्षा, विफलता का डर और अपराध प्रवृत्ति, ये सभी कारण नशाखोरी बढ़ा रहे हैं। चिंताजनक पहलू : नशे को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में वृद्धिसबसे चिंताजनक बात यह है कि युवाओं को नशे के लिए प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियां बढ़ रही हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 76 प्रतिशत फिल्मों में तंबाकू और 72 प्रतिशत फिल्मों में शराब दिखाई जाती है। 2005 में प्रतिबंध के बावजूद 2009 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर नियम कमजोर पड़ गया। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान और स्कूलों के पास तंबाकू बिक्री पर प्रतिबंध के नियमों का भी ठीक से पालन नहीं हो रहा है।अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, नशाखोरी के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। एक सरकारी रिपोर्ट बताती है कि भारत में 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं। प्रति व्यक्ति शराब की खपत 3.3 लीटर है। 10 से 78 वर्ष की उम्र के लोग शराब पीते हैं, जिनमें से 6 करोड़ लोग शराब से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। देशी और विदेशी शराब का सेवन लगभग बराबर है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में घर में बनी राइस बीयर का चलन अधिक है।

डब्ल्यूपीएल 2026: सपनों की पिच पर उतरी नई पीढ़ी

कृति आरके जैन

जब महिला क्रिकेट की दुनिया में कदम रखती हैं, तो हर मैदान एक नया इतिहास गढ़ता है। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का चौथा सीजन शुरू होने वाला है, और यह केवल मुकाबलों का मेला नहीं, बल्कि लाखों बेटियों के सपनों को पंख देने वाला उत्सव है। भारत की महिला टीम की 2025 ओडीआई विश्व कप जीत का जोश अब भी हर दिल में जीवंत है। इस सीजन में पांच टीमें – मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वारियर्ज और गुजरात जायंट्स – 22 रोमांचक मुकाबलों में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। नवि मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम और वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में हर छक्का और विकेट केवल रन नहीं, बल्कि सशक्तिकरण की प्रेरणा और महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

हरमनप्रीत कौर (मुंबई इंडियंस), स्मृति मंधाना (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), जेमिमा रॉड्रिग्स (दिल्ली कैपिटल्स), मेग लैनिंग (यूपी वारियर्ज) और एश्ले गार्डनर (गुजरात जायंट्स) जैसी दिग्गज कप्तानों के नेतृत्व में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सितारे अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। मेगा ऑक्शन में दीप्ति शर्मा को 3.2 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली मिली, जो उनकी प्रतिभा और खेल की अहमियत को दर्शाती है। यह मिश्रण युवा खिलाड़ियों को यह संदेश देगा कि महिला क्रिकेट में करियर न केवल सम्मानजनक है, बल्कि प्रेरक और संभावनाओं से भरा हुआ है। डब्ल्यूपीएल अब केवल खेल नहीं, बल्कि समाज में सशक्तिकरण की लौ फैलाने वाला मंच बन चुकी है।

पिछले तीन सीज़नों ने साबित कर दिया है कि डब्ल्यूपीएल महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को नई बुलंदियों तक ले जाने वाला अभूतपूर्व मंच है। पहले जहां स्टेडियम में कम दर्शक होते थे, अब टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर करोड़ों लोग जुड़ते हैं। ब्रांड्स और स्पॉन्सर्स का बढ़ता निवेश खेल को मजबूत कर रहा है और महिला खिलाड़ियों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। यह बदलाव केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि सामाजिक सोच और दृष्टिकोण में भी दिखाई दे रहा है। माता-पिता अब अपनी बेटियों को क्रिकेट की राह पर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह खेल सम्मान, अवसर और सशक्तिकरण का ठोस आधार बन चुका है। डब्ल्यूपीएल महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम बन चुकी है। उच्च बोली पाने वाली खिलाड़ियों को केवल वित्तीय लाभ ही नहीं मिलता, बल्कि आधुनिक ट्रेनिंग, कोचिंग और जीवन स्तर में सुधार के अवसर भी मिलते हैं। छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां अब हरमनप्रीत, स्मृति और दीप्ति जैसी महान खिलाड़ी बनने का सपना देख रही हैं। लीग ने महिला खिलाड़ियों को रोल मॉडल के रूप में स्थापित किया है, जो लैंगिक समानता की लड़ाई में सबसे प्रभावशाली हथियार साबित हो रहे हैं। ग्रासरूट स्तर पर फ्रैंचाइजी का सक्रिय योगदान नई प्रतिभाओं को उभार रहा है और खेल की गुणवत्ता बढ़ा रहा है।

2026 का सीजन इसलिए विशेष है क्योंकि यह विश्व कप जीत की जोश और आत्मविश्वास के साथ आ रहा है। नई टीम संरचनाएं और अंतरराष्ट्रीय सितारों का मिश्रण हर मुकाबले को रोमांचक और यादगार बनाएगा। डबल हेडर मुकाबले और प्लेऑफ की जंग दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखेगी। सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग से युवा पीढ़ी सीधे जुड़ेगी, जिससे महिला क्रिकेट मुख्यधारा का हिस्सा बनेगी। यह सीजन न केवल खेल की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि महिला क्रिकेट की वैश्विक पहचान और लोकप्रियता को भी मजबूत करेगा।

डब्ल्यूपीएल का प्रभाव केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर स्तर तक फैल चुका है। यह बेटियों को संदेश देती है कि सफलता और समानता खेल की उपलब्धियों से भी हासिल की जा सकती है। पहले क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, लेकिन अब यह धारणा पूरी तरह बदल चुकी है। कोचिंग स्टाफ में महिला कोचों की संख्या लगातार बढ़ रही है और राज्य स्तरीय लीग्स, प्रशिक्षण कार्यक्रम और फ्रैंचाइजी की सक्रिय भागीदारी नई प्रतिभाओं के लिए अवसर उत्पन्न कर रही है। यह क्रांति मैदान से बाहर स्कूलों, कॉलेजों और परिवारों तक फैल चुकी है और समाज में महिलाओं की स्थिति को मजबूत कर रही है। डब्ल्यूपीएल 2026 महिला क्रिकेट में अपराजेय क्रांति की शुरुआत है।

सभी पांच टीमें चमकेंगी और खेल के साथ-साथ समाज को सशक्त बनाएंगी। हर मुकाबले से लाखों सपने मजबूत होंगे और महिला शक्ति की यह गाथा विश्व स्तर पर गूंजेगी।

यह केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि महिलाओं की सफलता और समानता का प्रतीक बनने जा रहा है। इस सीजन का उत्साहपूर्वक स्वागत करें और महिला क्रिकेट के सुनहरे भविष्य की हुंकार लगाएं।

यह क्रांति रुकने वाली नहीं है, बल्कि हर छक्का और विकेट के साथ तेजी से आगे बढ़ेगी और नए आयाम स्थापित करेगी।

अंकल सैम की 'मिडनाइट डिलीवरी'

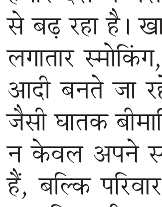

डॉ. सुरेश कुमार

अमेरिका का वेनेजुएला के राष्ट्रपति को रा तों - रा त 'पार' करने का जुगाड़ देखकर ऐसा लगता है जैसे कोई ताऊ रात के अंधेरे में पड़ोसी की खाद की बोरी चोरी करने निकला हो, पर हड़बड़ाहट में खुद का ही पजामा खूँटी पर टांग आया हो। इनका यह 'सर्जिकल स्ट्राइक' स्टाइल वैसा ही है जैसे खसम मरा नहीं, रण्डी पहले ही रोने लगी-यानी अभी तख्तापलट पूरा हुआ नहीं और जश्न पहले ही शुरू हो गया। इन महाशयों को लगता है कि ये दुनिया के 'हेड मास्टर' हैं और जिसे चाहे कान पकड़कर बेंच पर खड़ा कर सकते हैं, पर ये भूल रहे हैं कि मामला अब गधे को बाप बनाने जैसा नहीं रहा। लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर इनका यह गुपचुप मिशन ऐसा है मानो चोर की दाढ़ी में तिनका नहीं, बल्कि पूरी झाड़ी फंसी हो। आधी रात को सरकारें उखाड़ने की उनकी यह फुर्ती देख कर हरियाणवी में बस यही निकलता है-खाया पिया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा बारह आने। दूसरी तरफ, वहां के राष्ट्रपति भी कोई काली गाजर नहीं हैं जो एक ही झटके में उबल जाएं। उन्हें 'उठाने' की कोशिशें ऐसी लग रही हैं जैसे कोई भैंस के आगे बीन बजाकर उसे भांगड़ा सिखाने की कोशिश करे। इन 'बड़े चौधरी' साहब का व्यवहार उस बुड्ढे जैसा है जो खुद तो खांसते-खांसते मर रहा है, पर पड़ोसियों को अखाड़े में कुश्ती लड़ने की सलाह दे रहा है।

दुनिया भी अब इन्हें देखकर कह रही है-नाचन न जानै, आंगन टेढ़ा। जब अपनी नीतियां औंधे मुंह गिर रही हों, तो दूसरे के घर में आग लगाना सबसे आसान काम है। इनका यह 'किडनैपिंग स्टाइल' लोकतंत्र ऐसा ही है जैसे मुँह में राम, बगल में छूरी और हाथ में लठ। सुधारने चले थे पड़ोसियों को, पर खुद की हालत ऐसी हो गई है जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली और रास्ते में ढाबे पर रुककर फिर से 'नॉन-वेज' का ऑर्डर दे दिया। इस पूरे ड्रामे में जो 'सस्पेंस' है, वो किसी सी-ग्रेड फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा है। रातों-रात राष्ट्रपति को गायब करने की योजना बनाना और फिर मासूमियत का ढोंग करना, इसे कहते हैं-हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। ये चाहते हैं कि दुनिया इन्हें 'शांति का दूत' समझे, पर हरकतें ऐसी हैं जैसे बंदर के हाथ में उस्तरा आ गया हो और वो सबकी हजामत मुफ्त में करने पर तुला हो।

इस प्रक्रिया पर जो व्यंग्य उभर रहा है, वो सीधा और सपाट है: ये उस बिना बुलाए मेहमान की तरह हैं जो घर में घुसते ही सबसे पहले फ्रिज खोलकर ये देखता है कि मलाई कहाँ रखी है।

इनकी 'लोकतंत्र की होम-डिलीवरी' तो पिज्जा से भी तेज़ है, बस फर्क ये है कि इसमें खाना नहीं, बल्कि पूरा का पूरा देश ही 'कैंसिल' कर दिया जाता है। वाकई, ऊँट के मुँह में जीरा भी इनके तेल के लालच के आगे कम पड़ जाए।यह तमाशा इस बात का गवाह है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति अब अंधा बाँटे रेवड़ी, फिर-फिर अपनों को दे वाली स्थिति से निकलकर जिसकी लाठी उसकी भैंस तक पहुँच गई है।

इन बड़े साहबों को लगता है कि ये जो खेल रहे हैं वो शतरंज है, पर असल में ये भैंस के आगे भागवत बांचना साबित हो रहा है। वेनेजुएला की कुर्सी पर कौन बैठेगा, ये फैसला अब इनके 'ड्राइंग रूम' में ऐसे होता है जैसे पड़ोसी की गाय, और अपनी मर्जी से दुहना। पर इन चौधरियों को ये याद रखना चाहिए कि बकरी की माँ कब तक खैर मनाएगी, किसी दिन कुदरत का लठ ऐसा पड़ेगा कि आटे-दाल का भाव मालूम हो जाएगा। फिलहाल तो स्थिति यही है कि करे कोई, भरे कोई-मंजूरी वहां से आती है और तेल के दाम पूरी दुनिया भरती है। यह व्यंग्य नहीं, बल्कि उस 'स्वयंभू प्रधान' की दास्तां है जिसे लगता है कि पूरा ब्रह्मांड उसके घर का 'बाड़ा' है।

काल भैरव की पूजा से दूर होंगे दुख-दर्द और पाप

पंचांग के अनुसार, प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी का पर्व मनाया जाता है. इस दिन भगवान शिव के उग्र और रक्षक स्वरूप श्री काल भैरव की विशेष आराधना की जाती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, काल भैरव की कृपा से भय, बाधा और जीवन की कठिन परिस्थितियों से मुक्ति मिलती है. कालाष्टमी का महत्व तंत्र साधना के लिहाज से भी अत्यंत विशेष माना गया है. साधक इस दिन विशेष मंत्र-जप, पूजा और अनुष्ठान करते हैं. मान्यता है कि नए साल की पहली कालाष्टमी पर यदि विधि-विधान से ज्योतिषीय उपाय किए जाएं, तो आने वाले समय में संकट, नकारात्मक ऊर्जा और मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है. उज्जैन के प्रसिद्ध आचार्य आनंद भारद्वाज बताते हैं कि इस शुभ तिथि पर कुछ सरल उपायों को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है और काल भैरव की विशेष कृपा प्राप्त कर सकता है. आइए जानते हैं कालाष्टमी के प्रभावशाली उपाय और पूजा विधि.

कब मनाई जाएगी कालाष्टमी ?

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जनवरी को सुबह 08 बजकर 23 मिनट पर माघ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि शुरू होगी. वहीं 11 जनवरी को सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर अष्टमी तिथि का समापन होगा. इस प्रकार 10 जनवरी को कालाष्टमी मनाई जाएगी.

कालाष्टमी व्रत का महत्व

काल भैरव भगवान शिव के ही उग्र और रक्षक स्वरूप माने जाते हैं. कालाष्टमी के पावन अवसर पर जो श्रद्धालु विधि-विधान से काल भैरव बाबा की पूजा करते हैं, उनके जीवन से पाप, कष्ट और दुख धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं. इस दिन श्रद्धा भाव से व्रत और आराधना करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है. मान्यता है कि इससे कुंडली में मौजूद राहु दोष के प्रभाव भी कम हो जाते हैं.

महाकाल की नगरी में विशेष महत्व

भगवान काल भैरव का मंदिर क्षिप्रा नदी के किनारे भैरवगढ़ क्षेत्र में स्थित है. इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां भगवान काल भैरव की प्रतिमा को शराब का भोग लगाया जाता है और काल भैरव स्वयं शराब ग्रहण करते हैं. पुजारी की ओर से शराब का प्याला काल भैरव के मुख से लगाया जाता है. यह शराब पल भर में गायब हो जाती है. यह चमत्कार देखने लोग देश-विदेश से आते हैं.

जरूर करें इन मंत्रों का जाप

– ओम शिवगणाय विद्महे गौरीसुताय धीमहि तन्नो भैरव प्रचोदयात।।

– ओम कालभैरवाय नमः

– ओम भ्रां कालभैरवाय फट्

– धर्मध्वजं शङ्कररूपमेकं शरण्यमित्थं भुवनेषु सिद्धम।द्विजेन्द्र पूज्यं विमलं त्रिनेत्रं श्री भैरवं तं शरणं प्रपद्ये।।

मकर संक्रांति पर राशि अनुसार करें दान

सूर्य की कृपा से चमक जाएगा भाग्य

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर संक्रांति पर राशि अनुसार दान करने से सूर्य प्रसन्न होते हैं और जीवन में भाग्य चमकता है। सूर्य कमजोर होने पर आत्मविश्वास, स्वास्थ्य और करियर में रुकावट आती है। मकर संक्रांति पर सही दान से ये दोष दूर होते हैं।

मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व है। यह दिन उत्तरायण का प्रारंभ माना जाता है। इस दिन सूर्य देव की पूजा और दान करने से विशेष फल मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर संक्रांति पर राशि अनुसार दान करने से सूर्य प्रसन्न होते हैं और जीवन में भाग्य चमकता है। सूर्य कमजोर होने पर आत्मविश्वास, स्वास्थ्य और करियर में रुकावट आती है। मकर संक्रांति पर सही दान से ये दोष दूर होते हैं। आइए जानते हैं हर राशि के लिए क्या दान करना शुभ है।

मेष राशि – लाल वस्त्र और गुड़ का दान
मेष राशि सूर्य की अग्नि तत्व से जुड़ी है। इस दिन लाल वस्त्र, लाल फूल या गुड़ दान करें। इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है। करियर में रुकावट दूर होती है।

वृषभ राशि – सफेद चावल और दही का दान
वृषभ राशि शुक्र प्रभावित है। सफेद चावल, दही या सफेद मिठाई दान करें। इससे सूर्य की कृपा मिलती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। परिवार में सुख बढ़ता है।

मिथुन राशि – हरी मूंग और हरी सब्जी का दान
मिथुन राशि बुध से जुड़ी है। हरी मूंग दाल, हरी सब्जियां या हरे कपड़े दान करें। इससे सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है और बुद्धि तेज होती है। व्यापार में लाभ मिलता है।

कर्क राशि – दूध और चावल का दान
कर्क राशि चंद्र प्रभावित है। दूध, चावल या सफेद मिठाई दान करें। इससे सूर्य की कृपा मिलती है और मानसिक शांति मिलती है। परिवार में सुख और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

सिंह राशि – गेहूं और गुड़ का दान
सिंह राशि सूर्य की राशि है। गेहूं, गुड़ या लाल फूल दान करें। इससे सूर्य देव बहुत प्रसन्न होते हैं। सम्मान, नेतृत्व क्षमता और यश बढ़ता है। करियर में तरक्की मिलती है।

कन्या राशि – हरे वस्त्र और हरी मूंग का दान
कन्या राशि बुध से जुड़ी है। हरे वस्त्र, हरी मूंग या हरी सब्जियां दान करें। इससे सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है। स्वास्थ्य और बुद्धि में सुधार होता है।

तुला राशि – सफेद वस्त्र और घी का दान
तुला राशि शुक्र प्रभावित है। सफेद वस्त्र, घी या सफेद मिठाई दान करें। इससे सूर्य की कृपा मिलती है और वैभव बढ़ता है। रिश्तों में मधुरता आती है।

वृश्चिक राशि – लाल फल और गुड़ का दान
वृश्चिक राशि मंगल से जुड़ी है। लाल फल, गुड़ या लाल वस्त्र दान करें। इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। साहस बढ़ता है और बाधाएं दूर होती हैं।

धनु राशि – चना दाल और पीले फूल का दान
धनु राशि गुरु प्रभावित है। चना दाल, केला या पीले फूल दान करें। इससे सूर्य की कृपा मिलती है। ज्ञान और संतान सुख में वृद्धि होती है।

मकर राशि – काले तिल और सरसों तेल का दान
मकर राशि शनि की है। काले तिल, सरसों तेल या कंबल दान करें। इससे सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है। करियर में प्रगति होती है और शनि दोष कम होता है।

कुंभ राशि – काले कंबल और तिल का दान
कुंभ राशि शनि से जुड़ी है। काला कंबल, तिल या जूते दान करें। इससे सूर्य की कृपा मिलती है। आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और भाग्य मजबूत होता है।

चना दाल और पीले वस्त्र का दान
मीन राशि गुरु प्रभावित है। चना दाल, पीले वस्त्र या बेसन के लड्डू दान करें। इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। धन हानि से बचाव होता है और आर्थिक स्थिरता आती है।

मकर संक्रांति पर राशि अनुसार दान करने से सूर्य देव की कृपा मिलती है। किस्मत चमकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। ग्रह दोष शांत होते हैं, धन लाभ होता है और भाग्य चमकता है। स्नान, पूजा और दान से जीवन में सुख-शांति आती है। इस दिन तिल, गुड़, खिचड़ी और गर्म कपड़े दान करना विशेष फलदायी है। ये उपाय सरल, लेकिन बहुत फलदायी हैं।

पितामह भीष्म ने प्राण त्यागने के लिए क्यों किया मकर संक्रांति का इंतजार

ये बात महाभारत के पितामह भीष्म की काहनी से बेहतर समझी जा सकती है। पितामह भीष्म को इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था। महाभारत के 10वें दिन पितामह भीष्म के शरीर को अर्जुन के बाणों ने बुरी तरह से भेद दिया था। इसके बाद वो घायल होकर रणभूमि पर गिर गए। बाणों की शय्या पर लेटे भीष्म असहनीय पीड़ा सह रहे थे, लेकिन उन्होंने तुरंत प्राण नहीं त्यागे। क्योंकि उस समय सूर्य देव दक्षिणायन में थे।

मकर संक्रांति का त्योहार आने वाला है। 14 जनवरी को सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसी दिन ये पावन पर्व मनाया जाएगा। मकर संक्रांति सिर्फ एक पर्व नहीं है, बल्कि अध्यात्मिक दृष्टि से भी इसके कई विशेष पहलू हैं। इस दिन मकर राशि में सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं। शास्त्रों में इसको देवताओं का काल माना गया है। बताया जाता है कि सूर्य देव जब उत्तरायण होते हैं, तो स्वर्ग के द्वार खुल जाते हैं।

लोक मान्यताएं हैं कि उत्तरायण में मरने वालों को मोक्ष मिलता है, जबकि दक्षिणायन के सूर्य में मृत्यु होने वालों को जन्म-मरण के चक्र से गुजरना होता है। तीज-त्योहारों पर मृत्यु हो जाने पर लोगों में भ्रम की स्थिति देखी जाती है। कई बार लोगों के मन में ये सवाल भी उठता है कि अगर मकर संक्रांति के दिन किसी के मृत्यु हो जाती है, तो इसके मायने क्या हैं?

शास्त्रों के जानकारों के अनुसार, अगर मकर संक्रांति या सूर्य देव के उत्तरायण होने पर किसी की मृत्यु हो जाती है, तो उसके लिए स्वर्ग के द्वार खुले होते हैं। मकर संक्रांति पर जिनकी मृत्यु होती है, उनकी आत्माएं बड़ी पुण्य मानी जाती हैं और ऐसी आत्माओं को स्वतः मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। ये भगवान के दिन माने जाते हैं, इसलिए मृत्यु के बाद आत्मा सीधे भगवान के चरणों में जगह पाती है।

ये बात महाभारत के पितामह भीष्म की काहनी से बेहतर समझी जा सकती है। पितामह भीष्म को इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था। महाभारत के 10वें दिन पितामह भीष्म के शरीर को अर्जुन के बाणों ने बुरी तरह से भेद दिया था। इसके बाद वो घायल होकर रणभूमि पर गिर गए। बाणों की शय्या पर लेटे भीष्म असहनीय पीड़ा सह रहे थे, लेकिन उन्होंने तुरंत प्राण नहीं त्यागे। क्योंकि उस समय सूर्य देव दक्षिणायन में थे।

शास्त्रों में ये अवधि प्राण त्यागने के लिए अनुकूल नहीं मानी जाती। ये बाद पितामह भीष्म जानते थे। इसलिए उन्होंने प्राण त्यागने के लिए सूर्य देव के उत्तरायण होने का इंतजार किया था। इसके बाद मकर संक्रांति पर जब सूर्य देव उत्तरायण हो गए तब उन्होंने प्राण त्यागे। ऐसा माना जाता है कि इस समय प्राण जाने पर आत्मा को परमागति प्राप्त होती है।

जिस दिन हमें अच्छे विचारों वाली पुस्तकें मिलती हैं, उसी दिन हमारा भाग्य जागने लगता है

स्वाध्याय यानी अच्छी किताबें पढ़ने से हमारी सोच सकारात्मक बनती है। स्वाध्याय से मन में नई ऊर्जा, नया उत्साह और नई शक्ति आती है, ये आदत हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, इसलिए इसमें कभी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि स्वाध्याय को छोड़ना मृत्यु के समान है। जब हम पढ़ना छोड़ देते हैं, तब हमारे विकास के सभी रास्ते बंद हो जाते हैं। अच्छे ग्रंथ हमें सही दिशा दिखाते हैं और जीवन को बेहतर बनाते हैं। जिस दिन हमें अच्छे विचारों वाली पुस्तकें मिलती हैं, उसी दिन हमारा भाग्य जागने लगता है।

अप्सरा उर्वशी के श्राप के कारण अर्जुन को बनना पड़ा था किन्नर

महाभारत सिर्फ एक युद्ध भर की कहानी नहीं है, बल्कि इसमें कई किरदार और कहानिया हैं। महाभारत के इन्हीं महत्वपूर्ण किरदारों में से एक हैं अर्जुन। महाभारत में अर्जुन की एक ऐसी कहानी है, जिसे सुनकर आप हैरान हो जाएंगे। क्या आपको पता है कि अर्जुन जैसे वीर योद्धा को भी एक अप्सरा का दिया हुआ श्राप भोगना पड़ा था? इस श्राप किस वजह से अर्जुन किन्नर बन गए थे और एक साल किन्नर के रूप में ही बिताया था। अर्जुन के इस रूप का नाम बृहन्नला था।

दरअसल, हुआ कुछ यूं कि अर्जुन और सभी पांडव वन में रहने के दौरान युद्ध की तैयारियों में भी जुटे थे। अर्जुन को युद्ध में जीतने के लिए दिव्यास्त्रों की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने भगवान इंद्र की अराधना की। इंद्र उनकी अराधना से प्रसन्न हुए और बदले में आशीर्वाद मांगने की बात कही। इस पर अर्जुन ने भगवान इंद्र से दिव्यास्त्र मांगे।

इंद्र देव ने अर्जुन को दिए दिव्यास्त्र

उस समय देव इंद्र ने अर्जुन को बताया कि इसके लिए पहले उन्हें महादेव को प्रसन्न करके पाशुपतास्त्र हासिल करना होगा। महादेव की कृपा से ही उनके लिए स्वर्ग के द्वार खुलेंगे, जहां उनको दिव्यास्त्रों की प्राप्ति होगी। इसके बाद अर्जुन ने तप करके महादेव को प्रसन्न किया और उनसे पाशुपतास्त्र हासिल किया और स्वर्ग गए, जहां इंद्र देव ने उनको सारे दिव्यास्त्र दिए।

हालांकि, स्वर्गलोक में अर्जुन के साथ एक असाधारण घटना घटी। स्वर्ग की सबसे सुंदर अप्सरा उर्वशी अर्जुन पर मोहित हो गईं और अपने प्रेम को स्वीकार करने का निवेदन किया। वो चांहती थीं कि अर्जुन उनके प्रेम का निवेदन स्वीकार कर लें, लेकिन अर्जुन ने मना कर दिया। इससे उर्वशी को बहुत क्रोध आ गया। वो क्रोध में अपने आपे से बाहर हो गईं और अर्जुन को नपुंसक हो जाने का श्राप दे दिया।

किन्नर के रूप में बृहन्नला बने अर्जुन

श्राप मिलने के बाद अर्जुन अचंभित रह गए और सोचने लगे कि अब क्या होगा। इसके बाद उन्होंने इंद्र देव से इस श्राप का निदान पूछा। श्राप का निदान जानने के बाद अर्जुन दिव्यास्त्र लेकर धरती पर लौट गए। इसके बाद वो एक साल अज्ञातवास के दौरान किन्नर बृहन्नला के रूप में मत्स्य देश में रहे और वहां विराट नरेश की पुत्री उत्तरा को नृत्य सिखाया। इस दौरन सभी पांडव और द्रोपदी भी भिन्न-भिन्न नामों से वहां रहे।

देवी-देवता की मूर्ति बनाने में हर लकड़ी नहीं होती इस्तेमाल, पवित्र लकडी से बनती है मूर्ति

इन पेड़ों की लकड़ियों से नहीं बनाई जाती मूर्तियां

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान की मूर्ति बनाने में कुछ खास तरह की लकड़ियों को वर्जित माना गया है। वजह यह है कि इन लकड़ियों को अशुभ, कमजोर या नकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि दूध देने वाले पेड़, कमजोर टहनियों वाले पेड़, श्मशान के आसपास उगने वाले पेड़, पूरी तरह सूखे पेड़ और ऐसे पेड़ जिनके नीचे चींटी या सांप का घर हो, इनकी लकड़ी से मूर्ति नहीं बनानी चाहिए।

बबूल की लकड़ी

बबूल की लकड़ी काफी सख्त और मजबूत होती है, लेकिन इसके बावजूद इससे भगवान की मूर्ति नहीं बनाई जाती। धार्मिक मान्यता के अनुसार बबूल को अशुद्ध और तामसिक प्रवृत्ति वाला पेड़ माना गया है। इसी वजह से पूजा-पाठ या मूर्ति निर्माण में इसकी लकड़ी का इस्तेमाल नहीं किया जाता। माना जाता है कि इससे बनी मूर्ति सकारात्मक ऊर्जा नहीं दे पाती।

नीम की लकड़ियां

नीम का पेड़ अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है और इसे पवित्र भी माना जाता है। घर के आसपास नीम का पेड़ होना शुभ समझा जाता है, लेकिन इसकी लकड़ी को मूर्ति बनाने के लिए ठीक नहीं माना गया है। मान्यता है कि नीम की लकड़ी कठोर जरूर होती है, लेकिन मूर्ति निर्माण के लिहाज से यह अनुपयुक्त होती है।

पलाश या ढाक के पेड़ की लकड़ी

पलाश या ढाक का पेड़ धार्मिक कामों में खूब इस्तेमाल होता है। इसके पत्ते और लकड़ी हवन, यज्ञ और पूजा सामग्री में काम आते हैं। इसके बाद भी पलाश की लकड़ी से मूर्ति नहीं बनाई जाती। वजह यह मानी जाती है कि यह लकड़ी ज्यादा टिकाऊ नहीं होती और जल्दी टूट-फूट का शिकार हो जाती है।

आम की लकड़ियां

आम का पेड़ हिंदू धर्म में काफी पवित्र माना गया है। इसके पत्तों का इस्तेमाल पूजा, हवन और मांगलिक कामों में किया जाता है। आम की लकड़ी को भी यज्ञ में काम लिया जाता है, लेकिन मूर्ति निर्माण में इसे वर्जित माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक आम की लकड़ी मूर्ति के लिए स्थायित्व नहीं देती।

शमी और बेल का पेड़

शमी और बेल दोनों ही पेड़ धार्मिक रूप से बहुत अहम माने जाते हैं। शमी के पत्ते विजय और शुभता का प्रतीक माने जाते हैं, जबकि बेल के पत्ते भगवान शिव को अर्पित किए जाते हैं।

ऑस्कर में बढ़ी भारत की उम्मीदें, अब 'कांतारा चैप्टर 1' और 'तन्वी द ग्रेट' भी हुई इस रेस में शामिल

इस बार ऑस्कर में भारत की उम्मीदें नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' पर टिकी हैं। 'होमबाउंड' ऑस्कर में भारत की ओर से आधिकारिक तौर पर भेजी गई फिल्म है। फिल्म अभी भी रेस में बनी हुई है। लेकिन अब भारत की दो और फिल्में भी ऑस्कर की दौड़ में शामिल हो गई हैं। जिसके बाद अब भारत को इन दो फिल्मों से भी उम्मीद बंध गई है। हालांकि, अभी इन फिल्मों को लेकर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

'कांतारा चैप्टर 1' और 'तन्वी द ग्रेट' इस लिस्ट में हुईं शामिल

इस साल बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करने वाली ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' और अनुपम खेर के निर्देशन में बनी 'तन्वी द ग्रेट' उन 201 फीचर फिल्मों की सूची में शामिल हो गई हैं, जो 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए विचाराधीन हैं। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंस (एएमपीएएस) ने उन 201 योग्य फिल्मों की घोषणा की है, जो प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार के लिए सीधे तौर पर पात्र हैं। इस लिस्ट में 'कांतारा चैप्टर 1' और 'तन्वी द ग्रेट' भी शामिल हो गई हैं। ऐसे में अब इन दोनों फिल्मों से भी ऑस्कर में उम्मीदें जाग गई हैं।

सभी शर्तों को दोनों फिल्मों ने किया पूरा

सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए एलिजिबल फिल्मों ने सामान्य एंट्री के अलावा सभी अतिरिक्त एलिजिबलिटी आवश्यकताओं को भी पूरा किया। इसमें सिनेमाघरों में प्रदर्शन और एक कॉन्फिडेंशियल अकादमी प्रतिनिधित्व और समावेशन मानक प्रविष्टि फॉर्म जमा करना भी शामिल है। फिल्मों को अकादमी के चार इन्क्लूजन स्टैंडर्ड में से कम से कम दो को पूरा करना और 2025 में अपनी पहली रिलीज के 45 दिनों के भीतर शीर्ष 50 अमेरिकी बाजारों में से 10 में एक योग्य थिएटर प्रदर्शन पूरा करना भी आवश्यक था। सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में शामिल होने की सभी शर्तें पूरी करने के बाद 'कांतारा चैप्टर 1' और 'तन्वी द ग्रेट' दोनों ही ऑस्कर पुरस्कार के संभावित दावेदार बन गए हैं। अकादमी द्वारा अंतिम नामांकन सूची 22 जनवरी को जारी की जाएगी।

'कांतारा चैप्टर 1' 2025 की सबसे सफल फिल्मों में शामिल है

होम्बले फिल्म्स द्वारा निर्मित 'कांताराः चैप्टर 1' ऋषभ शेट्टी द्वारा लिखित, निर्देशित और अभिनीत फिल्म है। यह 2025 की सबसे सफल फिल्मों में से एक है। दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स ने भी फिल्म को जमकर सराहा था। वहीं दूसरी ओर 'तन्वी द ग्रेट' का निर्माण, निर्देशन और लेखन अनुपम खेर ने किया है। यह फिल्म ऑटिज्म पर आधारित है, जिसमें एक ऑटिस्टिक लड़की तन्वी की कहानी को दिखाया गया है। फिल्म में अनुपम खेर के अलावा शुभांगी दत्त, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, जैकी श्रॉफ और पल्लवी जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

83वें गोल्डन ग्लोब में अवॉर्ड प्रेजेंट करेंगी प्रियंका चोपड़ा

रविवार 11 जनवरी को लास एंजिल्स में होने वाले गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स में अब अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा प्रेजेंटेटर्स में शामिल हो गई हैं। आयोजकों की ओर से इस बात की जानकारी दी गई। जिसके बाद जाहिर है कि प्रियंका भी इस अवॉर्ड फंक्शन में अवॉर्ड प्रेजेंट करती नजर आएंगी।

इन हॉलीवुड स्टार्स के साथ नजर आएंगी प्रियंका

गोल्डन ग्लोब्स के आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स, अभिनेता जॉर्ज क्लूनी और मिला कुनिस के साथ स्टेज पर अवॉड्र्स प्रेजेंट करेंगी। प्रियंका लंबे समय बाद इस प्रतिष्ठित मंच पर नजर आएंगी। प्रेजेंटर्स की इस स्टार-स्टडेड लिस्ट में कई और बड़े नाम भी शामिल हैं।

11 जनवरी को आयोजित होंगे अवॉड्र्स

83वें गोल्डन ग्लोब अवॉड्र्स 11 जनवरी को लॉस एंजिल्स के बेवर्ली हिल्टन होटल में आयोजित होंगे। इसमें फिल्म, टेलीविजन और पहली बार पॉडकास्ट के क्षेत्र में इस साल शानदार काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। कॉमेडियन निक्की ग्लेजर एक बार फिर अवॉड्र्स को होस्ट करेंगी।

भारत में कब देख सकेंगे अवॉड्र्स

लास एंजिल्स में रविवार 11 जनवरी को शाम 5 बजे होने वाला ये अवॉड्र्स समारोह भारत में सोमवार 12 जनवरी को सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। अमेरिका में इसे सीबीएस चैनल पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा और पैरामाउंट प्लस पर स्ट्रीमिंग उपलब्ध होगी। गोल्डन ग्लोब्स फिल्म और टेलीविजन की दुनिया के सबसे बड़े अवॉड्र्स में से एक हैं।

राजामौली की 'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। काफी बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

मद्रास हाईकोर्ट का निर्देश, सीबीएफसी जारी करेगा 'जन नायकन' का सर्टिफिकेट

अभिनेता से राजनेता बने थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' का मामला शुक्रवार को सुलझ गया। मद्रास हाईकोर्ट ने केस की सुनवाई में सीबीएफसी को निर्देश जारी किए हैं कि जल्द से जल्द इस फिल्म का सेंसर सार्टिफिकेट जारी किया जाए। हालांकि, कोर्ट का यह फैसला फिल्म की तय रिलीज टलने के एक दिन बाद आया। दूसरी तरफ खबर है कि मामले में, सेंसर बोर्ड सिंगल जज द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती देते हुए चीफ जस्टिस की बेंच के सामने अपील दायर करेगा।

बोर्ड ने राजनीतिक कारणों से सर्टिफिकेट नहीं दियाः चक्रवर्ती

कोर्ट का निर्देश आने के बाद TVK के लीगल विंग के डिप्टी कोऑर्डिनेटर चक्रवर्ती ने कहा, 'मद्रास हाई कोर्ट ने सीबीएफसी को TVK प्रेसिडेंट और एक्टर विजय की फिल्म 'जना नायकन' के लिए U/A 16+ सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया है। सेंसर बोर्ड ने राजनीतिक कारणों से सर्टिफिकेट जारी नहीं किया।

फिल्म को मुआवजा भी मिलेगाः धनराज

वहीं मामले पर TVK के स्टेट लीगल विंग की जॉइंट कोऑर्डिनेटर इंद्रा धनराज ने कहा, 'हमने 6 जनवरी को एक याचिका दायर की

थी क्योंकि फिल्म को कोई सर्टिफिकेशन नहीं दिया गया था। तब मामला टाल दिया गया और आज फैसला सुनाया गया। मद्रास हाई कोर्ट ने याचिका मंजूर कर ली है... अगर फिल्म समय पर रिलीज नहीं होती है तो लोगों को बहुत नुकसान होता है, इसलिए मुआवजा दिया जा रहा है। फिल्म के 27 सीन भी काट दिए गए हैं। अगर सीबीएफसी इस मामले में अपील करता है, तो हम कोर्ट में उनका सामना करेंगे।'

फैंस ने बांटे लड्डू, फोड़े पटाखे

वहीं अब जब कोर्ट ने फिल्म को सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश दिया है तो विजय के फैंस के बीच खुशी की लहर है। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में फैंस ने सड़क पर पटाखे फोड़े और लड्डू बांटे।

एक दिन पहले मेकर्स ने टाली रिलीज

इससे पहले प्रोड्यूसर्स 'जन नायकन' को 9 जनवरी को रिलीज करना चाहते थे लेकिन फिल्म पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप था। इसके साथ ही सीबीएफसी ने रिलीज डेट तक इसका सर्टिफिकेट जारी नहीं किया था। ऐसे में मेकर्स को हाई कोर्ट जाना पड़ा।

हाई कोर्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला

7 जनवरी को मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने मेकर्स की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को इस फिल्म को 'UA 16+' कैटेगरी के तहत सेंसर सर्टिफिकेट देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इससे पहले 6 जनवरी को, जब याचिका पर सुनवाई हुई, तो जस्टिस पी टी आशा ने सीबीएफसी से मौखिक रूप से 7 जनवरी को उस 'शिकायत' की कॉपी पेश करने को कहा, जिसमें दावा किया गया था कि फिल्म 'धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है।'

मेकर्स का दावा बदलाव के बावजूद जारी नहीं हुआ सर्टिफिकेट

मेकर्स ने तब बताया था कि U/A सर्टिफिकेशन के लिए शुरुआती सिफारिश के बाद फिल्म को 'रिव्यू' के लिए भेजा गया था। फिल्म मेकर्स ने दावा किया कि उन्होंने फिल्म पर काम पूरा हो जाने के बाद इसे 18 दिसंबर को सेंसरशिप के लिए भेजा था। इसके बाद, 19 दिसंबर को फिल्म देखने वाले सेंसर बोर्ड ने कथित तौर पर कुछ सीन हटाने और कुछ डायलॉग को म्यूट करने की सलाह दी। याचिकाकर्ता फिल्म प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि सेंसर बोर्ड के सदस्यों द्वारा सुझाए गए बदलाव किए जाने के बाद भी फिल्म का सेंसर सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया। इसके चलते 9 जनवरी को इसकी रिलीज डेट तय होने के बावजूद भी फिल्म सेंसर सर्टिफिकेट के बिना रिलीज नहीं हो पाई।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का हुआ ब्रेकअप क्या एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद रिश्ते में आई खटास?

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को अक्सर पार्टी, इवेट्स में खूब साथ देखा गया। इन्होंने खुलकर अपने इश्क का इजहार किया।

कुछ वक्त पहले न्यू ईयर वेकेशन मनाने भी दोनों साथ गए। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबर सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की राहें अब जुदा हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि इस ब्रेकअप की वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना बनी है।

तारा और वीर ने नहीं किया खबर का खंडन

वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने ब्रेकअप कर लिया है। इस बात की पुष्टि उनसे जुड़े करीबी सूत्रों ने की है। जबकि वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया की तरफ से अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई। ऐसे में ब्रेकअप क्यों हुआ, इस बात को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स इस ब्रेकअप की असल वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट को मान रहे हैं।

एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में क्या हुआ था?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे।

लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

13 महीनों तक चावल से किया परहेज: फरहान अख्तर

फरहान अख्तर बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जो फिल्मों को रियल बनाने के लिए किसी भी हद तक जाते हैं। 9 जनवरी 1974 को जन्मे फरहान अख्तर की फिल्मों से जुड़े कई किस्से हैं। फिल्मों में उन्होंने अपने किरदार को निभाने के लिए कड़ी मेहनत की है। फिल्म को लेकर कभी उन्हें अपने पिता की नाराजगी सहनी पड़ी, तो कभी उन्हें फिल्म में एक्टर को लेने के लिए कई महीनों तक इंतजार करना पड़ा। आज फरहान अख्तर अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। आइए इस मौके पर जानते हैं उनकी फिल्मों से जुड़े उनके कुछ दिलचस्प किस्से।

18 महीनों तक कड़ी मेहनत की

फिल्म 'तूफान' (2021) के लिए फरहान अख्तर ने काफी मेहनत की। उन्होंने इस फिल्म के लिए मुक्केबाजी की बारीकियां सीखीं। फिल्म में अजीज अली का किरदार निभाने के लिए उन्होंने अपने शरीर को पूरी तरह से बदला। उन्होंने पहले अपना वजन 69 किलो से 85 किलो तक बढ़ाया, फिर इसे घटाया। इसके लिए उन्होंने 18 महीनों तक मेहनत की। यह फरहान अख्तर और राकेश ओम प्रकाश मेहरा की दूसरी स्पोर्ट्स पर बनी फिल्म थी।

13 महीने तक चावल, रोटी और ब्रेड से परहेज

फरहान अख्तर ने फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' (2013) के लिए बहुत मेहनत की थी। फरहान के मुताबिक जब वह मिल्खा सिंह से पहली बार मिले, तो मिल्खा सिंह ने उनसे ट्रैक पर जॉगिंग करने को कहा था। फिल्म में अपने किरदार के लिए फरहान अख्तर ने 13 महीनों तक चावल, रोटी, ब्रेड और शराब से परहेज किया था। उन्होंने मिल्खा सिंह की तरह बॉडी बनाने के लिए घंटों तक भारी वजन उठाया और ट्रेनिंग की।

अभिनय के अलावा गायन सीखा

फरहान अख्तर ने फिल्म 'रॉक ऑन' (2008) से अभिनय की शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने एक रॉकस्टार का किरदार निभाया। फरहान अख्तर ने इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं की बल्कि गाना भी गाया। उन्होंने शंकर महादेवन से गायन सीखा। इस फिल्म से उन्होंने गायन में डेब्यू किया। उन्होंने एहसान से गिटार सीखा। आदित्य श्रॉफ के किरदार में फरहान ने इतनी जान डाल दी कि लोग उन्हें असल जिंदगी का रॉक्स्टार समझने लगे थे।

क्या पिता ने फाड़ी स्क्रिप्ट?

फरहान अख्तर साल 1978 में रिलीज हुई फिल्म 'डॉन' का रीमेक बनाना चाहते थे। उन्होंने इसकी स्क्रिप्ट अपने पिता जावेद अख्तर को दिखाई थी। बताया जाता है कि फरहान के पिता को यह स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई थी और उन्होंने इसे फाड़ दिया था। हालांकि बाद में फरहान ने बताया कि पिता ने स्क्रिप्ट फाड़ी नहीं थी, बल्कि वह इस स्क्रिप्ट से असहमत थे। इसके बाद फरहान ने स्क्रिप्ट पर काम किया और उन्होंने 'डॉन' (2006) और 'डॉन 2' (2011) बनाई। दोनों फिल्में कामयाब रहीं।

डिप्रेशन में चले गए थे फरहान

फरहान अख्तर ने साल 2004 में फिल्म 'लक्ष्य' का निर्देशन किया। इसमें लीड रोल में ऋतिक रोशन थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। इसके फ्लॉप होने पर फरहान अख्तर उदास हो गए थे। उनके मुताबिक उन्होंने फिल्म के लिए जितनी मेहनत की थी उसका उन्हें फल नहीं मिला था। उस वक्त डिप्रेशन से बाहर आने के लिए उन्होंने दोस्तों के साथ देहरादून की यात्राएं कीं और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) का दौरा किया।

आमिर खान ने कराया आठ महीने तक इंतजार

फिल्म 'दिल चाहता है' (2001) फरहान अख्तर के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म से जुड़े कई किस्से हैं, जिसमें से सबसे मशहूर यह है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए आमिर खान को मनाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फरहान अख्तर ने आमिर खान को इस फिल्म की स्क्रिप्ट दी थी तो यह अंग्रेजी में थी।

आमिर खान ने इसे हिंदी में कराने के लिए कहा। डायलॉग हिंदी में करने के बावजूद आमिर खान ने 8 महीने तक इंतजार कराया। आखिर में फरहान ने आमिर को वीडियो डोरबेल के जरिए स्क्रिप्ट सुनाई। इसके बाद आमिर खान इस फिल्म के लिए राजी हुए।

'बड़े पर्दे पर खलेगी उनकी कमी', विजय के फिल्मों से दूरी बनाने पर मालविका मोहनन ने जताया दुख

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज फिलहाल टल गई है। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म सेंसर सर्टिफिकेट न मिल पाने के कारण रिलीज नहीं हो सकी। फिल्म का मामला अभी भी मद्रास हाईकोर्ट में लंबित है। इस बीच अब विजय व 'जन नायकन' के सपोर्ट में तमिल इंडस्ट्री उतर आई है। इस बीच आज ही रिलीज हुई प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की अभिनेत्री मालविका मोहनन ने थलापति विजय को लेकर बात की है। साथ ही 'जन नायकन' के बाद विजय के फिल्मों से संन्यास लेने पर उन्होंने निराशा जताई है।

विजय की फिल्में बनाती हैं त्योहार जैसा माहौल

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान मालविका मोहनन ने 'जन नायकन' के बाद विजय के सिनेमा से दूरी बनाने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके सभी प्रशंसकों की तरह मुझे भी बड़े पर्दे पर उनकी कमी खलेगी। उनकी हर फिल्म रिलीज होती है, तो ऐसा लगता है जैसे कोई त्योहार हो। उनकी फिल्म रिलीज से पहले पूरे तमिलनाडु के माहौल में जबरदस्त जोश और उत्साह होता है। इसे महसूस करने के लिए आपको वास्तव में चेन्नई, तमिलनाडु में होना पड़ेगा। बहुत कम अभिनेता अपनी फिल्मों की रिलीज के समय ऐसा माहौल बना पाते हैं।

विजय कभी खुद को सुपरस्टार जैसा नहीं समझते

मालविका ने थलापति विजय के साथ 'मास्टर' फिल्म में काम भी किया है। विजय के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि 'मास्टर' में उनके साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। आपको ऐसा महसूस नहीं होता कि आप किसी बड़े सुपरस्टार के साथ काम कर रहे हैं। वह बहुत ही प्यारे, विनम्र और एक बेहतरीन इंसान हैं और

आपकी बातों को अच्छे से सुनते हैं। वह सचमुच आपके बारे में जानना चाहते हैं। वह सुनते हैं, लोगों को परखते हैं और उनकी समझ बहुत गहरी है।

इस वजह से टली 'जन नायकन' की रिलीज

एच. विनोथ द्वारा निर्देशित 'जना नायकन' राजनीतिक करियर में कदम रखने से पहले विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। यह फिल्म 9 जनवरी यानी आज ही रिलीज होनी थी। लेकिन सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिला। इसके बाद मेकर्स मद्रास हाईकोर्ट गए, लेकिन अब तक वहां भी फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट को लेकर कोई फैसला नहीं आया है। इस वजह से फिल्म की रिलीज फिलहाल टल गई है। मेकर्स ने एक बयान जारी कर इस बारे में बताया कि भारी मन से हम अपने सभी दर्शकों के साथ यह खबर साझा कर रहे हैं। 9 जनवरी को रिलीज होने वाली 'जन नायकन' की रिलीज कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दी गई है, जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है।

'द राजा साब' में नजर आई हैं मालविका मोहनन

मालविका मोहनन प्रभास स्टारर 'द राजा साब' में नजर आई हैं। 'द राजा साब' आज यानी 9 जनवरी को ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में प्रभास और मालविका के अलावा निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

भारतीय टीम में चुने गए खिलाड़ियों का विजय हजारे में ऐसा रहा प्रदर्शन

टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है और फैंस की नजरें उन खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म पर टिकी हुईं हैं, जो इस बड़े टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। ऐसे में विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 का प्रदर्शन उनके फॉर्म का एक अहम संकेत देता है। बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, कुछ खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया तो कुछ उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

विजय हजारे में क्यों खेले सभी खिलाड़ी

बीसीसीआई ने इस सीजन से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों के लिए कम से कम दो घरेलू मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी नियम के तहत विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी घरेलू क्रिकेट का रुख किया था। आमतौर पर इंटरनेशनल मैचों में महंगे टिकट के कारण कई फैंस स्टेडियम नहीं जा पाते, ऐसे में घरेलू क्रिकेट में इन सितारों को खेलते देखना एक दुर्लभ मौका मिला। टीम इंडिया में चुने गए 15 में से 14 खिलाड़ियों ने विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

सूर्यकुमार फ्लॉप, तिलक चोटिल

टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने विजय हजारे में सिर्फ दो मैच खेले, लेकिन फॉर्म टेस्टिंग में वह फेल साबित हुए। हिमाचल के खिलाफ 24 और पंजाब के खिलाफ 15 रन उनकी बैटिंग का हिस्सा रहे। वहीं, तिलक वर्मा ने चंडीगढ़ के खिलाफ शानदार 109 रन जड़े और फिर बंगाल के खिलाफ 34 रन बनाकर निरंतरता दिखाई। तिलक की स्थिरता भारत के मिडिल ऑर्डर के लिए राहतभरी खबर है। हालांकि, वह चोटिल हो गए हैं और टी20 विश्व कप में उनके खेलने पर संशय है। विजय हजारे में लगी चोट की वजह से उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ा है।

रिंकू सिंह का जलवा जारी

भारत के भरोसेमंद फिनिशर रिंकू सिंह ने विजय हजारे टूर्नामेंट में एक बार फिर अपनी क्लास साबित की। हैदराबाद के खिलाफ 67, चंडीगढ़ के खिलाफ 106*, बड़ौदा के खिलाफ 63, असम के खिलाफ 37*, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 41, विदर्भ के खिलाफ 57* और बंगाल के खिलाफ 37* जैसी पारियों ने उनका रिपोर्ट कार्ड बेहद प्रभावी बना दिया। यह स्पष्ट है कि रिंकू टी20 विश्व कप में भारत का ट्रम्प कार्ड साबित हो सकते हैं।

ऑलराउंडर सेक्शनः अभिषेक, हार्दिक, दुबे, अक्षर चमके

अभिषेक शर्मा ने महाराष्ट्र के खिलाफ 48 रन बनाए और एक विकेट लिया, उत्तराखंड के खिलाफ 30 रन बनाए और दो विकेट लिया ऐसे में दोनों विभागों में उनका प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन फिर मुंबई के खिलाफ वह आठ रन ही बना पाए और एक ओवर में 30 रन खर्च किए। हालांकि, टी20 विश्व कप में वह टीम इंडिया के सबसे अहम खिलाड़ी होंगे।

हार्दिक पांड्या, जो लंबे समय बाद भारतीय टीम में लौट रहे हैं, ने विदर्भ के खिलाफ 133 रन बनाए और एक विकेट लिया। इसके बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 75 रन बनाए और तीन विकेट झटके। उनकी वापसी टीम बैलेंस के लिहाज से अहम है। शिवम दुबे ने हिमाचल के खिलाफ 68/4 लेकर गेंदबाजी से झटका दिया और पंजाब के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी बहुमुखी क्षमता दिखाई। हालांकि, उनका बैटिंग फॉर्म चिंता का विषय है।

अक्षर पटेल ने आंध्र के खिलाफ 130 रन बनाए और दो विकेट भी झटके, जबकि ओडिशा के खिलाफ 73 रन बनाकर चयन को सही साबित किया। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर ने राजस्थान और त्रिपुरा के खिलाफ बल्ले और गेंद दोनों से खराब योगदान दिया। भारतीय पिच को देखते हुए सुंदर का अच्छा खेलना बेहद अहम होगा।

विकेटकीपर बैटर्सः ईशान और संजू की वापसी

संजू सैमसन ने झारखंड के खिलाफ 101 रन की चमकदार पारी खेली, जबकि पुदुचेरी के खिलाफ सिर्फ 11 रन बना सके। इसके पीछे उनका स्थिर स्ट्राइक रेट और मैच कंट्रोल क्षमता टीम के लिए मूल्यवान मानी गई है। ईशान किशन ने कर्नाटक के खिलाफ 125, फिर केरल के खिलाफ 21 और मध्य प्रदेश के खिलाफ नौ रन बनाए। उनका आक्रामक अंदाज और अनुभव टी20 विश्व कप में बेहद काम आ सकता है।

स्पिन और पेस यूनिटः वेरिएशन से भरा अटैक

वरुण चक्रवर्ती ने राजस्थान व त्रिपुरा के खिलाफ क्रमशः चार और दो विकेट लिए।

कुलदीप यादव ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ दो विकेट और विदर्भ के खिलाफ तीन विकेट चटकाए।

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सिक्किम के खिलाफ पांच विकेट और गोवा के खिलाफ दो विकेट लेकर फॉर्म बरकरार रखा।

जसप्रीत बुमराह इस दौरान नहीं खेले, लेकिन उनकी राष्ट्रीय स्तर पर फिटनेस और अनुभव टीम के लिए बड़ी ताकत है। हर्षित राणा ने सर्विसेस के खिलाफ चार और रेलवे के खिलाफ एक विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है।

बुमराह क्यों नहीं खेले?

जसप्रीत बुमराह ने विजय हजारे ट्रॉफी इसलिए नहीं खेली क्योंकि उन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट और पीठ की चोटों के इतिहास को देखते हुए बीसीसीआई और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आराम करने की सलाह दी गई थी, ताकि वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए फिट और तरोताजा रह सकें। पिछले कुछ वर्षों में उन्हें बार-बार चोटें आई हैं और इस वजह से उन्हें घरेलू क्रिकेट से विशेष छूट दी गई है।

विजय हजारे के टॉप परफॉर्मर टीम इंडिया में नहीं!

दिलचस्प बात यह है कि विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-10 और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष-10 खिलाड़ियों में से कोई भी भारतीय विश्व कप टीम में जगह नहीं बना सका। यह चयनकर्ताओं के टी20 फॉर्मेट को लेकर विशेष दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहां उन्होंने 50 ओवर के प्रदर्शन से ज्यादा टी20 की भूमिका, स्ट्राइक रेट, गेंदबाजी फेज और मैच-इम्पैक्ट को महत्व दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि घरेलू फॉर्म जहां महत्वपूर्ण है, वहीं फॉर्मेट की मांग और टीम की जरूरत चयन में ज्यादा प्रभाव डालती है।

सात फरवरी से शुरू होगा टी20 विश्व कप 2026

टी20 विश्व कप 2026 का 10वां संस्करण सात फरवरी से शुरू हो रहा है। कुल 20 टीमें, चार ग्रुप और हर ग्रुप में पांच-पांच टीमों का मुकाबला होगा। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा, जिसने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

'विराट में अभी भूख है..टेस्ट में वापसी करनी चाहिए'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर बात की है। उनका मानना है कि किंग कोहली में अभी रनों की भूख है। उन्हें इस प्रारूप में अपने संन्यास के फैसले को पलटकर वापसी करनी चाहिए। बता दें कि, पूर्व भारतीय कप्तान ने पिछले साल मई में लाल गेंद प्रारूप को अलविदा कह दिया था जबकि टी20 विश्व कप 2024 के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह सिर्फ वनडे खेलते हैं।

उथप्पा ने साझा की कोहली की तस्वीर

उथप्पा ने सोशल मीडिया पर कोहली की एक तस्वीर साझा की। यह फोटो न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले नेट्स प्रैक्टिस की है।

पूर्व खिलाड़ी ने कैप्शन में लिखा, 'उनकी आंखें एक कहानी बताती हैं। पक्का अब उनके टेस्ट रिटायरमेंट को वापस लेने का समय आ गया है। उन्हें टेस्ट क्रिकेट में वापस देखना अच्छा लगेगा।'

रणजी में भी खेले

टेस्ट से संन्यास से पहले कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत पर्थ में एक शानदार शतक के साथ की थी, लेकिन अगले चार टेस्ट में वह उस लय को बनाए नहीं रख पाए।

भारत आखिरकार पांच मैचों की सीरीज 1-3 से हार गया, जिसके बाद बीसीसीआई ने जनवरी 2025 में सीरीज के बाद रिव्यू किया। रिव्यू के बाद, कोहली और रोहित शर्मा रणजी ट्रॉफी में खेले क्योंकि बोर्ड ने खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना जरूरी कर दिया था, अगर वे टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे। हालांकि, कोहली जल्द ही भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान के तौर पर रिटायर हो गए, उन्होंने 123 मैचों में 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए।

बीसीबी के सीनियर अधिकारी ने तमीम इकबाल को क्यों कहा भारत का एजेंट? नाराज हुए कई खिलाड़ी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक सीनियर अधिकारी ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा। तमीम ने बीसीबी को सलाह देते हुए कहा था कि वह भावनाओं में आकर टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाने का फैसला ना ले। इसे लेकर यह अधिकारी गुस्सा हो गया और उसने अपने ही पूर्व कप्तान को लताड़ा। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाड़ियों को बीसीबी अधिकारी का इस तरह तमीम पर टिप्पणी करना पसंद नहीं आया है।

सीडब्ल्यूएबी ने जताई नाराजगी

बीसीबी वित्तीय समिति के चेयरमैन नजमुल ने तमीम को फेसबुक पोस्ट में भारत का एजेंट कहा था। उन्होंने लिखा था, 'इस बार बांग्लादेश की जनता ने अपनी आंखों से एक और प्रमाणित भारतीय एजेंट के उभरने को देखा।' इस पोस्ट पर तस्कीन अहमद, मोमिनुल हक और तैजुल इस्लाम सहित पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों की ओर से तुरंत कड़ी प्रतिक्रिया मिली। यहां तक बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर संघ (सीडब्ल्यूएबी) भी नजमुल की टिप्पणी से चौंक गया।

सीडब्ल्यूएबी ने कहा, बीसीबी निदेशक एम नजमुल इस्लाम की ओर से पूर्व कप्तान तमीम इकबाल पर कई गई टिप्पणी से हम आश्चर्यचकित हैं। बांग्लादेश के इतिहास के सबसे सफल सलामी बल्लेबाज, जिन्होंने 16 वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया उनके बारे में बोर्ड के एक अधिकारी द्वारा ऐसी टिप्पणी करना अत्यंत निंदनीय है। यह सिर्फ तमीम जैसे खिलाड़ी से संबंधित मामला नहीं है, बल्कि देश के किसी भी क्रिकेटर के बारे में इस तरह की टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं और पूरे क्रिकेट समुदाय के लिए अपमानजनक हैं।

बीसीबी से की कार्रवाई की मांग

36 साल के तमीम ने बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट, 243 वनडे और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। सीडब्ल्यूएबी ने कहा, हम इस टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हैं। जब कोई जिम्मेदार बोर्ड निदेशक सार्वजनिक मंच पर इस तरह की टिप्पणी करता है, तो इससे बोर्ड अधिकारियों की आचार संहिता पर गंभीर सवाल उठते हैं। हमने बीसीबी अध्यक्ष को पहले ही एक विरोध पत्र सौंप दिया है, जिसमें संबंधित बोर्ड निदेशक से सार्वजनिक माफी मांगने और उन्हें जवाबदेह ठहराने की मांग की गई है। हमें उम्मीद है कि बीसीबी अध्यक्ष जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करेंगे।

तमीम ने क्या कहा था?

बीसीबी ने आईसीसी को पत्र लिखकर मांग की है कि वह टी20 विश्व कप में अपने मुकाबले भारत के बजाए श्रीलंका में खेलना चाहता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को निर्देश दिया था कि वह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दे। इसके बाद से ही बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप को लेकर राग अलपाना शुरू कर दिया है। बीसीबी ने सुरक्षा को बहाना बनाया है और अपने मैच श्रीलंका में खेलने की मांग की है।

इसे लेकर तमीम इकबाल ने बोर्ड को चेताया था कि वह भावनाओं में बहकर नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर फैसला ले। इकबाल ने कहा था, स्थिति फिलहाल थोड़ी गंभीर है और अभी अचानक कोई बयान देना मुश्किल है। लेकिन यह ध्यान में रखना चाहिए कि अगर सब मिलकर काम करें तो कई समस्याएं संवाद के माध्यम से हल हो सकती हैं। आपको यह देखना होगा कि बांग्लादेश विश्व क्रिकेट में कहां खड़ा है और बांग्लादेश क्रिकेट का भविष्य क्या हो सकता है। फिर उसी आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

खिलाड़ियों ने की आलोचना

इसे लेकर तमीम इकबाल ने बोर्ड को चेताया था कि वह भावनाओं में बहकर नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर फैसला ले। इकबाल ने कहा था, स्थिति फिलहाल थोड़ी गंभीर है और अभी अचानक कोई बयान देना मुश्किल है। लेकिन यह ध्यान में रखना चाहिए कि अगर सब मिलकर काम करें तो कई समस्याएं संवाद के माध्यम से हल हो सकती हैं। आपको यह देखना होगा कि बांग्लादेश विश्व क्रिकेट में कहां खड़ा है और बांग्लादेश क्रिकेट का भविष्य क्या हो सकता है। फिर उसी आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

मोमिनुल हक ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बीसीबी निदेशक एम नजमुल इस्लाम द्वारा पूर्व राष्ट्रीय कप्तान तमीम इकबाल के बारे में की गई टिप्पणी पूरी तरह अस्वीकार्य है।

'कजिन्स को लगा मैं नहीं रही...', जेमिमा ने सुनाया बचपन का खौफनाक किस्सा; क्या था हादसा?

भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने हाल ही में अपने बचपन के एक डरावने अनुभव का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि जब वह सिर्फ 8-10 साल की थीं तब एक घटना में उनकी जान जाते-जाते बची थी। इस हादसे ने उस वक्त उनके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया था।

जेमिमा ने सुनाया खौफनाक किस्सा

जेमिमा के अनुसार, यह घटना एक चर्च कार्यक्रम के दौरान हुई थी। वह एक ऑडिटोरियम में अपने कजिन्स और दोस्तों के साथ खेल रही थीं, तभी अचानक वह पहली मंजिल से नीचे गिर गईं। सौभाग्य से, उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। हाल ही में 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस' शो में बातचीत के दौरान जेमिमा ने कहा, 'हम एक ऑडिटोरियम में थे, जहां चर्च का प्रोग्राम चल रहा था। सारे बच्चे बाहर थे और हम चप्पल फाइट खेल रहे थे। उस वक्त मेरी उम्र करीब 8 या 10 साल रही होगी।'

उन्होंने आगे बताया, 'मेरी कजिन रेचल ने अपनी क्रॉक्स फेंकी, जो एक लकड़ी की जगह के पार चली गई। उसे लाने के लिए वहां से कूदना पड़ता था। मैंने हीरो बनते हुए कहा- 'रुको, मैं लाती हूं।' वहां एक बॉक्स था, मैंने उस पर पैर रखा और फिसलकर नीचे गिर गई। मैं पहली मंजिल से सीधे नीचे गिर गई।' जेमिमा ने बताया कि नीचे एक महिला खाना खा रही थी और वह उसी के सिर पर गिर गईं, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कजिन्स को लगा कि मैं मर गई हूं, क्योंकि गिरने के बाद कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।'

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली की कप्तानी करेंगी जेमिमा

25 वर्षीय जेमिमा ने महिला विश्व कप 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 127 रनों की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया था। इस मैच में भारत ने महिला क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज किया था। महिला क्रिकेट में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सुपरस्टार बन चुकी जेमिमा अब महिला प्रीमियर लीग 2026 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करती नजर आएंगी।

महिला प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा रन, छक्के, विकेट और औसत किसके नाम

महिला प्रीमियर लीग 2026 का आज से आगाज हो रहा है। पहला मैच मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। महिला प्रीमियर लीग का पहला चरण नौ जनवरी से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में खेला जाएगा। वहीं दूसरा चरण 19 जनवरी से पांच फरवरी तक वडोदरा (बारोडा) में आयोजित होगा। फाइनल मुकाबला भी वडोदरा में खेला जाएगा। लीग स्टेज में कुल 20 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद तीन फरवरी को एलिमिनेटर और दो दिन बाद यानी पांच फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। शेड्यूल में सिर्फ दो डबल हेडर मुकाबले हैं।

भारतीय महिला टीम के वनडे विश्व कप जीतने के बाद इस टूर्नामेंट का महत्व बढ़ गया है। इससे टूर्नामेंट में चार चांद लगेगा। साथ ही जून में महिला टी20 विश्व कप होना है। उससे पहले इस टूर्नामेंट को तैयारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। टूर्नामेंट के ओवरऑल स्टैट्स ने दर्शकों को और रोमांचित कर दिया है। इस बार बल्लेबाजों और गेंदबाजों की प्रदर्शन सूची में कई रिकॉर्ड बनते दिख रहे हैं। हैरानी की बात तो ये है कि महिला प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले शीर्ष पांच खिलाड़ियों में स्मृति मंधाना का नाम नहीं है। शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा छक्के जड़े, जबकि नैट शीवर ब्रंट ने कंसिस्टेंसी दिखाते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने तीनों सीजन में कंसिस्टेंसी और आक्रामकता दिखाई। मुंबई इंडियंस की नेट शीवर ब्रंट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1027 रन बनाए हैं, जबकि स्मृति मंधाना शीर्ष-पांच में नहीं हैं। वह इस लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं।

खिलाड़ी	मैच	रन	उच्चतम स्कोर
नैट शीवर-ब्रंट	29	1027	80*
एलिस पेरी	25	972	90*
मेग लैनिंग	27	952	92
शेफाली वर्मा	27	865	84
हरमनप्रीत कौर	27	851	95*

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली खिलाड़ी

सबसे ज्यादा रन

नैट शीवर ब्रंट

सबसे ज्यादा छक्के

शेफाली वर्मा

सबसे ज्यादा अर्धशतक

मेग लैनिंग

सबसे ज्यादा विकेट

हेली मैथ्यूज

सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शेफाली वर्मा शीर्ष पर हैं। उन्होंने 49 छक्के लगाकर दर्शकों को रोमांचित किया। भारत की पावर हिटर ऋचा घोष और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी इस मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं।

खिलाड़ी मैच		छक्के	चौके
शेफाली वर्मा	27	49	93
ऋचा घोष	26	30	70
एश्ले गार्डनर	25	26	57
एलिस पेरी	25	25	109
किरण नवगिरे	25	24	44
स्मृति मंधाना	26	20	88

सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाली खिलाड़ी

स्ट्राइक रेट में शेफाली वर्मा 162.59 के साथ अव्वल हैं, जबकि नैट शीवर ब्रंट और हरमनप्रीत कौर भी शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में हैं। शेफाली ने अब तक तीन सीजन में 162.59 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, हरमनप्रीत ने 143.50 और शीवर ने 141.85 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। तेज स्ट्राइक रेट ने बल्लेबाजों को मैच में पलटवार का मौका दिया।

खिलाड़ी मैच		रन	स्ट्राइक रेट
शेफाली वर्मा	27	865	162.59
हरमनप्रीत कौर	27	851	143.50
नैट शीवर-ब्रंट	29	1027	141.85
एलिस पेरी	25	972	132.96
स्मृति मंधाना	26	646	128.68

सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाली खिलाड़ी

महिला प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की दो दिग्गज मेग लैनिंग और एलिस पेरी शीर्ष दो स्थान पर हैं। भारत की हरमनप्रीत और शेफाली शीर्ष पांच खिलाड़ियों की सूची में हैं। वहीं, स्मृति मंधाना इस लिस्ट में 11वें स्थान पर हैं।

खिलाड़ी	मैच	50
मेग लैनिंग	27	9
एलिस पेरी	25	8
हरमनप्रीत कौर	27	8
नैट शीवर-ब्रंट	29	8
शेफाली वर्मा	27	6
बेथ मूनी	18	5

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी

डब्ल्यूपीएल में अब तक सबसे ज्यादा विकेट के मामले मुंबई इंडियंस की कैरिबियाई ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीनों सीजन में गजब की स्पिन गेंदबाजी की है। हेली के नाम 41 विकेट हैं। वही, मुंबई से ही खेलने वाली न्यूजीलैंड की अमेलिया कर दूसरे स्थान पर हैं। यूपी वॉरियर्स की सोफी एक्लेस्टोन तीसरे नंबर पर हैं। भारत की ओर से शिखा पांडे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने 30 विकेट लिए हैं।

आरबीआई गवर्नर का बैंकों को संदेश

नियामकीय कार्रवाई का मकसद किसी को सजा देना नहीं, सुधार करना

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक और सहयोग भरे नजरिए की वकालत की है। शुक्रवार को मुंबई में 'कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स' के तीसरे वार्षिक वैश्विक सम्मेलन में बोलते हुए, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ किया कि नियामक की ओर से की गई कार्रवाई सबसे प्रभावी तब होती है जब बैंक और अन्य विनियमित संस्थाएं पर्यवेक्षकों को 'गलतियां निकालने वाले इंस्पेक्टर' नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखें। आरबीआई गवर्नर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय वित्तीय प्रणाली में ब ैकों की भूमिका वित्तीय मध्यस्थता और समावेशी विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। गवर्नर ने जोर देकर कहा कि भारत जैसे देश के लिए नियामक और बैंकों के बीच सहयोग वाले नजरिए की केवल जरूरत नहीं है, बल्कि यह अनिवार्य है।

कार्रवाई का उद्देश्य दंड देना नहीं, सुधार करना

आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि अक्सर केंद्रीय बैंक की ओर से की जाने वाली सख्त कार्रवाई के बारे में बाजार में आशंकाएं बनी रहती हैं। इस पर स्थिति साफ करते हुए गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक की ओर से की जाने वाली प्रवर्तन कार्रवाइयों का मकसद आमतौर पर बैंकों को सजा देना नहीं होता है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य इरादा सुधार करना होता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, इन कार्रवाइयों के दो मुख्य उद्देश्य होते हैं। पहला जिन संस्थाओं के खिलाफ कदम उठाए गए हैं, उन्हें संकेत देना और दूसरा, अन्य संस्थाओं को स्वीकार्य मानकों और नियामक की अपेक्षाओं के प्रति जागरूक करना।

पर्यवेक्षण से नीतियों में सुधार

गवर्नर के अनुसार, आरबीआई मानता है कि पर्यवेक्षण का काम केवल मौजूदा नियमों को लागू करना नहीं है, बल्कि यह नियामकीय कमी और गड़बड़ियों को पहचानकर नियमों को और बेहतर बनाने में भी मदद करता है। गवर्नर ने उदाहरण देते हुए बताया कि पिछले साल को-लैंडिंग और सोने-चांदी के आभूषणों के बदले ऋणों से जुड़े निर्देशों में किए गए संशोधन इसी प्रक्रिया का परिणाम थे।

एक ही टीम के सदस्य हैं नियामक और बैंक

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि नियामक और विनियमित संस्थाएं (जैसे बैंक, एनबीएफसी इत्यादि) विरोधी खेमे में नहीं हैं, बल्कि एक ही टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्र के विकास में भागीदार हैं। नियामक और विनियमित संस्थाओं- दोनों का उद्देश्य एक ही है। यह उद्देश्य है- लंबे समय में वित्तीय प्रणाली को विकसित करना, इसमें स्थिरता लाना, अखंडता व विश्वसनीयता सुनिश्चित करना। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि सफलता का पैमाना केवल स्थिरता तक सीमित नहीं है , बल्कि वित्तीय क्षेत्र में गतिशीलता और जीवंतता बनी रहनी जरूरी है। इसलिए, विकास और प्रणालीगत स्थिरता के बीच, जिम्मेदार नवाचार और उपभोक्ता संरक्षण के बीच सही संतुलन बनाना जरूरी है।

वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर एनएसओ के अनुमान से ज्यादा रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

नई दिल्ली,9 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान से ज्यादा मजबूत रह सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जो कि एनएसओ के पहले अग्रिम अनुमान 7.4 प्रतिशत से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के लिए बाजार का औसत अनुमान 7.5 प्रतिशत है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान 7.3 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी खर्च और मौद्रिक नीति के समर्थन, लोगों की खरीदारी की क्षमता में सुधार और रोजगार की बेहतर स्थिति के चलते उपभोग यानी खपत में बढ़ोतरी होगी, जिससे आर्थिक सुधार को और मजबूती मिलेगी। मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि निवेशकों का भरोसा बढ़ने से निजी कंपनियों का निवेश और पूंजी खर्च तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में भारत की आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार घरेलू मांग रहेगी, जबकि वैश्विक स्तर पर टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाहरी मांग पर असर बना रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना है।

ब्रोकरेज फर्म ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि लगभग 6.9 प्रतिशत रह सकती है, जबकि पहली छमाही में यह 8 प्रतिशत के करीब थी। वहीं नॉमिनल जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 के 9.7 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2026 में 8 प्रतिशत रह सकती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के अनुमानित आंकड़ों से संकेत मिलता है कि पहली छमाही की तुलना में खपत में कमी आ सकती है, जबकि पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) में वृद्धि की उम्मीद है। एचडीएफसी बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में कर संग्रह (टैक्स कलेक्शन) में तेज बढ़ोतरी हो सकती है, जिसमें कुल टैक्स उछाल वित्त वर्ष 2026 में अनुमानित 0.64 से बढ़कर 1.1 हो जाएगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि नॉमिनल जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2026 में अनुमानित 8.5 प्रतिशत की तुलना में 2027 में करीब 10.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जिसमें पूंजीगत व्यय 10.5 प्रतिशत बढ़कर 11.5 से 12 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जबकि राजस्व खर्च में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है।

इसलिए दुनिया पर गुस्सा निकाल रहें है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पता चल गई असल वजह !

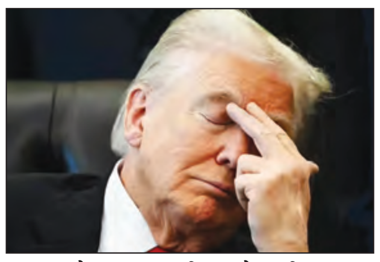

नई दिल्ली,9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से पूरी दुनिया में हड़कंप मचा हुआ है। इस कारण अमेरिका के दुनिया में अलग-थलग पड़ने की आशंका भी बढ़ने लगी है। दुनिया के कई देश अपने फॉरेक्स रिजर्व में डॉलर का हिस्सा कम कर रहे हैं और सोने का हिस्सा बढ़ा रहे हैं। इस कारण ग्लोबल फॉरेक्स रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी गिरकर 40% रह गई है जो 20 साल में सबसे कम है। पिछले 10 साल में इसमें 18% गिरावट आई है। इस दौरान सोने की हिस्सेदारी में 12% बढ़कर 28% पहुंच गई है जो 19990 के दशक की शुरुआत के बाद सबसे ज्यादा है। भारत, चीन, तुर्की, पोलैंड और कजाकस्तान समेत कई देशों के सेंट्रल बैंक पिछले कुछ सालों से जमकर सोना खरीद रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इसमें तेजी आई है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने विदेशों में जमा रूसी एसेट्स को फ्रीज कर दिया था। यही कारण है कि दुनिया के देश अब डॉलर पर अपनी निर्भरता कम कर रहे हैंऔर सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। आज ग्लोबल फॉरेक्स रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी यूरोप, येन और पाउंड की कंबाइंड हिस्सेदारी से ज्यादा है।यही कारण है कि सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी आई है। पिछले साल सोने की कीमत 65 फीसदी उछली थी जो 1979 के बाद इसकी सबसे बड़ी सालाना उछाल थी। इस दौरान यूएस डॉलर इंडेक्स में 9.4 फीसदी गिरावट आई। यह अमेरिकी करेंसी का 8 साल में सबसे खराब प्रदर्शन है। ट्रंप भी डॉलर की घटती लोकप्रियता से वाकिफ हैं।

कुछ समय पहले जब ब्रिक्स देशों ने अपनी करेंसी लाने की बात कही थी तो ट्रंप ने उन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।बढ़ते कर्ज, टैरिफ को लेकर अनिश्चितता, महंगाई की आशंका और फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना से निवेशकों के लिए डॉलर ज्यादा आकर्षक नहीं रह गया है। टैरिफ को लेकर ट्रंप की बार-बार बदलती नीति ने भी अमेरिकी करेंसी के प्रति निवेशकों के भरोसे को कमजोर किया है और अमेरिकी बॉन्ड्स को नुकसान पहुंचाया है। कुछ जानकारों का मानना है कि डॉलर का कमजोर होना ट्रंप की रणनीति के अनुकूल है क्योंकि इससे देश को फिर से महान बनाने की उनका लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

बिटकॉइन में इस साल कुछ बड़ा होने वाला है !

150% तक बढ़ सकती है कीमत, किसने की भविष्यवाणी ?

नई दिल्ली,9 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में पिछले कुछ समय में बड़ा-उतार चढ़ाव आ रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन भी इससे बची नहीं है। पिछले साल अक्टूबर में यह 1.25 लाख डॉलर को पार कर गई थी जो इसका उच्चतम स्तर है।

हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट आती गई। यह अपने उच्चतम स्तर से अभी तक करीब 28 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। वहीं अब इंडस्ट्री के बड़े अधिकारी और निवेशक कह रहे हैं कि साल 2026 तक बिटकॉइन नई ऊंचाइयों को छू सकती है।

हालांकि, इसमें बड़े उतार-चढ़ाव का खतरा भी बना रहेगा। सीएनबीसी की बिटकॉइन फोरकास्ट रिपोर्ट में कई जानकारों ने साल 2026 के लिए बिटकॉइन की कीमतों का एक बड़ा दायरा बताया है। कुछ का मानना है कि यह 75,000 डॉलर तक गिर सकती है, जबकि कुछ इसे 2,25,000 डॉलर तक पहुंचते हुए देख रहे हैं।

यानी इसमें साल 2026 में अब के मुकाबले 150% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे बिटकॉइन करीब 90,500 डॉलर पर कारोबार कर रही थी।

बिटकॉइन को लेकर बहस जारी

पिछले साल क्रिप्टो बाजार को अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए मिले थोड़े बेहतर नियामक माहौल का सहारा मिला था। साथ ही, बड़े संस्थागत निवेशकों और बैंकों जैसे पारंपरिक वित्तीय खिलाड़ियों की दिलचस्पी भी बढ़ी थी। इसी दौरान डिजिटल एसेट ट्रेजरी कंपनियों का बोलबाला रहा। ये कंपनियां बड़ी मात्रा में बिटकॉइन और अन्य डिजिटल सिक्के जमा करती हैं।

वहीं दूसरी ओर, टेक्नोलॉजी शेयरों के मूल्यांकन को लेकर बहस जारी है और यह सवाल भी है कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बूम कहीं बबल तो नहीं बन जाएगा। इन सब के बीच, साल के अंत में क्रिप्टो में बिकवाली देखने को मिली।

जब निवेशकों ने जोखिम वाली संपत्तियों का फिर से आकलन किया और क्रिप्टो धारकों ने अपने डिजिटल सिक्के बेचे, तो मजबूरन बिकवाली करनी पड़ी, जिससे यह गिरावट और बढ़ गई।

इन सब वजहों से 2026 के लिए एक मुश्किल माहौल बन गया है।ससेक्स विश्वविद्यालय की फाइनेंस की प्रोफेसर कैरोल अलेक्जेंडर का मानना है कि 2026 में बिटकॉइन 75,000 डॉलर से 1,50,000 डॉलर के बीच रहेगी। कैरोल अलेक्जेंडर की पिछले कुछ सालों में बिटकॉइन की भविष्यवाणियां काफी हद तक सही साबित हुई हैं। उन्होंने कहा था कि 2025 की गर्मियों तक बिटकॉइन लगभग 1,50,000 डॉलर के आसपास (50,000 डॉलर ऊपर या नीचे) कारोबार कर सकता है।

उनकी यह भविष्यवाणी सही निकली।क्रिप्टो केंद्रित एसेट मैनेजर कॉइनशेयर्स के रिसर्च हेड जेम्स बटरफिल को उम्मीद है कि साल 2026 में बिटकॉइन 1,20,000 डॉलर से 1,70,000 डॉलर के दायरे में रहेगा।

उनका मानना है कि साल के दूसरे हिस्से में अधिक सकारात्मक मूल्य वृद्धि की संभावना है। दिसंबर 2024 में बटरफिल ने भविष्यवाणी की थी कि बिटकॉइन 2025 में लगभग 80,000 डॉलर तक गिर सकता है, जो सच हुआ।

13 लाख करोड़ स्वाहा ! शेयर बाजार लहूलुहान

सेंसेक्स 605 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। इस क्षेत्र में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, तेल और गैस, आईटी, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम और धातु क्षेत्र मजबूत बने रहे, जबकि रियल एस्टेट, निजी बैंक, वित्तीय सेवाएं, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में कमजोरी देखी गई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में थोड़ी तेजी के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 604.72 अंक या 0.72 प्रतिशत गिरकर 83,576.24 अंक पर बंद हुआ। दिन भर में इसमें 778.68 अंक या 0.92 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83,402.28 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 193.55 अंक या 0.75 प्रतिशत गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे गिरकर 90.16 (अस्थायी) पर आ गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, अदानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा और बजाज फाइनेंस सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि अमेरिका-भारत टैरिफ वार्ता को लेकर अनिश्चितता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू बाजार में जोखिम से बचने की भावना तेज हो गई है। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ संबंधी नए बयानों के बाद वैश्विक व्यापार अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार पूरे सप्ताह लगातार दबाव में रहे।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 62.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 3,367.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,701.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-51

भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-51

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले

मास - माघ कृष्ण पक्ष शनिवार 10 January 2026

तिथि - सप्तमी 08-24 तक उपरान्त अष्टमी

नक्षत्र - हस्त 15-39 तक उप चित्रा

योग - अतिगण्ड 16-58 तक उप. सुकर्मा

करण - बव. 08-24 तक उप. बालव

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	धनु	मे	धनु.....	05-04 बजे
चंद्र	कन्या	मे	मकर...	07-10 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	09-01 बजे
बुध	धनु	मे	मीन....	10-38 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	12-14 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष....	13-59 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	16-00 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	18-12 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	20-24 बजे
			कन्या--	22-31 बजे
			तुला---	00-36 बजे
			वृश्चिक..	02-46 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-37 11-00

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-52 - 08-13	अशुभ	लाभ	17-54 - 19-34	शुभ
शुभ	08-13 - 09-37	शुभ	उत्पात	19-34 - 21-11	अशुभ
रोग।।	09-37 - 11-00	अशुभ	शुभ	21-11 - 22-47	शुभ
उत्पात	11-00 - 12-24	अशुभ	अमृत	22-47 - 00-24	शुभ
चंचल	12-24 - 13-47	शुभ	चंचल	00-24 - 02-00	शुभ
लाभ	13-47 - 15-11	शुभ	रोग	02-00 - 03-37	अशुभ
अमृत	15-11 - 16-34	शुभ	काल	03-37 - 05-14	अशुभ
काल	16-34 - 17-54	अशुभ	लाभ	05-14 - 06-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी ।आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें ।आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है ।आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है ।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चांदी एक दिन में 6,982 महंगी हुई, 2.43 लाख पहुंची : सोने के दाम में 1,349 की तेजी, 1.37 लाख पार हुआ

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज (9 जनवरी) तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,349 रुपए बढ़कर 1,37,122 रुपए पहुंच गया है। कल यह 1,35,773 रुपए/10g पर था।वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6,982 रुपए बढ़कर 2,42,808 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,35,826 रुपए किलो थी। इससे पहले 29 दिसंबर 2025 को सोने की कीमत 1,38,161 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर थी। वहीं, चांदी की कीमत 7 जनवरी को 2,48,000 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गई थी, जो इसके भाव का अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं ?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

'एविएशन में मजबूत खिलाड़ी चाहिए'

पटेल बोले- सिर्फ लाइसेंस लेने वालों से नहीं बनेगी बात

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और वरिष्ठ एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने विमानन क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। एक साक्षात्कार में पटेल ने कहा कि विमानन क्षेत्र कोई आसान व्यवसाय नहीं है और इसमें केवल 'फ्लाई-बाय-नाइट' (थोड़े समय के) संचालकों के बजाय बड़े और आर्थिक रूप से सक्षम खिलाड़ियों की इंट्री की जरूरत है। प्रफुल्ल पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक उड्डयन एक बेहद जटिल और 'कैपिटल-इंटेंसिव' (पूंजी-प्रधान) व्यवसाय है। उन्होंने कहा, भारत में नई एयरलाइंस के आने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन यह एक कठिन व्यवसाय है जिसमें नकदी के भारी प्रवाह की जरूरत होती है। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री ने आगाह किया कि हाल ही में कुछ नई एयरलाइंस को लाइसेंस दिए गए हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बाजार में बने रहेंगे, इसे लेकर संभावना कम दिखाई देती है। पटेल के अनुसार, देश को विमानन क्षेत्र में 'टाटा' जैसे बड़े नामों की जरूरत है, जो एयर इंडिया के माध्यम से इस क्षेत्र में अपनी मजबूती साबित कर रहे हैं। उन्होंने जेट एयरवेज, किंगफिशर और गो एयर जैसी एयरलाइनों का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि कैसे आर्थिक तंगी के कारण ये दिग्गज कंपनियां धराशायी हो गईं।देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में हाल ही में हुई उड़ान कैंसिल होने की घटनाओं पर भी पटेल ने अपनी राय रखी। उन्होंने इंडिगो को एक आर्थिक रूप से बेहद मजबूत और महत्वपूर्ण एयरलाइन बताया, लेकिन प्रबंधन के स्तर पर सुधार की गुंजाइश भी गिनाई।पटेल ने कहा, इंडिगो एक मजबूत एयरलाइन है, लेकिन मेरी इच्छा है कि उन्होंने उड़ान रद्दीकरण के मुद्दे को बेहतर तरीके से संभाला होता।

'रियल एस्टेट से जुड़ी पॉलिसी सुधरे, होम लोन की लागत घटे'

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बजट 2026 में सरकार को रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़ी पॉलिसी पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे आवास की मांग को पुनर्जीवित करने और रुके हुए प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उद्योग का कहना है कि बढ़ती हुई जमीनों की कीमतों के साथ ही निर्माण लागत की वजह से महानगरों में आवासीय मांग प्रभावित हो रही है। नारेडको महाराष्ट्र की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और नाहर ग्रुप की वाइस चेयरपर्सन मंजू याज्ञिक ने कहा रियल एस्टेट सेक्टर को बजट 2026 में ऐसे ठोस उपायों की उम्मींद है, जो घर के स्वामित्व को सार्थक रूप से बढ़ावा दे और आवासीय इकोसिस्टम को मजबूत करें। विशेष रूप से पहली बार घर खरीदने वाले और मध्यम आय वर्ग के खरीदार बढ़ती आवासीय कीमतों और होम लोन की लागत से लगातार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती ने आवासीय बाजार के लिए सकरात्मक संकेत दिया है और किफायती आवास बाजार की धारणा में सुधार भी हुआ है। ऐसे में बजट के जरिए जरूरी वित्तीय समर्थन देकर इस गति को बढ़ाया जा सकता है। याज्ञिक का कहना है, इस बजट से एक प्रमुख अपेक्षा होम लोन की प्रभावी लागत को कम करने पर नए सिरे से ध्यान देने की है। साथ ही बढ़ी हुई ब्याज सब्सिडी, लंबे ओर अधिक लचीले लोन टेन्योर और पहली बार घर खरीदने वालों को प्रोत्साहित करने, नीतिगत ब्याज दरों में कटौती से वास्तविक मासिक ईएमआई को राहत में बदलने में मदद कर सकते हैं। खासकर बड़े शहरों में जहां आवास की वहन क्षमता अब भी चुनौती बनी हुई है। डेवलपर्स पहली बार घर खरीदने वालों के लिए, विशेष रूप से मध्यम आय वर्ग के उन लोगों के लिए, जो वर्तमान में किफायती आवास लाभों के दायरे से बाहर हैं, मजबूत प्रोत्साहन चाहते हैं।

डेंटल कॉलेज मेस के खाने में निकला मरा मेंढक

चावल में इल्ली मिली, खराब बेसन से बन रहे थे भजिए, एक्सपायरी फूड प्रोडक्ट का इस्तेमाल

राजनांदगांव, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजनांदगांव जिले के सुंदरा स्थित छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज के मेस में छात्रों को परोसे गए खाने में मेंढक मिलने का मामला सामने आया है। घटना 7 जनवरी की है। रात के समय स्टूडेंट मेस में डिनर करने पहुंचे थे, तभी एक स्टूडेंट के खाने की थाली से मरा हुआ मेंढक निकला।

मामला लालबाग ग्रामीण थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि मूंग की दाल में मेंढक पूरा पक गया था। शिकायत के बाद फूड एवं सेफ्टी विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि थाली में परोसे गए चावल में इल्ली-कीड़ा भी मरा पड़ा था, मेस में साफ सफाई की कमी थी और ज्यादातर अनाज एक्सपायरी डेट का इस्तेमाल हो रहा था।

छात्रों की शिकायत के बाद फूड एवं सेफ्टी विभाग ने मेस का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान मेस में कई एक्सपायरी खाद्य सामग्री भी पाई गई। विभाग ने स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों में गंभीर खामियां पाए जाने पर मेस का संचालन करने वाली संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई छात्रों के स्वास्थ्य के साथ संभावित खिलवाड़ को देखते हुए की गई है।

छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज के डीन डॉक्टर एसके नंदा ने बताया कि मेस में परोसे गए भोजन में मृत मेंढक मिलने की शिकायत की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि संस्था को समय-समय पर साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखने की हिदायत दी जाती है। हालांकि, उन्होंने एक्सपायरी खाद्य पदार्थ मिलने की जानकारी से इनकार किया।

कॉलेज में अलग-अलग राज्यों से आए विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं, जो खाने के लिए पूरी तरह मेस पर निर्भर रहते हैं। ये मामला सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य से खिलवाड़ को लेकर सवाल उठ रहे है।

छात्रों ने कहा है कि दूषित भोजन और उसमें मृत जीव मिलने से फूड पॉइजनिंग और बैक्टीरियल इन्फेक्शन जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इस संबंध में जिला खाद्य अधिकारी तरुण बिरला ने बताया की डेंटल कॉलेज के भोजन में मेंढक पाए जाने की शिकायत पर जांच टीम पहुंची थी वहां से खाद्य पदार्थों का सैंपल लिया गया है कुछ कमियों को लेकर नोटिस भी जारी किया गया है। एक्सपायरी खाद्य पदार्थ जब्त नहीं की गई है।

पति-पत्नी की मौत दम घुटने की आशंका

बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे दोनों, सुबह कमरे में मिली दंपती की लाश

हजारीबाग, 9 जनवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग में कमरे में गुरुवार की देर रात सोने के दौरान एक दंपती की मौत हो गई। पति-पत्नी ने कमरे में अंगीठी जला रखी थी। आशंका जाहिर किया जा रहा है कि दोनों की मौत दम घुटने से हुई है। घटना कटकमदाग प्रखंड के बानादाग गांव की है। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय गंगा प्रसाद और उनकी पत्नी 50 वर्षीय रेणु देवी के रूप में हुई है। परिजनों को शुक्रवार की सुबह घटना की जानकारी मिली। परिजनों के अनुसार, दंपती ने ठंड से बचने के लिए रात में अपने कमरे में कोयले की अंगीठी जलाई थी। रात भर अंगीठी जलती रही और कमरा बंद होने के कारण अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैल गई। इसी गैस के कारण दम घुटने से दोनों की मौत की आशंका जाहिर की जा रही है।

झारखंड नगर निकाय चुनाव 2026

मेयर और अध्यक्ष पदों की आरक्षण सूची जारी, अब शुरू होगी चुनावी जंग

रांची, 9 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में नगर निकाय चुनाव–2026 को लेकर लंबे समय से बना सस्पेंस खत्म हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 9 नगर निगमों के मेयर, 19 नगर परिषदों और 20 नगर पंचायतों के अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण सूची जारी कर दी गई है। इसके साथ ही विभिन्न निकायों में चुनावी तैयारियों को औपचारिक रूप से गति मिल गई है।

झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग ने यह अधिसूचना 8 जनवरी 2026 को जारी की गई, जिसे 9 जनवरी 2026 को झारखंड गजट (असाधारण अंक) में प्रकाशित किया गया। अधिसूचना के अनुसार, झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 27 एवं झारखंड नगरपालिका निर्वाचन एवं चुनाव याचिका नियमावली 2012 के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य के विभिन्न नगर निकायों में अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण तय किया गया है।

झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आरक्षण सूची के अनुसार धनबाद और चास नगर निगम का मेयर पद सामान्य श्रेणी के लिए रखा गया है। वहीं राजधानी रांची नगर निगम का मेयर पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इस निर्णय के बाद संभावित प्रत्याशियों की रणनीतियां भी बदलने लगी हैं।

झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य की 20 नगर परिषद के अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया है। इनमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग और अनारक्षित श्रेणियों के साथ महिला आरक्षण भी शामिल है।

गिरिडीह, गढ़वा, दुमका, जामताड़ा, साहेबगंज, पूर्वी सिंहभूम सहित कई जिलों की नगर पंचायतों में महिला आरक्षित अध्यक्ष पद निर्धारित किए गए हैं। वहीं खूंटी, लातेहार, गोड्डा, रांची जैसे आदिवासी बहुल जिलों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण दिया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि इस अधिसूचना के जारी होने से नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया को गति मिलेगी और राजनीतिक दलों के साथ-साथ संभावित उम्मीदवारों को अपनी तैयारी का स्पष्ट अवसर मिलेगा।

दंतैल हाथी को रेस्क्यू टीम और ग्रामीणों ने घेरा तो दो और लोगों को कुचला

8 दिनों में 19 की मौत

चाईबासा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में शुक्रवार सुबह एक आक्रामक हाथी के हमले में एक नाबालिग सहित दो और लोगों की मौत हो गई। जगन्नाथपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राफेल मुर्मू ने बताया कि पुलिस और वन अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद हाथी ओडिशा सीमा के पास मझगांव पुलिस थाना क्षेत्र के तिलोकुट्टी गांव में ही रुका रहा।

एक नाबालिग समेत दो की मौत

उन्होंने बताया कि हाथी के हमले में मारे गए लोगों की पहचान बेनीसागर गांव के 40 वर्षीय प्रकाश मालवा और एक नाबालिग लड़के के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया है। राफेल मुर्मू ने बताया कि हाथी को बार-बार भगाने की कोशिश करने के बावजूद वह गांव से बाहर नहीं निकल रहा था। उन्होंने कहा कि इलाके में हाथी की मौजूदगी के कारण शवों को तुरंत बरामद नहीं किया जा सका, इसलिए अतिरिक्त बल बुलाया गया है।

एसडीपीओ ने कहा कि वो मौके पर पहुंचने के बाद ही और विस्तृत जानकारी दे पाएंगे। फिलहाल हाथी उसी स्थान पर रुका हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले पखवाड़े में जिले के गोइलकेरा और कोल्हान वन क्षेत्रों में जंगली हाथी के हमलों में करीब 19 लोग मारे गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और एक शव को अपने कब्जे में लिया।

हालांकि हाथी के गांव के आसपास सक्रिय रहने के कारण दूसरे शव को निकालने और राहत कार्य में भारी कठिनाई हो रही थी। वन विभाग की टीम के मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी गई। पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग दहशत में हैं।

हाईवा-कार की टक्कर, 2 की मौत

बिलासपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार कार मुरुम लोड हाईवा से टकरा गई। हादसे में कार सवार युवक-युवती की मौत हो गई। वहीं 2 युवक गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि अचानक ब्रेक लगाने की वजह से कार बेकाबू हो गई। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान हिमांशु राठौर (22) और अंशु चंद्रा (21) के रूप में की गई है। दोनों जांजगीर-चांपा जिले के रहने वाले थे। शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें गाड़ी फिल्मी स्टाइल में यू-टर्न होकर हाईवा से टकराकर आगे बढ़ती नजर आ रही है।

दरअसल, शराब पार्टी के बाद जांजगीर के रहने वाले हिमांशु राठौर, अंशु चंद्रा, आनंद चंद्रा और नीरज दुबे कोरबा पासिंग कार (12 AU 0995) से घूमने के लिए निकले थे। रात साढ़े 11 बजे उनकी कार नूतन चौक के पास पहुंची थी। कार काफी तेज रफ्तार में थी।

इस दौरान कार चला रहे युवक ने अचानक ब्रेक लगाई, जिससे कार बेकाबू होकर घूम गई। मुरुम लोड हाईवा के सामने आ गई। इससे हाईवा और कार में जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं ड्राइवर सीट के बगल में बैठी युवती अंशु चंद्रा कार के डेशबोर्ड से टकराई और चिपक गई। वहीं कार चला रहा युवक को भी गंभीर चोटें आईं। इससे अंशु चंद्रा और हिमांशु राठौर की ऑन द स्पॉट डेथ हो गई। वहीं पीछे की सीट पर बैठे आनंद चंद्रा और नीरज दुबे गंभीर रूप से घायल हैं।

टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि कार में हिमांशु राठौर, अंशु चंद्रा, आनंद चंद्रा और नीरज दुबे फंसे हुए थे। शरीर के हर हिस्से में चोट के निशान हैं। स्थानीय लोगों की मदद से 2 लाश और घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हाईवा ड्राइवर और कार सवार युवक-युवती को भीड़ ने घेर लिया। नूतन चौक के बीच लोगों की भीड़ जमा होने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजने के बाद चौक से भीड़ को हटाया। इसके बाद ट्रैफिक क्लियर हुआ।

बिलासपुर सिटी एएसपी पंकज पटेल ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घायलों की हालत नाजुक है। पुलिस ने हाईवा और कार को जब्त कर लिया है। हादसे को लेकर हाईवा ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। दोनों की गलती सामने आई है। दोनों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

धनबाद रिंग रोड घोटाले में 17 गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने की कार्रवाई भू-अर्जन में मुआवजे के हेरफेर का मामला

धनबाद, 9 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने धनबाद रिंग रोड घोटाले और भू-अर्जन में मुआवजे के हेरफेर में बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड के पांच जिलों में एक साथ छापेमारी कर 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई धनबाद, रांची, दुमका, गिरिडीह और देवघर में एसीबी की 10 टीमों द्वारा की गई, जो गुरुवार रात से शुक्रवार की सुबह तक चली। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में भू-राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारी और मुआवजा वितरण में संलिप्त बिचौलिये शामिल हैं।

यह मामला समाजसेवी रमेश राही की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उस समय भू-अर्जन घोटाले में कुल 34 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि सरकारी भूमि अधिग्रहण के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए भूमि से संबंधित अभिलेखों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। एसीबी सूत्रों के अनुसार, मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

समाजसेवी रमेश रही ने इस मामले को वर्ष 2013 में ही उठाया था, जबकि इस प्रकरण में एफआईआर वर्ष 2016 में दर्ज की गई। रिंग रोड का निर्माण जनता की सुविधा के लिए किया गया था, लेकिन उसके लिए जिन जमीनों का अधिग्रहण हुआ, उनके बदले दी जाने वाली मुआवजा राशि में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया।

9 महीने की प्रेग्नेंट टीचर को थप्पड़ मारने का आरोप

बलरामपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले में 9 महीने की प्रेग्नेंट टीचर ने स्कूल के प्रिंसिपल पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता अनिगा लकड़ा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि ज्यादा ठंड पड़ने के कारण जिला प्रशासन ने स्कूल में बच्चों को छुट्टी दे दी थी, अनिता ने भी 6 जनवरी को ऑनलाइन अप्लाई कर एक दिन की आकस्मिक छुट्टी ली थी।

आरोप है कि प्राचार्य मंगना राम ने जानबूझकर उन्हें उपस्थिति पंजी में अनुपस्थित दर्शाया और अन्य 2 लोग जो स्कूल नहीं पहुंचे थे उन्हें उपस्थित बताया। पूछताछ करने पर प्राचार्य भड़क उठे उनके चेहरे पर थप्पड़ मारा और पेट में घूंसे भी मारे। घटना कुसमी विकासखंड स्थित बसकेपी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल की है। मामला गनेशमोड़ चौकी का है।

पीड़िता अनिगा लकड़ा, जो स्कूल में भूगोल सब्जेक्ट की व्याख्याता हैं, उसने गनेशमोड़ चौकी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, उन्होंने 6 जनवरी को ऑनलाइन माध्यम से एक दिन का आकस्मिक अवकाश लिया था, लेकिन 7 जनवरी को वे सुबह 10 बजे से पहले ही स्कूल पहुंच गई थीं।

पीड़िता का आरोप है कि प्राचार्य मंगना राम ने जानबूझकर उन्हें उपस्थिति पंजी में अनुपस्थित दर्शाया और पूछताछ करने पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। शिक्षिका ने बताया कि प्राचार्य ने अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए उनकी सेवा पुस्तिका खराब करने और जीवन बर्बाद कर देने की धमकी भी दी। शिकायत में यह भी बताया गया है कि प्राचार्य ने शिक्षिका के साथ मारपीट की, उनके चेहरे पर थप्पड़ मारे और पेट में घूंसे भी मारे। पीड़िता 9 माह की गर्भवती हैं और घटना के बाद उन्हें पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई। घटना के समय स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद था।

50 लाख कैश के साथ 4 सटोरिए पकड़ाए

कार में खिला रहे थे सट्टा, आईडी भी बेचते थे, ग्राहकों पर भी होगी कार्रवाई

रायपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने शुक्रवार को 50 लाख 35 हजार रुपए कैश के साथ 4 सटोरियों को पकड़ा है। चारों आरोपी ऑनलाइन सट्टा खिलाने और बेटिंग साइट्स की आईडी बेचने का काम करते थे। साथ ही पुलिस ने सटोरियों से जब्त बैंक खातों में करोड़ों रूपए होल्ड करा दिया है। मामला गंज थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों में खम्हारडीह निवासी रितेश गोविंदानी (32), मौदहापारा निवासी मोहम्मद अख्तर (32), डीडी नगर निवासी विक्रम राजकोरी (32) और पुरानी बस्ती निवासी सागर पिंजानी (30) शामिल हैं। पुलिस अब सट्टा खेलने वाले और आईडी खरीदने वालों की भी तलाश कर रही है।

दरअसल, रायपुर पुलिस को सूचना मिली कि 4 आरोपी कार में ऑनलाइन सट्टा खिला रहे हैं। सूचना मिलते ही शहर के सिंधु भवन पार्किंग के पास पुलिस की टीम पहुंची।

आरोपी बेटिंग साइट्स की मास्टर आईडी के जरिए ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे।

इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की। सटोरियों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपियों ने सट्टा खिलाने की बात स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि उनके पास मास्टर आईडी है। इसी से सट्टा खिला रहे थे।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि ऑनलाइन बेटिंग साइट्स की उनके पास मास्टर आईडी है। वह कई लोगों को आईडी बेच भी चुके हैं। वहीं रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देशन पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई की है। 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 50 लाख कैश समेत 80 लाख का सामान जब्त किया गया है।

धोखाधड़ी केस में जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा के जैजैपुर से कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू को 42 लाख 78 हजार रुपये की धोखाधड़ी के मामले में न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद की गई। विधायक 22 जनवरी तक रिमांड पर जेल में रहेंगे।

जांच के दौरान पुलिस ने सबूत जुटाए, जिससे आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचना से संबंधित धाराएं सही पाई गई। जांच पूरी होने के बाद, पुलिस ने 9 जनवरी को दो संदूक में कोर्ट में चार्जशीट पेश किया।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कोर्ट ने चार्जशीट स्वीकार कर बालेश्वर साहू के खिलाफ जेल वारंट जारी किया। विधायक साहू ने उसी कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन किया, लेकिन कोर्ट ने उपलब्ध गंभीर तथ्यों और सबूतों को देखते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी।

दरअसल, यह मामला परसा पाली निवासी 46 वर्षीय किसान राजकुमार शर्मा की शिकायत से जुड़ा है। राजकुमार ने आरोप लगाया था कि उनके साथ कुल 42 लाख 78 हजार रुपये की धोखाधड़ी की गई है। शिकायतकर्ता के मुताबिक विधायक और उनके सहयोगी ने उसे लोन दिलाने का आश्वासन देकर 42 लाख 78 हजार रुपए की रकम ले ली, लेकिन न तो लोन दिलाया और न ही रकम वापस की। किसान का दावा है कि उसने यह रकम विश्वास में आकर किस्तों में दी थी, लेकिन बाद में जब नहीं लोन मिला और न पैसे वापस हुए, तो उसे धोखाधड़ी का संदेह हुआ। इसके बाद किसान ने 14 अगस्त 2025 को एसपी विजय पांडे से शिकायत की।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुई जांच में विधायक बालेश्वर साहू और गौतम राठौर का नाम सामने आया। इसके बाद चांपा थाने में पुलिस ने 3 अक्टूबर 2025 को अपराध दर्ज किया।

किसान का कहना है कि 2015 से 2020 के बीच बालेश्वर साहू बम्हनीडीह सहकारी बैंक में मैनेजर के पद पर पदस्थ थे, वहीं गौतम राठौर उस समय विक्रेता के पद पर काम कर रहा था।

दोनों ने मिलकर किसान को किसान क्रेडिट कार्ड से लोन दिलाने का झांसा दिया और इस बहाने उससे 10 ब्लैंक चेक ले लिए। साथ ही एचडीएफसी बैंक में दो नए खाते भी खुलवाए।

बलरामपुर तहसील में रिश्वतखोरी का आरोप

धरने पर बैठा पीड़ित, मांगी भीख

बलरामपुर रामानुजगंज, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बलरामपुर तहसील कार्यालय में दस्तावेजों के एवज में अवैध धन मांगने का एक गंभीर मामला सामने आया है। टांगरमहरी निवासी दीपक यादव ने तहसील कार्यालय के समक्ष तख्ती लेकर धरना प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि तहसील कार्यालय में पदस्थ एक बाबू और चौकीदार ने उन्हें अधिकार अभिलेख जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए 500 की रिश्वत मांगी, जबकि इसके लिए निर्धारित सरकारी शुल्क मात्र 10 था। दीपक यादव के पास 200 ही उपलब्ध थे और वह शेष 300 के लिए राजस्व अधिकारियों से "भीख" मांगने की बात कहते हुए धरने पर बैठे थे।

प्रशासनिक जांच और धरने का घटनाक्रम

जानकारी के अनुसार, दीपक यादव ने लोक सेवा केंद्र में आवश्यक दस्तावेज के लिए आवेदन किया था और निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद वे तहसील कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि बाबू शिवनंदन पैकरा ने दस्तावेज देने के लिए 500 की अतिरिक्त मांग की। जब युवक ने रिश्वत देने से इनकार किया, तो उनका काम रोक दिया गया। भ्रष्टाचार से आहत दीपक यादव ने दोपहर करीब 12 बजे से एक घंटे तक तहसील कार्यालय के बाहर तख्ती लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। उनकी तख्ती पर लिखा था, "तहसील कार्यालय में 500 रेट फिक्स है, मेरे पास वीडियो प्रमाण भी हैं। सरकारी फीस 10 है, लेकिन काम के लिए 500 चाहिए। मेरे पास 200 हैं, बाकी 300 राजस्व अधिकारियों से भीख मांग कर देने की बात कही।" इस बीच, चौकीदार का पैसे लेते हुए एक वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद प्रशासनिक जांच शुरू की गई।

जांच प्रक्रिया और भविष्य की कार्रवाई

एसडीएम अभिषेक गुप्ता ने बताया कि इस मामले की जांच तहसीलदार के माध्यम से कराई जा रही है। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। धरने के दौरान तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचे और दीपक यादव से लिखित शिकायत लेने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद दीपक यादव ने अपना धरना समाप्त किया। इस घटना ने तहसील कार्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी शिकायत की स्थिति में वे आधिकारिक माध्यमों का उपयोग करें। आरोपित बाबू और चौकीदार की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि लोक प्रशासन में समय पर जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि नागरिकों को उनके अधिकार सुचारू रूप से मिल सकें।

निर्माणाधीन भवन का छज्जा गिरने से छात्र की मौत

बलरामपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का छज्जा गिरने से छठवीं के छात्र की मौत हो गई। मध्यान्ह भोजन के दौरान छात्र स्कूल परिसर स्थित निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन के पास पेशाब करने गया था, तभी उस पर छज्जा गिर गया। यह घटना वाड्रफनगर थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान आलोक कुमार देवांगन (12 वर्ष) के रूप में हुई है, जो शारदापुर गांव का रहने वाला था। स्कूल परिसर में आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। इस मामले में जनपद सीईओ निजामुद्दीन खान ने कहा कि छज्जा गिरने से बच्चे की मौत हुई है।

बोकारो में कड़ाके की ठंड, जनजीवन प्रभावित

जू में जानवरों के लिए विशेष इंतजाम, भालू के बाड़े में रूम हीटर की व्यवस्था

बोकारो, 9 जनवरी (एजेंसियां)। बोकारो में इन दिनों कड़ाके की ठंड और शीतलहर ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह और शाम के समय ठंडी हवाओं के कारण लोग आवश्यक कार्यों के बाद जल्द ही घरों में दुबक जा रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है और लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव व गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं।

इस भीषण ठंड के मद्देनजर बोकारो के जवाहर लाल नेहरू जैविक उद्यान में जंगली जानवरों के बचाव के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) और चिड़ियाघर प्रबंधन के सहयोग से जानवरों को ठंड से सुरक्षित रखने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

हिरण सहित अन्य जानवरों के लिए अलाव का इंतजाम

उद्यान में रह रहे चार तेंदुओं (लेपर्ड) के बाड़ों में रूम हीटर लगाए गए हैं ताकि वे ठंड से सुरक्षित रह सकें। भालू के बाड़े में भी रूम हीटर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा हिरण सहित अन्य जानवरों के लिए अलाव का इंतजाम किया गया है।

जानवरों को जमीन की ठंड से बचाने के लिए लकड़ी के पटरे बिछाए गए हैं ताकि वे सीधे ठंडी जमीन पर न बैठें। इस उद्यान में जलहस्ती, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और बंदर भी हैं, जिनके लिए भी ठंड से बचाव की समुचित व्यवस्था की गई है।

जवाहर लाल नेहरू जैविक उद्यान के पशु चिकित्सक डॉ. जी. चक्रवर्ती ने बताया कि ठंड को ध्यान में रखते हुए जानवरों के स्वास्थ्य पर विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हीटर लगाने के साथ-साथ जानवरों को उचित मात्रा में विटामिन भी दिए जा रहे हैं, ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे। इन उपायों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भीषण ठंड में भी जंगली जानवर सुरक्षित और स्वस्थ रह सकें।

अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट ने रूसी सुखोई से लेकर फ्रांस के राफेल तक सबको किया चित

वॉशिंगटन, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी हथियार कंपनी लॉकहीड मार्टिन के लिए साल 2025 शानदार साबित हुआ है। कंपनी फाइटर जेट बनाने और डिलीवर बनाने के मामले में रूस और यूरोप की अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से काफी आगे रही है। साल 2025 में लॉकहीड मार्टिन ने रिकॉर्ड 191 एफ-35 फाइटर जेट डिलीवर किए, यह संख्या उसके पिछले डिलीवरी रिकॉर्ड 142 जेट को काफी पीछे छोड़ देती है। इसका मतलब है कि कंपनी ने हर दो दिन में एक एफ-35 फाइटर जेट डिलीवर किया, जो ग्लोबल एयरोस्पेस इंडस्ट्री में एक बड़ा प्रोडक्शन माइलस्टोन है।

लॉकहीड मार्टिन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सालाना एफ-35 का प्रोडक्शन दूसरे सहयोगी फाइटर एयरक्राफ्ट की तुलना में पांच गुना ज्यादा तेज हो रहा है। लॉकहीड मार्टिन अपनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी से कितना ज्यादा आगे निकल गई है, यह आंकड़ों से साफ है। फ्रांस की डसॉल्ट ने 2025 में 26 राफेल फाइटर जेट डिलीवर किए, यह उसके 25 के टारगेट से एक ज्यादा है। इन 26 राफेल में से 15 निर्यात और 11 फ्रेंच आर्म्ड फोर्सेज के लिए थे।

रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने 2025 में सू-35 एयर सुपीरियरिटी फाइटर्स के सात बैच डिलीवर किए। कंपनी ने हर बैच में डिलीवर किए गए जेट की संख्या नहीं बताई है। रिपोर्ट के अनुसार, हर बैच में दो या तीन फाइटर जेट डिलीवर किए गए। ऐसे में साल भर में यूएसी ने रूसी एयरोस्पेस फोर्स (वीकेएस) को 14 से 21 सू-35 जेट डिलीवर किए।

यूरोफाइटर टाइफून और ग्रिपेन के सालाना प्रोडक्शन नंबर उपलब्ध नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2025 में 12 टाइफून और 17 ग्रिपेन डिलीवर किए गए। यह कहा जा सकता है कि 2025 में राफेल, टाइफून, सू-35, सू-34 और ग्रिपेन को मिलाकर जितने विमान बनाए। लॉकहीड मार्टन ने उससे कहीं ज्यादा एफ-35 बना दिए।

एफ-35 के इस असाधारण प्रोडक्शन का एक कारण यह है कि एफ-35 जॉइंट स्ट्राइक फाइटर (जेएसएफ) प्रोग्राम आठ अन्य देशों के साथ मिलकर डेवलप किया गया एक जॉइंट प्रोजेक्ट है। टेक्सास में फाइनल असेंबली से पहले एफ-35 जेट का 30 से 42 प्रतिशत हिस्सा तीन महाद्वीपों में अमेरिका के बाहर बनाया जाता है। लॉकहीड मार्टिन अब तक 1,300 से ज्यादा एफ-35 विमान डिलीवर कर चुका है। उसका 20 देशों के साथ 3,000 से अधिक विमानों का समझौता है। रिकॉर्ड उत्पादन दर के अलावा एफ-35 ने साल 2025 में कई अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इस साल एफ-35 कार्यक्रम ने एक मिलियन (10 लाख) उड़ान घंटे पूरे किए और टेक्नोलॉजी रिफ्रेश 3 (टीआर-3) को पूरा करके अपना सबसे उन्नत सॉफ्टवेयर सूट डिलीवर किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब और तुर्की को इस विमान को बेचने के अपने इरादे का संकेत दिया है। दोनों देशों ने एफ-35 खरीदने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। बीते साल डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को भी यह लड़ाकू विमान बेचने की अपनी मंशा दिखाई थी।

रूस का यूक्रेन पर 242 ड्रोन और 35 मिसाइलों से हमला

जेलेंस्की बोले- हमले में 4 की मौत, दर्जनों घायल

मास्को, 9 जनवरी (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों पर गुरुवार रात बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने 242 ड्रोन, 13 बैलिस्टिक मिसाइलें, एक ओरेशनिक मीडियम-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल और 22 क्रूज मिसाइलें दागीं। हमले के बाद कई इलाकों में बिजली और हीटिंग सप्लाई बाधित हुई है। जेलेंस्की ने कहा कि हालात सामान्य करने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है और एनर्जी स्टाफ की बैठक बुलाकर मरम्मत और संसाधनों की समीक्षा की जाएगी। हमले में यूक्रेन स्थित कतर दूतावास की एक इमारत भी ड्रोन की चपेट में आई।

पाकिस्तानी सेना को गाजा में बर्दाश्त नहीं करेंगे

इजरायल की दो-टूक, ट्रंप और मुनीर की चाल को झटका

तेल अवीव, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना के गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल (आईएसएफ) का हिस्सा बनने को लेकर काफी समय से चर्चा है। दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना के चीफ असीम मुनीर पर आईएसएफ का हिस्सा बनने के लिए डोनाल्ड ट्रंप दबाव डाल रहे हैं। गाजा में स्थिरीकरण बल की तैनाती अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता वाले सीजफायर के अगले चरण का हिस्सा है। इन सब चर्चाओं के बीच इजरायल ने साफ कहा है कि वह पाकिस्तानी आर्मी को गाजा में नहीं देखना चाहता है।

एनडीटीवी के साथ बातचीत में भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के गाजा प्लान के तहत गाजा इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स (आईएसएफ) में पाकिस्तानी सेना की भागीदारी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

अजार ने कहा कि हमारा देश पाकिस्तान सेना के गाजा फोर्स में शामिल होने से सहज नहीं है। उन्होंने हमास के साथ पाकिस्तान के रिश्ते को लेकर भी सवाल खड़ा किया। गाजा में प्रस्तावित स्टेबिलाइजेशन और रिकंस्ट्रक्शन फोर्स में सेना भेजने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान समेत कई देशों से संपर्क किया है। इन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अजार ने साफ किया कि पाकिस्तान के इसमें शामिल होने से इजरायल खुश नहीं है।

उन्होंने कहा, 'ऐसी स्थिति बनाने की कोशिश हो रही है, जिसमें हम आगे बढ़ सकें लेकिन इसके लिए हमास को खत्म करना होगा। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है।'

अजार ने कहा कि कई देशों ने पहले ही इशारा कर दिया है कि वे सेना भेजने को तैयार नहीं हैं। इन देशों का हमास से लड़ने का इरादा नहीं है। ऐसे देशों को सेना की तैनाती के लिए कहना ही मौजूदा हालात में स्टेबिलाइजेशन फोर्स का विचार बेमतलब हो जाता है। पाकिस्तानी सेना भी हमास से लड़ने का इरादा नहीं खती है।

पाकिस्तान की संभावित भूमिका पर राजदूत आजार ने कहा कि देश आम तौर पर उन्हीं के साथ सहयोग करते हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं और जिनके साथ उनके डिप्लोमैटिक संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ अभी हमारी यह स्थिति नहीं है।

पाकिस्तान को इजरायल किसी भी गाजा स्थिरीकरण सिस्टम में एक भरोसेमंद पार्टनर के रूप में नहीं देखता है।

ट्रंप को खुश करने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारी

ईरान में हिंसा पर बिफरे खामेनेई, बोले- हम झुकेंगे नहीं

तेहरान, 9 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने विरोध प्रदर्शनों के बीच राष्ट्र को संबोधित किया है। ईरान आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। इस कारण पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि, ईरान का दावा है कि इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे इजरायल और अमेरिका का हाथ है। इस पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को आड़े हाथों लिया और उनके खिलाफ और सख्ती की चेतावनी दी। खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा और उन्हें तानाशाह करार दिया। उन्होंने ट्रंप से अमेरिका को चलाने पर ध्यान देने को कहा। खामेनेई ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन को आतंकवादी हरकतें करार दिया है। उन्होंने ईरानी लोगों से इनके सामने एकता बनाए रखने की अपील की है। शुक्रवार को ईरानी सरकारी टीवी पर प्रसारित एक भाषण में, खामेनेई ने विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ चेतावनी दी। ईरानी अधिकारियों ने इन प्रदर्शनों को विदेशी दुश्मनों, मुख्य रूप से अमेरिका की साजिश बताया है।

इस पर खामेनेई ने ईरानी अधिकारियों की धमकियों को दोहराते हुए कहा है कि देश के सुरक्षाबल अशांति पर सख्ती से कार्रवाई करेंगे। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ दंगाई हैं, वे ट्रंप को खुश करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दंगाई सार्वजनिक संपत्ति पर हमला कर रहे हैं। खामेनेई ने चेतावनी दी कि तेहरान विदेशियों के लिए भाड़े के सैनिकों के रूप में काम करने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने ट्रंप पर ईरानियों के खून से हाथ रंगे होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति के हाथ 1,000 से ज्यादा ईरानियों के खून से सने हैं। खामेनेई ने कहा, सभी को पता होना चाहिए कि इस्लामिक रिपब्लिक सैकड़ों-हजारों सम्मानित लोगों के खून से सत्ता में आया है, और यह तोड़फोड़ करने वालों के सामने पीछे नहीं हटेगा।

वेनेजुएला पर अब नहीं करूंगा दूसरा हमला

ट्रंप ने अचानक क्यों बदला मन 100 बिलयिन निवेश का भी ऐलान

वॉशिंगटन, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण अमेरिकी देश से सहयोग मिलने के बाद उन्होंने वेनेजुएला पर पहले से अपेक्षित हमलों की दूसरी लहर रद्द कर दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं, और कहा कि बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला में कम से कम 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वेनेजुएला में सभी तेल टैंकर सुरक्षा कारणों से अपनी जगह पर ही रहेंगे।

ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने 3 जनवरी को वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। उन पर अमेरिका में नार्को टेररिज्म के आरोप लगाए गए हैं।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, वेनेजुएला शांति की तलाश के संकेत के रूप में बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रहा है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। अमेरिका और वेनेजुएला, विशेष रूप से अपने तेल और गैस बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के संबंध में, एक बड़े, बेहतर और अधिक आधुनिक रूप में, मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं। इस सहयोग के कारण, मैंने पहले से अपेक्षित हमलों की दूसरी लहर को रद्द कर दिया है, जिसकी अब आवश्यकता नहीं प्रतीत होती है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से सभी जहाज अपने स्थान पर ही रहेंगे। बड़ी तेल कंपनियों द्वारा कम से कम 100 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा, जिनसे मैं आज व्हाइट हाउस में मिलूंगा।

वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के प्रमुख ने गुरुवार को कहा कि देश की जेलों में बंद स्थानीय और विदेशी नागरिकों को बड़ी संख्या में रिहा किया जाएगा।

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्वेज के भाई जॉर्ज रोड्रिग्वेज ने यह नहीं बताया कि वे किसे रिहा करेंगे या कितने लोगों को रिहा किया जाएगा। साल 2024 के उथल-पुथल भरे चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिए जाने के बावजूद, वेनेजुएला की सरकार का कहना है कि वह राजनीतिक कैदियों को नहीं रखती है। अमेरिकी सरकार और देश के विपक्ष ने विपक्षी नेताओं और आलोचकों की रिहाई की मांग की है।

ट्रंप ने कहा है कि वॉशिंगटन आने वाले कई वर्षों तक वेनेजुएला पर निगरानी बनाए रख सकता है और देश के विशाल तेल भंडार से तेल निकालता रहेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका कब तक वेनेजुएला पर सीधी निगरानी रखेगा, यह समय ही बताएगा, लेकिन यह अवधि महीनों की बजाय काफी लंबी होगी। उन्होंने कहा कि हम इसे बहुत मुनाफे वाले तरीके से दोबारा खड़ा करेंगे।

ट्रम्प बोले- मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल्स का राज चल रहा

जमीनी हमले कर इन्हें खत्म करेंगे, मेक्सिको की राष्ट्रपति बोलीं- अमेरिका कहीं का मालिक नहीं

वॉशिंगटन, 9 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही जमीन पर मौजूद ड्रग कार्टेल को निशाना बनाने के लिए कार्रवाई शुरू करेगा।

ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में दावा किया कि मेक्सिको पर ड्रग कार्टेल का राज है। यह अमेरिका में हर साल 2.5 लाख से 3 लाख लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समुद्र के रास्ते से ड्रग्स की तस्करी को 97% तक रोक दिया है, इसलिए अब जमीन पर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने योजनाओं के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने ट्रम्प के बयानों का कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी के बाद कहा कि अमेरिका किसी भी क्षेत्र का मालिक नहीं है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने साफ किया कि मेक्सिको दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप को पूरी तरह खारिज करता है। ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने शीनबॉम से कई बार अमेरिकी सैनिक भेजकर कार्टेल्स को खत्म करने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया।

चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ा

निर्यात पर नए नियम लागू होने से टोक्यो की खेपों में देरी

बीजिंग, 9 जनवरी (एजेंसियां)। चीन और जापान के बीच लंबे समय से विवाद रहा है। दोनों देशों के संबंधों में इस शुक्रवार को यह तनाव और बढ़ गया। दरअसल, टोक्यों में चीन के राजदूत ने जापान की निर्यात प्रतिबंधों को हटाने की मांग को ठुकरा दिया। वहीं, जापान ने कहा कि इस आपसी विवाद की वजह से चीन भेजे जाने वाली खेपों की आपूर्ति में देरी हो रही है।

चीन ने स्पष्ट तौर पर जापान के प्रति अपनी नाराजगी जताई है और अपने सामानों के निर्यात पर नए नियम लगाए हैं। इसके अलावा, जापान पर सैन्य ताकत बढ़ाने का आरोप लगाया। हालांकि, इसी बीच चीन ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के दौरे के दौरान उनके साथ नजदीकियां बढ़ाई हैं।

उधर, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख अखबार पीपुल्स डेली ने भी जापान पर शुक्रवार को तीखा हमला किया है। उसके संपादकीय में कहा गया, नया सैन्यवाद (सेना की ताकत पर जोर देना) जापान को फिर से विनाश की ओर ले जाएगा। इतिहास एक सख्त चेतावनी देता है। लेकिन जापान का दक्षिणपंथ फिर वही पुराने तरीके दोहरा रहा है।

यह बयान ऐसे समय में आया है, जब चीन पिछले कई दिनों से जापान की कड़ी आलोचना कर रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव नवंबर में तब शुरू हुआ था, जब जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर सैन्य बल का इस्तेमाल करता है, तो जापान देने से इनकार नहीं करेगा। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और कई बार दोहरा चुका है कि जरूरत पड़ने पर वह बल प्रयोग करेगा। पिछले महीने उसने ताइवान के पास बड़े सैन्य अभ्यास भी किए थे। जापान में चीनी दूतावास ने गुरुवार रात कहा कि उसने जापान के विदेश मंत्रालय की उस मांग को खारिज कर दिया है जिसमें 'दोहरे इस्तेमाल की वस्तुओं' पर लगाए गए नए निर्यात नियम हटाने को कहा गया था। इन वस्तुओं का इस्तेमाल जापानी सेना हथियारों में कर सकती है।

चीनी राजदूत वू जियांगहाओ ने कहा कि यह कदम 'पूरी तरह वैध, उचित और कानून के अनुरूप' है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। शुक्रवार को जापानी अधिकारियों ने कहा कि वे इस पर नजर रखे हुए हैं कि जापान से भेजे जाने वाले कृषि उत्पाद, मछली और अन्य सामान समय पर चीन में पहुंच रहे हैं या नहीं।

चाबहार पोर्ट तक पहुंची ईरान के प्रदर्शन की आंच

भारत की बढ़ी टेंशन, तालिबान से लड़ रहा पाकिस्तान होगा खुश

तेहरान, 9 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी तेहरान समेत ज्यादातर बड़े शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। देश की करेंसी में गिरावट और महंगाई के मुद्दे पर शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन अब भीषण रूप लेते दिख रहे हैं। ईरान में दो हफ्ते से जारी इन प्रोटेस्ट की वजह से राजनीतिक अस्थिरता का खतरा बढ़ रहा है। इसने भारत की चिंता को भी बढ़ा दिया है। भारत की चिंता इन प्रदर्शनों का असर चाबहार पोर्ट तक पहुंचने को लेकर है। ये पोर्ट भारत के लिए ना सिर्फ आर्थिक बल्कि चीन-पाकिस्तान के मुकाबले के लिए रणनीतिक लिहाज से भी खास है।

सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ईरान में बड़े पैमाने पर हिंसा से चाबहार पोर्ट में भारत का लॉन्ग-टर्म स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट अनिश्चितता में है। ईरान में विरोध प्रदर्शनों से पैदा हुई हलचल ने दिल्ली में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट पर सुरक्षा और ऑपरेशन की निरंतरता को लेकर फिक्र पैदा की है।

इंटेलिजेंस सूत्र कहते हैं कि हड़ताल, इंटरनेट बंद और लोगों के सड़कों पर उतरने से ईरान में सप्लाई-चेन टूट रही है। ये चाबहार में कार्गो हैंडलिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में देरी कर सकती हैं। भारत ने इस पोर्ट में 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। यह पोर्ट भारत को आर्थिक गेटवे के रूप में पाकिस्तान को बायपास करके अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंच देता है।

चाबहार भारत की कनेक्ट सेंट्रल एशिया पॉलिसी के लिए जरूरी है, जिसका मकसद उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ व्यापार बढ़ाना है। चाबहार इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) में अहम कड़ी है, जो 7,200 किलोमीटर का मल्टीमॉडल शिप-रेल-रोड नेटवर्क है। यह भारत को ईरान, कैस्पियन सागर, रूस और यूरोप से जोड़ता है। आईएनएसटीसी कॉरिडोर पारंपरिक स्वेज नहर रूट की तुलना में ट्रांजिट टाइम को 40 प्रतिशत और लागत को 30 प्रतिशत कम करता है। इससे शिपिंग का समय 25-30 दिन कम हो जाता है। ईरान में कोई भी लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता इस फायदे को खत्म कर सकती है।

अलेप्पो में कुर्द लड़ाकों के साथ संघर्ष के बाद युद्धविराम

सीरिया ने किया सीजफायर का एलान

सीरिया, 9 जनवरी (एजेंसियां)। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को अलेप्पो शहर में सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच तीन दिनों से जारी संघर्ष के बाद युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा की। इस हिंसा के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़नकर विस्थापित होना पड़ा है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम शेख मकसूद, अशरफीह और बानी जैद इलाकों में सुबह 3 बजे से प्रभावी होगा। इसके साथ ही हथियारबंद समूहों को इलाका खाली करने के लिए छह घंटे का समय दिया गया है।

एसडीएफ की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

शहर छोड़ने वाले लड़ाकों को अपने निजी हल्के हथियार साथ ले जाने की अनुमति होगी। उन्हें सुरक्षा घेरे में देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में भेजा जाएगा, जो कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के नियंत्रण में है।

इस सबके बीच अलेप्पो के गवर्नर अजाम अल-गरीब ने सुरक्षा बलों के साथ विवादित इलाकों का दौरा किया। हालांकि, एसडीएफ की ओर से अभी तक इस समझौते पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अमेरिका ने किया स्वागत

सीरिया में अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने सीरियाई सरकार, एसडीएफ और स्थानीय नेताओं के संयम की सराहना की। बैरक ने कहा कि अमेरिका इस छह घंटे की समय सीमा को और बढ़ाने के लिए सभी पक्षों के साथ काम कर रहा है।

भारी तबाही और विस्थापन

मंगलवार को शुरू हुई इस लड़ाई में अब तक लगभग 1,42,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने और अस्पतालों व एंबुलेंस जैसे नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। कुर्द बलों का दावा है कि उनके इलाकों में कम से कम 12 नागरिक मारे गए, जबकि सरकारी अधिकारियों के अनुसार उनके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में नौ लोगों की जान गई।

ये झड़पें केंद्र सरकार और एसडीएफ के बीच सेना में विलय को लेकर चल रही बातचीत में आए गतिरोध के बीच हुई हैं। अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा की सरकार और एसडीएफ के बीच पिछले साल समझौता हुआ था, लेकिन इसे लागू करने पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन भी कुर्द बलों पर इस समझौते को मानने का दबाव बना रहा है।

नेतन्याहू को किडनैप कर ले अमेरिका-तुर्की

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने ट्रंप और एर्दोगन से की अपील

इस्लामाबाद, 9 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को अमेरिका और तुर्की से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करने की अपील की है। उन्होंने जियो टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को किडनैप करके कोर्ट में लाना चाहिए।

आसिफ ने आगे कहा कि तुर्की भी नेतन्याहू को अगवा कर सकता है। उन्होंने नेतन्याहू को मानवता का सबसे बड़ा अपराधी कहा। आसिफ ने नेतन्याहू के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की गिरफ्तारी वारंट का भी हवाला दिया।

नेतन्याहू को पकड़ने की अपील की

ख्वाजा आसिफ ने यह कमेंट जियो न्यूज पर लाइव टेलीकॉस्ट के दौरान कही। इस दौरान आसिफ ने कहा कि अगर अमेरिका या तुर्की नेतन्याहू को पकड़ता है तो वह उसका समर्थन करेंगे।

उन्होंने कहा, तुर्की नेतन्याहू को अगवा कर सकता है, और हम पाकिस्तानी इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले में पकड़े जाने के बाद आई है। अमेरिका ने मादुरो पर नॉर्को टेररिज्म का आरोप लगाया है।

आसिफ ने नेतन्याहू को पकड़ने के लिए बार-बार आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने भी नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई की है और देशों को न्याय के लिए ऐसा करना चाहिए।

बता दें कि आईसीसी ने नवंबर 2024 में नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। हालांकि, इजरायल ने इन वारंटों को अवैध बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निवास पर हमला कर दुनिया को चौंका दिया था।

इस दौरान अमेरिकी सेना ने न सिर्फ निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ा, बल्कि बिना किसी नुकसान के उन्हें देश से बाहर भी निकाल लिया।

मादुरो को अमेरिका लेकर जाया गया है, जहां उनको नार्को टेररिज्म के आरोपों में मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, मादुरो ने खुद को देश का राष्ट्रपति बताया है और आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उन्हें अवैध रूप से अगवा किया है।

विगत दो वर्षों में बुनियादी ढांचे में हुआ बड़ा सुधार

गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : सीएम भजनलाल

जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है।

इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख

निरोगी काया' अर्थात् स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। चिकित्सा सेवा का क्षेत्र, दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी से निभाए स्वास्थ्यकर्मी

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है। हर रोगी को संवेदनशीलता के साथ अच्छा उपचार मिले और जीवन रक्षा का उद्देश्य फलीभूत हो। यही इस क्षेत्र की महानता है। चिकित्सकों एवं इस क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को चाहिए कि वे अपने दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाए। राज्य सरकार ऐसे सेवाभावी कार्मिकों के सम्मान में कोई कमी नहीं रखेगी। लेकिन जनता के पैसे का दुरूपयोग करने वाले एवं स्वास्थ्य योजनाओं में अनियमितता करने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। साथ ही, भीलवाड़ा, धौलपुर, प्रतापगढ़, नाथद्वारा एवं बूंदी में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गई है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिले।

जोधपुर कोर्ट परिसर में वकीलों और महिला पुलिस अधिकारी के बीच तनाव

जोधपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के कोर्ट परिसर में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब एक वकील की कार से महिला पुलिस अधिकारी की गाड़ी टकरा गई। घटना के बाद आरोप है कि महिला पुलिस अधिकारी ने वकील के साथ दुर्व्यवहार किया। घटना के तुरंत बाद महिला पुलिस अधिकारी सीधे वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या-8 की अदालत परिसर में पहुंच गई। इस बीच आक्रोशित वकीलों ने अधिकारी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की, लेकिन अधिकारी ने माफी देने से इनकार कर दिया। माफी न मिलने के कारण वकीलों ने कोर्ट परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

पाकिस्तान से फेंकी गई 2.50 करोड़ की हेरोइन जब्त, पैकेट पर बना 'लायन' का निशान

बीकानेर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नशे की तस्करी रोकने के लिए खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब आधा किलो हेरोइन जब्त की है। यह हेरोइन ड्रोन के जरिए सीमा पार से फेंकी गई थी। जब्त पैकेट की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग ढाई करोड़ रुपये आंकी जा रही है। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी तस्कर को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। यह सफलता बीएसएफ बीकानेर इंटेलिजेंस की पुख्ता सूचना पर आधारित संयुक्त सर्च ऑपरेशन से मिली। पिछले कुछ दिनों से बॉर्डर एरिया में घने कोहरे का फायदा उठाकर मादक पदार्थों की तस्करी की आशंका जताई जा रही थी। इसी इनपुट पर बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने अलर्ट मोड अपनाया और कार्रवाई की योजना बनाई।

अलसुबह खाजूवाला उपखंड के चक 40 केजेडी इलाके में पुलिस और बीएसएफ की टीम ने सर्च अभियान चलाया। इस दौरान एक पैकेट में करीब 500 ग्राम हेरोइन मिली। यह कार्रवाई खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला और एसएचओ सुरेंद्र प्रजापत के नेतृत्व में की गई। फिलहाल इलाके में सर्च अभियान जारी है और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। जब्त पैकेट पर खास निशान भी पाया गया। पैकेट पर एक गोल मुहर लगी हुई है, जिसमें '111' और '2023' अंकित हैं। मुहर पर शेर (लाइयन) का चित्र बना हुआ है और 'लाइयन' लिखा है। यह निशान अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क की ओर इशारा करता है। जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। बीएसएफ के अनुसार, सीमा पर ड्रोन से तस्करी की कोशिशें बढ़ी हैं, लेकिन उनकी सतर्कता और मुस्तैदी से ऐसे मंसूबे बार-बार नाकाम हो रहे हैं।

मेडिकल उपकरण खरीद में हुआ बड़ा घोटाला

बाजार भाव से तीन गुना दाम पर खरीद से विभाग में हड़कंप

जालौर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में नियमों की अनदेखी कर सरकारी धन के दुरुपयोग का एक गंभीर मामला सामने आया है। जालोर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट सहित विभिन्न मेडिकल उपकरणों की खरीद में लाखों रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ है।

यह मामला आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों और विभागीय जांच समिति की रिपोर्ट के बाद उजागर हुआ है, जिसने खरीद प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं की पुष्टि की है। जांच में सामने आया है कि बाजार में बेहद कम कीमत पर उपलब्ध मेडिकल उपकरणों को तीन गुना तक अधिक दरों पर खरीदा गया। प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, जिसकी बाजार कीमत करीब 7 रुपये बताई गई है, उसे 25 रुपये प्रति किट की दर से खरीदा गया। इसी तरह हीमोग्लोबिन मीटर की वास्तविक कीमत लगभग 10 हजार रुपये होने के बावजूद 28 हजार रुपये में भुगतान किया गया, जबकि ग्लूकोमीटर 3,750 रुपये के बजाय 9,500 रुपये में खरीदा गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार इन खरीदों से एक विशेष फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

घोटाले का सबसे चौंकाने वाला पहलू सप्लाई और मैन्युफैक्चरिंग तिथियों में किया गया हेरफेर है। दस्तावेजों में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट की सप्लाई 31 मार्च 2025 दर्शाई गई, जबकि उन्हीं किट्स पर मैन्युफैक्चरिंग डेट मई 2025 अंकित पाई गई। मामला उजागर होने के बाद रजिस्टर में काट-छांट कर तारीख बदलने की बात भी जांच रिपोर्ट में दर्ज है, जबकि भुगतान पहले ही मार्च में कर दिया गया था। सितंबर 2025 में सौंपी गई जांच समिति की रिपोर्ट के अनुसार टेंडर प्रक्रिया में भी गंभीर खामियां पाई गईं। अनुमति केवल सीमेन एनालिसिस किट की थी लेकिन टेंडर में मलेरिया, डेंगू, एचआईवी सहित कुल 45 आइटम शामिल कर दिए गए। जिन उत्पादों के लिए फर्म के पास आवश्यक ओईएम प्रमाण पत्र नहीं थे, उनके बावजूद उसे कार्यादेश जारी कर दिया गया। इसके अलावा 3.41 लाख यूरिन स्ट्रिप की जगह केवल 2.27 लाख की आपूर्ति कर करीब 6.37 लाख रुपये का अतिरिक्त नुकसान हुआ।

जेजेएम घोटाला : कांग्रेस नेता महेश जोशी पर कसा शिकंजा

राज्यपाल ने ईडी को दी अभियोजन की मंजूरी

हाइलाइट्स

- महेश जोशी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृत
- जल जीवन मिशन से जुड़ा मामला
- पीएमएलए के तहत चलेगा केस
- ईडी ने पहले की थी गिरफ्तारी

जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन घोटाले में मुख्य आरोपीराजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री महेश जोशी की कानूनी मुश्किलें अब और बढ़ती नजर आ रही हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन स्वीकृति दे दी है। यह मामला राज्य में जल जीवन मिशन के तहत हुए कथित बड़े घोटाले से जुड़ा है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। राज्यपाल ने पीएमएलए के तहत केस की दी अनुमति

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत कार्रवाई करते हुए महेश जोशी को पहले ही गिरफ्तार किया था। अब प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के तहत उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मिलने से कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। ईडी का आरोप है कि जिस समय कथित अनियमितताएं हुईं, उस दौरान महेश जोशी जलदाय मंत्री थे और उनकी भूमिका संदिग्ध रही। पिछले साल हुई थी गिरफ्तारी, 7 महीने बाद जमानत मिली ईडी ने जल जीवन मिशन से जुड़े इस मामले में जांच के दौरान महेश जोशी को 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी का दावा है कि इस घोटाले में धन के लेनदेन और उससे जुड़े तथ्यों की गहन जांच की जा रही है। अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद अब अदालत में मामले की सुनवाई तेज होने की संभावना है। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद जोशी करीब 7 महीने बाद पिछले साल दिसंबर में जेल से बाहर आए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान महेश जोशी की ओर से पेश वकीलों ने ईडी के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया था। बचाव पक्ष का कहना था कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज मूल एफआईआर में महेश जोशी का नाम तक शामिल नहीं है। इसके बावजूद ईडी उन पर 2.01 करोड़ रुपये लेने का आरोप लगा रही है, जिसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं पेश किया गया है।

अब आगे की कार्रवाई पर नजर

राज्यपाल की ओर से अभियोजन की मंजूरी मिलने के बाद अब इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। जल जीवन मिशन से जुड़े इस कथित घोटाले में महेश जोशी की भूमिका को लेकर जांच एजेंसियों और अदालत की नजर बनी हुई है। आने वाले दिनों में यह मामला राज्य की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में और चर्चा में रहने की संभावना है।

अमेरिका की दादागिरी खत्म होगी

जगद्गुरु रामभद्राचार्य बोले-पीओके भी जल्द भारत का हिस्सा होगा

जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में कथावाचन कर रहे जगद्गुरु रामभद्राचार्य का कहना है कि जो अमेरिका आज दादागिरी कर रहा है, वह आने वाले दिनों में कुछ भी नहीं कर पाएगा। 21 वीं सदी में हिंदुत्व का वर्चस्व बुलंदी पर जाएगा और भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की दादागिरी खत्म हो जाएगी और हमारा भारत अजेय बनेगा। स्वामी रामभद्राचार्य जयपुर के नींदड़ में कथा कर रहे हैं। पहले दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कथा में शामिल हुए और हनुमान महायज्ञ में आहुतियां दी।

जल्द भारत का हिस्सा होगा पीओके

कथा के दौरान रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि 21 वीं सदी हिंदुओं की है। हिंदू जहां भी रहेंगे, उनका वर्चस्व बढ़ता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी जल्द ही भारत में शामिल होगा। यह सब हनुमान जी की कृपा से होगा। रामभद्राचार्य ने कहा कि जयपुर में जो कथावाहन हो रही है। उसका उद्देश्य विश्व कल्याण और भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी महायज्ञ में शामिल हुए और आहुतियां दी। श्रीराम कथा और महायज्ञ में शामिल होने के लिए देश विदेश से श्रद्धालु जयपुर पहुंच रहे हैं।

आरटीओ में महाभ्रष्टाचार : अवैध वसूले के लिए बना डाले कॉल सेंटर, अब एसीबी के शिकंजे में

जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में ट्रांसपोर्ट विभाग में चल रहे भ्रष्टाचार की कहानी आपको हैरान कर देगी। यहां परिवहन विभाग के अधिकारी गिरोह बनाकर वसूली का काम कर रहे हैं और वाहनों से अवैध वसूली के लिए दलालों के मार्फत कॉल सेंटर तक चला रहे हैं, जहां रिश्वत की राशि नकद के अलावा ऑनलाइन तक करने की सुविधा दी जा ही है। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने देर शाम परिवहन विभाग में फैले संगठित भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की। महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के निर्देशन में एसीबी की 12 टीमों ने अजमेर संभाग के ब्यावर, नसीराबाद, विजयनगर, केकड़ी, किशनगढ़ और अजमेर कार्यालयों से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों और दलालों के 11 ठिकानों पर आकस्मिक सर्च ऑपरेशन चलाया।

वसूली का तरीका-कोड वर्ड और कॉल सेंटर

एसीबी की जांच में सामने आया है कि परिवहन अधिकारी प्राइवेट दलालों के साथ मिलकर राजमार्गों पर चलने वाले वाहनों से 600 से 1000 रुपए तक की अवैध वसूली कर रहे थे । यह वसूली 'शेरे पंजाब' और 'जगदम्बा टी स्टॉल' जैसे होटलों और ढाबों के माध्यम से की जा रही थी । दलाल एक कॉल सेंटर की तरह व्यवस्था चला रहे थे, जहाँ पेमेंट (नकद या पेटीएम) मिलने के बाद वाहनों के नंबर संबंधित आरटीओ टीम को 'कोड वर्ड' में फॉरवर्ड किए जाते थे ताकि उन्हें बिना चेकिंग के पास किया जा सके।

निरीक्षक समेत 13 डिटेन

एसीबी की कार्यवाही में परिवहन विभाग के निरीक्षक जलसिंह एवं उनके प्राईवेट सहायक प्रदीप जोधा, दलाल विक्रम सिंह पिपरोली व संजय यादव, ढाबा संचालक बुधे सिंह महेन्द्र कुमार, सुनील कुमार तथा परिवहन विभाग के संविदा गार्ड लक्ष्मण काठात, गुलाब काठात एवं संदिग्ध रामूराम, मनोहर गांधी, बुद्विप्रकाश प्रजापत तथा कृष्णा सिंह कुल 13 व्यक्तियों को अग्रीम कार्यवाही हेतु डिटैन किया गया है, जिनसे 1,16,700 रूपये की संदिग्ध राशि, 19 मोबाईल, 4 सीसीटीवी डीवीआर, 12 संदिग्ध डायरियां जिनमें लाखों रूपये का हिसाब किताब एवं हजारों रूपयों का डीजीटल पैमेन्ट का रिकॉर्ड प्राप्त हुआ है।

राजस्थान में नहीं होगा बुलडोजर एक्शन! हाईकोर्ट की सख्ती

भजनलाल सरकार हुई तलब

जयपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फागी-दूदू सड़क मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने और सौंदर्यीकरण के मामले में नया अपडेट आया है। इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। नगरपालिका फागी की ओर से बिना नोटिस दिए पट्टे निरस्त करने और संपत्तियों को तोड़ने के आदेश के खिलाफ स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए सरकार से जवाब मांगा है।

13 जनवरी तक मांगा जवाब

हाईकोर्ट ने प्रमुख स्थानीय निकाय सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव, फागी उपखंड अधिकारी, नगर पालिका फागी के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को 13 जनवरी तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा है।

रणथंभौर से टाइगर टी-2408 को मुकुंदरा किया गया शिफ्ट

सवाईमाधोपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से एक बार फिर एक टाइगर को कोटा के मुकुंदरा टाइगर रिजर्व शिफ्ट किया गया है। आज सुबह वन विभाग की ओर से टाइगर शिफ्टिंग की कार्रवाई की गई। रणथंभौर टाइगर रिजर्व के डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश के अनुसार रणथंभौर से टाइगर टी-2408 को शिफ्ट किया गया। वन विभाग की टीम पिछले दिन से टाइगर की ट्रैकिंग कर रही थी। इसी दौरान आज सुबह रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की खंडार रेंज के लाहपुर वन क्षेत्र में टाइगर को ट्रेंकुलाइज किया गया। उसके बाद मेडिकल बोर्ड की ओर से टाइगर का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। टाइगर के स्वास्थ्य परीक्षण के बाद वन विभाग का लवाजमा वनाधिकारियों के साथ टाइगर को लेकर कोटा के मुकुंदरा टाइगर रिजर्व के लिए रवाना हुआ। वन विभाग ने यहां पिछले कुछ वर्षों में 24 बाघ बाघिनों की शिफ्टिंग की गई है। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व सरिस्का, मुकुंदरा, रामगढ़ विषधारी, करौली-धौलपुर अभयारण्य और सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क को आबाद करने के लिए बाघ भेजे गए हैं। रणथंभौर से बाघों को इन रिजर्व में ट्रांसफर करने से बाघों की संख्या और आबादी को बढ़ाने में मदद मिली है। रणथंभौर से अन्य टाइगर रिजर्व में अब तक 24 बाघ भेजे गए हैं, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है।

अब तक 24 बाघों का ट्रांसफर

अब तक रणथंभौर से 11 टाइगर सरिस्का भेजे, पांच की मौत

रणथम्भौर से अन्य टाइगर रिजर्व में टाइगर शिफ्टिंग पहली बार साल 2008 में हुई थी। यहां से बाघ विहीन हो चुके सरिस्का टाइगर रिजर्व में पहला बाघ भेजा गया था। उसके बाद साल 2009 में एक साथ पांच बाघों को रणथम्भौर से सरिस्का भेजा गया। साल 2010 में एक साथ 2 बाघ रणथम्भौर से एक बार फिर सरिस्का भेजे गए। रणथम्भौर से सरिस्का कुल 11 बाघ शिफ्ट किए गए हैं। इन बाघों में टी-1, टी-7, टी-10, टी-12, टी-18, टी-44, टी-51, टी-52, टी-75 और टी-113 व एक अन्य शामिल हैं। इनमें से पांच की मौत हो चुकी है।

मुकुंदरा में पहला टाइगर टी-91 भेजा गया

मुकुंदरा में अप्रैल 2018 में रणथम्भौर से पहला बाघ टी-91 शिफ्ट किया गया। उसके बाद 18 दिसम्बर 2018 को बाघिन टी-106 को शिफ्ट किया गया। जिसके बाद टी-98 व बाघिन टी-2301 को मुकंदरा भेजा गया। उसके बाद अब टी- 2408 मुकुंदरा भेजा गया है। रणथम्भौर से अब तक 6 बाघ भेजे जा चुके है। हालांकि बाद में मुकुंदरा के ज्यादातर बाघ या तो मर गए या गायब हो गए। रणथंभौर नेशनल पार्क से उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में 2 बाघ शिफ्ट किये गए।

घर लौटते दो भाइयों पर पलटा डंपर, हुई मौत

अजमेर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पीसांगन थाना क्षेत्र के लेसवा गांव में रात को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। पुष्कर रोड पर रात करीब पौने नौ बजे बजरी से भरा एक डंपर चलती बाइक पर पलट गया।

इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो सगे भाई इसकी चपेट में आ गए। हादसे में गोविंदगढ़ निवासी 25 वर्षीय अभिषेक सेन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 22 वर्षीय छोटा भाई आशीष सेन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिषेक सेन और आशीष सेन रोज की तरह पुष्कर में मेहनत-मजदूरी और मिस्त्री का काम करने के बाद बाइक से अपने गांव गोविंदगढ़ लौट रहे थे।

साहब को महंगा पड़ा 'एप्पल' का शौक

रिश्वत में मांगा आईफोन, रिंगटोन की जगह बजी एसीबी की हथकड़ी!

जयपुर/झालावाड़, 9 जनवरी (एजेंसियां)। रिश्वत में लाखों रुपए की नकदी लेने के केस आए दिन सामने आते रहे हैं लेकिन झालावाड़ में रिश्वत का अनोखा मामला सामने आया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता ने एक व्यक्ति से एप्पल का आईफोन 16 प्रो रिश्वत में मांगा।

आईफोन की कीमत सामान्य मोबाइल से काफी ज्यादा होती है। ऐसे में परिवादी ने एसीबी में शिकायत कर दी। एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया और अधीक्षण अभियंता विष्णु चंद गोयल को गिरफ्तार कर लिया।

डेढ लाख रुपए का आईफोन मांगा था रिश्वत में

एसीबी के डीजी गोविंद गुप्ता बताते हैं कि ट्रेप की कार्रवाई झालावाड़ चौकी के अधीन की गई। झालावाड़ में पदस्थापित एक्सईएन विष्णु चंद गोयल को एप्पल कंपनी का आईफोन रिश्वत में लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। परिवादी ने अपनी शिकायत में बताया कि उससे आईफोन 16 प्रो या 17 देने की मांग की जा रही थी। रिश्वत में देने के लिए खरीदे जाने वाले मोबाइल का बिल भी एक्सईएन विष्णु चंद गोयल के नाम का बनाना था। एसीबी के कहे अनुसार परिवाद ने 84,000 रुपए का आईफोन खरीदा और रिश्वत के रूप में एक्सईएन को दिया। रिश्वत के रूप में आईफोन लेने के बाद एसीबी की टीम ने एक्सईएन विष्णु चंद गोयल को तुरंत ट्रेप कर लिया।

बिल पास करने और परेशान नहीं करने की एवज में मांगा आईफोन

कोटा रेंज के डीआईजी आनंद शर्मा के सुपरविजन में यह ट्रेप की कार्रवाई की गई। एडिशनल एसपी प्रेरणा शेखावत ने बताया कि परिवादी की फर्म हैंडपंप रिपेयरिंग और पाइप लाइन लीकेज दुरुस्त करने का काम करती है।

काम पूरा करने के बावजूद भी पीएचईडी के अधिकारी भुगतान नहीं कर रहे थे। फर्म की ओर से प्रस्तुत किए गए लेबर के बिलों को फर्जी बताकर ब्लैक लिस्ट करने की धमकियां दी जाती थी। इस संबंध में जब एक्सईएन विष्णु चंद गोयल से मुलाकात की तो उन्होंने रिश्वत में आईफोन मांगा था।

एसीबी की एडीजी स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी के घर और दफ्तर में सर्च की कार्रवाई चल रही है।

दो नाइजीरियाई ड्रग आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) की टीम ने टोलीचौकी पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन कर दो नाइजीरियाई राष्ट्रीय ड्रग सप्लायर्स को पकड़ा और चिड़ी एज़ेह की कब्ज़े से 150 ग्राम एमडीएमए ड्रग जब्त की, जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये है। गिरफ्तार लोगों में दो नाइजीरियाई राष्ट्रीय ड्रग सप्लायर्स को पकड़ा गया है। गिरफ्तार लोगों में दिल्ली में रहने वाले मूल निवासी नाइजीरिया चिड़ी एज़ेह उर्फ नगेश्वरन और ओबासी जेम्स विक्टर शामिल है। पुलिस के अनुसार चिड़ी एज़ेह 18 मार्च 2014 को मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा पर भारत आया, जिसकी वैधता 20 मई 2014 को समाप्त हो गई। उसके पासपोर्ट और वीज़ा की अवधि समाप्त हो गई थी। हैदराबाद में एनडीपीएस केस में पहले 130 ग्राम कोकीन और 32 ग्राम एमडीएमए के साथ पकड़ा गया। जेल से रिहाई के बाद नई दिल्ली गया और नकली नाम "नगेश्वरन" से आधार, पैन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किए। चिड़ी एज़ेह ने दिल्ली में रहने वाले क्रिस नामक नाइजीरियाई मुख्य सप्लायर से कोकीन और एमडीएमए खरीदी और हैदराबाद, बेंगलुरू और एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार बीते 8 जनवरी 2026 को एच-न्यू टीम और टोलीचौकी पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन कर दोनों नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा। आरोपियों के पास से 150 ग्राम एमडीएमए, 1 मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, भारतीय यूनियन ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र, कोटक बैंक कार्ड और एक्सिस बैंक इंटरनेशनल डेबिट कार्ड बरामद किया है। चिड़ी एज़ेह अंतरराज्यीय ड्रग सप्लायर था, जो कोकीन और एमडीएमए विभिन्न पेडलर्स को सप्लाई करता था। ऑर्डर व्हाट्सएप के माध्यम से आता और या तो डिलीवरी के लिए खुद दिल्ली आता या ओबासी जेम्स विक्टर डिलीवरी करता था। टास्क फोर्स/ एच न्यू डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, हैदराबाद सिटी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि उन्होंने ड्रग्स सस्ते दाम पर मुख्य सप्लायर क्रिस से खरीदे और ऊंचे दाम पर पेडलर्स को बेचे। ओबासी जेम्स विक्टर 31 दिसंबर 2011 को टूरिस्ट वीज़ा पर भारत आया। पासपोर्ट और वीज़ा की अवधि समाप्त हो गई। पहले कपड़े का व्यवसाय, फिर "विलियम अफ्रीकी रेस्टोरेंट" नई दिल्ली में। चिड़ी के अपार्टमेंट में रहता था और ड्रग तस्करी में सहयोगी था। ओबासी जेम्स विक्टर के खिलाफ कोई लंबित मामला नहीं होने के कारण, एच-न्यू ने एफआरआरओ और नाइजीरियाई एम्बेसी की मदद से उसके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की। उसे भारत में पुनः प्रवेश से रोकने के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाएगा, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा न बने। आरोपियों को गिरफ़्तार करने वाले पुलिस टीम में एच न्यू इंस्पेक्टर जी.एस. डेनियल, एच न्यू एसआई सी. वेंकट रामुलु, डीआई टोलीचौकी जी. बालराज शामिल रहे।

मदर डेयरी अध्यक्ष के बदलाव से कांग्रेस में उभरे मतभेद

नालगोंडा, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदर डेयरी के अध्यक्ष जी मधुसूदन रेड्डी के इस्तीफे और उनके उत्तराधिकारी के रूप में प्रभाकर रेड्डी की नियुक्ति के बाद नालगोंडा जिले में कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेद उभर कर सामने आए हैं। मधुसूदन रेड्डी ने पद छोड़ने से पहले वित्तीय बाधाओं और कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों के कामकाज को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से निराश होकर उन्होंने इस्तीफा दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रभाकर रेड्डी की नियुक्ति अलैर विधायक और सरकारी सचेतक बीरला इलाइया के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से की गई है। प्रभाकर रेड्डी मुनुगोडे विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के करीबी सहयोगी माने जाते हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने आज वाटर वर्क्स और सीवरेज बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर अशोक रेड्डी आईएएस से मुलाकात की और जामबाग डिवीजन से संबंधित कामों में तेज़ी लाने का अनुरोध किया। हाल ही में जीएचएमसी एक्ट में हुए संशोधन के तहत कॉर्पोरेटर को विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं, जिसमें से 20 प्रतिशत सीवरेज के कामों पर खर्च करना है।

तेलंगाना कांग्रेस कमेटी के प्रोटोकॉल सेक्रेटरी सूरज तिवारी से बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष विनय कुमार यादव, नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव, प्रसिद्ध समाजसेवी एवं सीए मधुसूदन अग्रवाल ने हिमायत नगर, हैदराबाद में मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/1750

इसके द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के अधोलिखित खण्ड के पूर्ण खण्ड पर स्थित रेलवे लाइनों के सभी उपयोगकर्ताओं एवं परिसरों को सूचित किया जाता है कि, तत्संबंधित खण्ड या सेक्शन पर निर्धारित तिथि या इसके पश्चात् 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड., एसी ओवरहेड ट्रैक्शन वायरों को उर्जावान या एनर्जाइज किया जायेगा। अतः तत्संबंधित निर्धारित तिथि को या वही तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को सभी समय पर सक्रिय या लाइव माना जायेगा तथा उक्त ओवरहेड लाइन के परिसर में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश करने या कार्य करने की अनुमति नही होगी।

खण्ड	तिथि
सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन पर हसनपर्थी (एचएसपी) यार्ड एलओसी. 355/09 (किमी/सीएच:355/159.65) से एचएसपी बीएस--2/18 (किमी/सीएच:354/282.85) तक आयसोलेशन सहित नई प्रस्तावित बल्लास्ट साइडिंग-2 का विद्युतीकरण या इलेक्ट्रीफिकेशन करना।	12.01.2026

प्रारूप 10-2
(एसीटीएम पैरा 21020, वाल्यूम।।, भाग ।, सुधार पर्ची सं.32, दि.09-10-2020)
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी'

सर्वसाधारण जनता को अधिसूचित किया जाता है कि,दक्षिण मध्य रेलवे के एससी डिवीजन के केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शन के हसनपर्थी यार्ड में नई बल्लास्ट साइडिंग-2 पर 25केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के दृष्टिगत अत्यधिक उंचाई के भार के संपर्क में आने से तथा सक्रिय ट्रैक्शन वायर की खतरनाक परिधि में प्रवेश को रोकने हेतु सडक के उपरी स्तर पर स्पष्टतम अधिकतम उंचाई युक्त 4.78 मी. सहित सभी लेवल क्रासिंग्स पर हाइट गेजेस लगाए गये हैं।

अतः इसके द्वारा आम जन को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों या व्हीकल्स में लदान करते समय उपरोक्त निर्दिष्ट उंचाई का ध्यान रखें तथा इस पर भी ध्यान दें कि, वाहनों में लदान किया गया भार, किसी भी परिस्थिति में उक्त हाइट गेजेस का कतई उल्लंघन न करता हो।

अत्यधिक उंचाई के भार के खतरें निम्न हैः-

।) हाइट गेज का खतरा तथा रेलवे लाइन सहित सडक के लिए अवरोध।
।।) लदान की गयी सामग्री या उपकरण या संबंधित वाहन को खतरा।
।।।) अग्नि का खतरा तथा तत्संबंधित संपर्क में आने से जिंदगी का जोखिम या कण्डक्टर्स की खतरनाक परिधि में आने पर खतरा।

-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

A2217

मांझा के कारण बच्चों की मौत और गंभीर हादसों की चेतावनी

संगारेड्डी, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पतंग उड़ाने के मौसम में बिजली के तारों और पेड़ों से लटके मांझे के धागे बच्चों के लिए घातक साबित हो रहे हैं। संगारेड्डी जिले में हाल ही में एक बच्चे की मौत और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मांझा अक्सर पिसे हुए कांच और धातुओं के मिश्रण से बनाया जाता है, जिससे यह कुशल विद्युत चालक बन जाता है। नायलॉन मांझा भी गीला होने पर बिजली प्रवाहित कर सकता है। राज्य में दिसंबर और जनवरी में घना कोहरा रहता है, जिससे सुबह के समय गीले मांजे से बच्चों को गंभीर झटका लग सकता है।

ज़हीराबाद के 14 वर्षीय अप्पम नंदा किशोर एक सप्ताह पहले बिजली की लाइन से लटकते मांझा के धागे को उठाने की कोशिश में बुरी तरह जल गया। चार दिन तक अस्पताल में इलाज के बाद बुधवार को उसकी मौत हो गई। वहीं, 5 जनवरी को अंडोले मंडल के डाकुर में 6 वर्षीय अबूबकर बिजली का झटका लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी के संस्थापक प्रदीप नायर ने बताया कि ऐसी घटनाएं राज्य में कई बार हुई हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को बिजली और मांझा के खतरों के बारे में जागरूक करें और जब भी बिजली से लटके मांझा या पक्षियों को बचाना हो, संबंधित अधिकारियों से बिजली बंद करने का अनुरोध करें।

बच्चे को चाइना मांझा से गले पर चोट

जगतियाल, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेटपल्ली कस्बे के दुब्बावाड़ा में चार वर्षीय ओड्डेपु श्रीहान पतंग उड़ाते समय चाइना मांझाके धागे में फंसकर घायल हो गए। उनके गले पर चोटें आईं। परिवार ने श्रीहान को मेटपल्ली के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, बाद में उन्हें निजामाबाद के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। एसआई किरण कुमार के नेतृत्व में मेटपल्ली पुलिस उन दुकानों की तलाश कर रही है जिन्होंने नियमों का उल्लंघन करते हुए चाइना मांझा बेचा।

रश्मि पेरुमल बनीं नई पुलिस आयुक्त

कानून व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता

सिद्दिपेट, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईपीएस अधिकारी रश्मि पेरुमल ने निवर्तमान पुलिस आयुक्त एसएम विजय कुमार का स्थान लेते हुए सिद्दिपेट पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। विजय कुमार को हैदराबाद में संयुक्त आयुक्त विशेष शाखा के पद पर नियुक्त किया गया है। रश्मि पेरूमल, जो 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं, पहले डीसीपी नॉर्थ जोन के पद पर कार्यरत थीं। एडिशनल डीसीपी सी.एच. कुशालकर, एडिशनल डीसीपी (एआर) सुभाष चंद्र बोस, एसीपी, इंस्पेक्टर और अन्य अधिकारियों ने उन्हें उनके चैंबर में बधाई दी। नई कमिश्नर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता कानून व्यवस्था बनाए रखना होगी।

बैलगाड़ी और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो की मौत एक गंभीर

आसिफाबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद बाबापुर के पास बैलगाड़ी और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक टेकम पोचाय्या, आत्रम अनिल और आत्रम लच्छू तीनों मिलकर मोटरसाइकिल से दतंलपल्ली जातरा से उनके गांव अडादसनापुर जा रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही बैलगाड़ी को मोटरसाइकिल की तेज गति से टक्कर मारने से टेकम पोचाय्या और आत्रम अनिल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और आत्रम लच्छू गंभीर रूप से घायल हुआ। आत्रम लच्छू को चिकित्सा उपचार के लिए आसिफाबाद सरकारी अस्पताल लाया गया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसको

मंचिर्याल के लिए रेफर किया गया। आत्रम लच्छू का प्रथम चिकित्सा उपचार ठीक से नहीं करने के कारण उनके परिवार वालों ने अस्पताल के भीतर जाकर हंगामा किया। और उन्होंने कहा कि दुर्घटना में मरे हुए शवों को लाने के लिए सरकारी एंबुलेंस नहीं भेजी और घायल आत्रम लच्छू को भी समय अनुसार एंबुलेंस में नहीं भेजने के कारण परिवार वालों ने सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों और डॉक्टर के साथ विवाद किया। सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों ने सरकारी अस्पताल का दरवाजा बंद कर दिया और परिवार वालों ने दरवाजे को तोड़ने की भी कोशिश की। थोड़ी देर के बाद घटनास्थल पर आसिफाबाद पुलिस ने आकर मामले को सुलझाया।

सीएस ने 'सर्वे ऑफ इंडिया कॉफी टेबल बुक' और भूवैज्ञानिक संपत्ति रजिस्टर प्राप्त किया

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने शुक्रवार को सर्वे ऑफ इंडिया की प्रतिष्ठित कॉफी टेबल बुक "ए जर्नी फार्म द हिमालया टू कन्याकुमारी एंड एन्ड्री आइसलैंड बीआंड" प्राप्त की, जो संस्था की मानचित्रण और वैज्ञानिक विरासत को दर्शाती है। यह पुस्तक बी.सी. परिदा, निदेशक, एपी और तेलंगाना जियो-डेटा डिवीजन, सर्वे ऑफ इंडिया ने वरिष्ठ सर्वे अधिकारियों की उपस्थिति में प्रस्तुत की। मुख्य सचिव को तेलंगाना के भूवैज्ञानिक संपत्ति रजिस्टर और भूवैज्ञानिक संपत्ति मानचित्र पर भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि भूवैज्ञानिक संपत्तियां, जिनमें जीटीएस स्टेशन, ग्राउंड कंट्रोल पॉइंट, स्टैण्डर्ड बेंचमार्क, ग्रेविटी और मैग्नेटिक स्टेशन शामिल हैं, सटीक मानचित्रण, भूमि प्रशासन, अवसंरचना योजना और भू-स्थानिक शासन की रीढ़ हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति, 2022 के तहत जागरूकता पहल के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों ने कहा कि ऐसे संसाधन वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास के माध्यम से विकसित भारत के विज़न को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कांग्रेस शासन में तेलंगाना पतन की ओर : पूर्व मंत्री

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सूर्यापेट से बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर 'लापरवाह और बेलगाम शासन' करने का आरोप लगाया और कहा कि उसने दोबारा सत्ता में लौटने का भरोसा खो दिया है। अपने कैंप कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए बीआरएस नेता ने कहा कि कांग्रेस शासन में राज्य तेजी से पतन की ओर बढ़ रहा है।

वर्तमान सरकार की तुलना पूर्व बीआरएस सरकार से करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के 10 वर्षों के कार्यकाल में तेलंगाना में सर्वांगीण विकास हुआ, जबकि कांग्रेस के पिछले दो वर्षों के शासन ने राज्य को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मंत्री और विधायक केवल भ्रष्टाचार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और सिंचाई व पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग कह रहे हैं कि उन्हें केसीआर शासन के दौरान मिलने वाले लाभ भी अब नहीं मिल रहे हैं। सरकार के अधूरे वादों पर सवाल उठाते हुए पूर्व मंत्री ने पूछा कि पेंशन कब बढ़ाई जाएगी और लड़कियों की शादी के लिए घोषित एक लाख रुपये और एक तोला सोना कब दिया जाएगा।

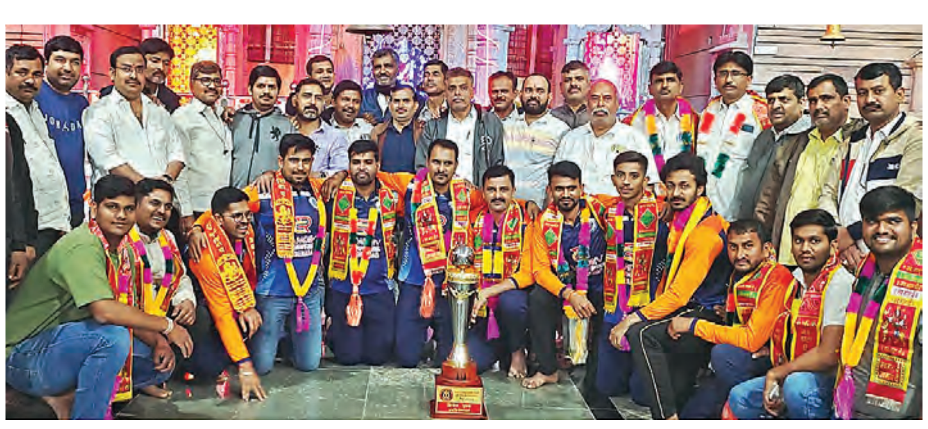

करमनघाट अलमासगुड़ा श्री आईमाताजी मंदिर स्थित मैसूर में आयोजित अ.भा.सीरवी खेल महाकुम्भ क्रिकेट प्रतियोगिता में उपविजेता रहने पर करमनघाट वॉरियर्स टीम के खिलाड़ियों का सम्मान कर उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम वरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सैंणचा, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, खेल मंत्री धनराज वरपा, सह खेल मंत्री मोतीराम सोयल, मीडिया प्रभारी गोविन्द पंवार, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, चुन्नीलाल वरपा व समाज बन्धु।

संक्रांति के दौरान रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के उपाय

पार्किंग सुविधा अस्थायी रूप से निलंबित

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के दौरान यात्रियों की संभावित बढ़ी हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई उपाय किए हैं। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 17 टिकट बुकिंग काउंटर और 20 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम) संचालित की जा रही हैं। यात्रियों को टिकटिंग सेवाओं के लिए रेलवन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेलवे ने डिजिटल भुगतान माध्यमों के जरिए रेलवन मोबाइल एप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। यह रियायत 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक लागू रहेगी और इसका उद्देश्य कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा देना तथा यात्रियों की सुविधा में वृद्धि करना है। त्योहार अवधि के दौरान सिकंदराबाद स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन लगभग 2.20 लाख यात्रियों, लिंगमपल्ली स्टेशन पर 50 हजार तथा चेर्लापल्ली स्टेशन पर 35 हजार यात्रियों की आवाजाही रहने की संभावना है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए सिकंदराबाद स्टेशन पर टीटीई और आरपीएफ कर्मियों की ग्राउंड

ऑपरेशन टीम तैनात की गई है। सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर अतिरिक्त टीटीई और आरपीएफ कर्मियों की भी तैनाती की गई है।

स्टेशनों पर कड़ी निगरानी के लिए सीसीटीवी सर्विलांस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है तथा मंडल मुख्यालय में 24/7 वार रूम संचालित किया जा रहा है। सुरक्षा के मद्देनज़र निर्माण स्थलों को पूरी तरह बैरिकेड किया गया है और यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश एवं निकास मार्गों से सभी अवरोध हटा दिए गए हैं। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों के चलते पार्किंग सुविधा अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई है, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर सीमित पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ की सुविधा उपलब्ध है। यात्रियों की तेज़ आवाजाही को सुगम बनाने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 10 की ओर भोजीगुड़ा प्रवेश द्वार पर स्थित पार्किंग एक्सेस कंट्रोल सिस्टम को अस्थायी रूप से हटाया गया है।

यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर 10 के बेसमेंट पार्किंग परिसर का उपयोग करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, 7 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक हाइटेक सिटी स्टेशन पर 16 ट्रेनों तथा चेर्लापल्ली स्टेशन पर 11 ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। लिंगमपल्ली स्टेशन पर 10 ट्रेनों को 30 अप्रैल 2026 तक अस्थायी ठहराव की सुविधा दी गई है। लिंगमपल्ली स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर सामान की जांच (बैगेज स्क्रीनिंग) की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इन स्टेशनों पर उपलब्ध अतिरिक्त ठहराव सुविधाओं का उपयोग करें और भीड़भाड़ वाले समय में स्टेशन पर पर्याप्त समय पहले पहुंचें।

सड़क हादसे में तीन की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के मिर्यालगुडा कस्बे में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। मिर्यालगुडा नगर के एडुलागुडा के पास हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक टैंकर और डीसीएम की टक्कर में यह दुर्घटना हुई, जिसमें तीन लोगों की तत्काल मौत हो गई। दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों वाहन तेज गति से आमने-सामने टकरा गए। इस घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

बीआरएस की बेरोजगार युवाओं के प्रति 'अचानक प्यार' भरोसेमंद नहीं : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी और इंडस्ट्रीज मंत्री डॉ.डी. श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को बीआरएस नेताओं की बेरोजगार युवाओं के प्रति चिंता जताने की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि पार्टी ने अपने दशकों शासन के दौरान भर्ती प्रणालाओं को प्रभावित किया।

मंत्री ने कहा कि बीआरएस शासन में परीक्षाओं की लगातार स्थगन, रद्द करना और टीएसपीएससी पेपर लीक ने लाखों उम्मीदवारों को गंभीर संकट में डाल दिया। उन्होंने ग्रुप-1 प्रीलिम्स की रद्दीकरण और कथित प्रश्नपत्र लीक को भर्ती संस्थाओं में सार्वजनिक विश्वास खोने के कारण के रूप में उद्धृत किया। श्रीधर बाबू ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने पारदर्शी भर्ती को प्राथमिकता दी है और अब तक 70 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां बिना किसी लीक के प्रक्रियाओं के माध्यम से भरी गई हैं, जिसमें कमजोर वर्गों का भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। उन्होंने बताया कि ग्रुप-1, ग्रुप-2 और ग्रुप-4 की नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं, जबकि ग्रुप-3 की नियुक्तियां जारी हैं। उन्होंने विधानसभा परिषद में किए गए अपने बयान की व्याख्या करते हुए कहा कि उन्हें राजनीतिक रूप से गलत समझा गया और लगभग 25 लाख बेरोज़गार युवाओं के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को दोहराया। मंत्री ने बताया कि सरकार तेज़ भर्ती और कौशल विकास की दोहरी रणनीति का पालन कर रही है, जिसे एक संरचित जॉब कैलेंडर द्वारा समर्थित किया गया है।

आप और हम द्वारा कुमावत समाज तेलंगाना के पुन: अध्यक्ष बनने पर सोनाराम तिलायचा का सम्मान करते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, सोहनलाल मानणिया, नारायणलाल घोडावड, धर्माराम डैय्या, सुरेशकुमार बोड़ावड एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

आतंरिक सुरक्षा मजबूत ...

इससे आतंकवाद और विद्रोही हमलों की रोकथाम में तेजी आएगी और जांच प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सकेगा। इस प्लेटफॉर्म से फोरेंसिक विश्लेषण, ट्रेनिंग मॉड्यूल और ऑपरेशन योजना में सुधार होगा। आईईडी अक्सर आतंकवादी और विद्रोही समूहों द्वारा सुरक्षा बल और आम जनता को निशाना बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। एनआईडीएमएस के जरिए टेक्नोलॉजी और डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर देश की तैयारी बढ़ाई जा सकेगी और किसी भी घटना के समय तेजी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

डेनमार्क बोला-पहले ...

यहां की विदेश और रक्षा नीति डेनमार्क देखता है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने साफ किया कि ऐसा कदम न सिर्फ नाटो के लिए, बल्कि खुद अमेरिका के हित में भी नहीं होगा। मेलोनी ने आर्कटिक क्षेत्र में नाटो की गंभीर और मजबूत मौजूदगी की वकालत की। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड सहित आर्कटिक इलाके में सुरक्षा बढ़ाना जरूरी है, ताकि बाहरी और संभावित रूप से शत्रुतापूर्ण दखल को रोका जा सके।

भारत ने अमेरिका ...

जायसवाल ने जोर देकर कहा कि भारत के फैसले ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों और बाजार की हकीकत से प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा, ऊर्जा स्रोतों के बड़े सवाल पर हमारा रुख अच्छी तरह से जाना जाता है। इस प्रयास में हम वैश्विक बाजार की बदलती गतिशीलता और ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों के जरिये अपने 1.4 अरब लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा सुरक्षित करने की अनिवार्यता से निर्देशित होते हैं।

विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब कुछ दिन पहले अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विदलीय रूस प्रतिबंध बिल (बाइपार्टिशन रशिया सैंक्शन्स बिल) को हरी झंडी दे दी है। इस बिल का मकसद भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों पर रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए दबाव बनाना है। ग्राहम ने कहा था कि यह बिल उन देशों को दंडित करेगा जो पुतिन की युद्ध मशीन को बढ़ावा दे रहे हैं।

बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ग्राहम ने कहा था कि यह कदम यूक्रेन के लिए चल रही शांति वार्ता के बीच आया है। उन्होंने संकेत दिया था कि यह बिल अगले हफ्ते द्विदलीय मतदान के लिए जाएगा। ग्राहम ने लिखा था, आज राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर एक बहुत ही उत्पादक बैठक के बाद उन्होंने द्विदलीय रूस प्रतिबंध बिल को हरी झंडी दे दी है जिस पर मैं महीनों से सीनेटर ब्लूमथल और कई अन्य लोगों के साथ काम कर रहा हूं। यह समय पर होगा क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है और पुतिन केवल बातें कर रहे हैं और निर्दोषों को मार रहे हैं। यह बिल राष्ट्रपति ट्रंप को उन देशों को दंडित करने की अनुमति देगा जो सस्ते रूसी तेल खरीदते हैं जो पुतिन की युद्ध मशीन को बढ़ावा दे रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी

> 3 महीने बाद वापसी के लिए तैयार ये धाकड़ बल्लेबाज

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलने वाली है। इस सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर की बतौर उपकप्तान भारतीय टीम में वापसी हुई है। हालांकि उनका इस सीरीज में खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता था। लेकिन अब भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है।

श्रेयस अय्यर को फिट घोषित किया

श्रेयस अय्यर, जो चोट के कारण लंबे समय से टीम से बाहर थे अब न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह फिट घोषित कर दिए गए हैं। अय्यर को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए गंभीर चोट लगी थी जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। यह जानकारी बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से आई है, जहां के मेडिकल स्टाफ ने अय्यर को मैच के लिए फिट करार दिया है।

ऑस्ट्रेलिया में लगी थी चोट

श्रेयस अय्यर को पिछले साल अक्टूबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। एलेक्स कैरी का कैच लपकने की कोशिश में उनके सीने पर गंभीर चोट आई थी। सिडनी के एक अस्पताल में हुई जांच में अंदरूनी रक्तस्राव का पता चला था। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था और गहन चिकित्सा की जरूरत पड़ी थी। डॉक्टरों ने रक्तस्राव को रोकने के लिए एक छोटी सी सर्जरी की थी। ऑस्ट्रेलिया और भारत के डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में उनका इलाज चला। भारतीय टीम के डॉक्टर भी उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहे थे। धीरे-धीरे उनकी हालत में सुधार हुआ और वह भारत लौट आए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अय्यर को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, उनकी भागीदारी बेंगलुरु के सीओई से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर ही निर्भर थी। अब 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के अनुसार अय्यर को सीरीज खेलने की अनुमति मिल गई है।

घरेलू क्रिकेट में किया कमाल

घरेलू क्रिकेट में वापसी करते हुए अय्यर ने मुंबई की कप्तानी की थी। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के खिलाफ खेले गए दो मैचों में उन्होंने क्रमशः 82 और 45 रन बनाए थे। यह उनके फॉर्म में लौटने का संकेत है। इस सीरीज में अय्यर के अलावा, अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा भी खेलते हुए नजर आएंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

आईपीएल के बाद एसए20 दुनिया की दूसरी श्रेष्ठ लीग है : रॉबिन उथप्पा

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दुनिया की श्रेष्ठ टी20 लीग माना जाता है, लेकिन दुनिया की दूसरी श्रेष्ठ लीग कौन है, इसको लेकर चर्चाएं चलती रहती हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और लंबे समय तक आईपीएल में अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहे रॉबिन उथप्पा ने एसए20 को दुनिया की दूसरी श्रेष्ठ टी20 लीग माना है। एसए20 लीग में कमेंट्री पैनल का हिस्सा रॉबिन उथप्पा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मुझे यह टूर्नामेंट बहुत पसंद है। माहौल और क्रिकेट की क्वालिटी के मामले में मुझे लगता है कि यह आईपीएल के बाद दुनिया की दूसरी श्रेष्ठ लीग है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी जिस तरह से वे वैश्विक टूर्नामेंट में खेल रहे हैं और हाल ही में जिस तरह से उन्होंने भारत में प्रदर्शन किया है, आप बहुत सारा टैलेंट सामने आते हुए देखेंगे। उथप्पा ने कहा कि हमें साउथ अफ्रीका टी20 लीग को थोड़ा और समय देना चाहिए। समय के साथ हम देखेंगे कि ये लीग और बेहतर होगी। आईपीएल को भी मौजूदा स्तर तक पहुंचने में समय लगा था। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में इस लीग की क्वालिटी और भी बेहतर होगी।

टी20 लीगों की बढ़ती संख्या की वजह से दर्शकों का मैचों के प्रति रुझान कम होने के मुद्दे पर उथप्पा ने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेट की क्वालिटी मायने रखती है।

लोग दुनिया में कहीं भी हाई-क्वालिटी क्रिकेट देखना चाहते हैं। इसलिए लीग की बढ़ती संख्या से दर्शकों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्रिकेट का स्तर ऊंचा होना चाहिए। लोग अच्छे टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। रॉबिन उथप्पा एक बेहतरीन विस्फोटक बल्लेबाज रहे हैं। 2007 में दक्षिण अफ्रीका में पहला टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे उथप्पा का अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर लंबा नहीं रहा था, लेकिन आईपीएल करियर बेहद आकर्षक रहा था। वह मुंबई इंडियंस, आरसीबी, पुणे वॉरियर्स, केकेआर और सीएसके का हिस्सा रहे हैं। 205 आईपीएल मैचों में 27 अर्धशतकों की मदद से उन्होंने 4,952 रन बनाए थे।

फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

ब्राजील टूर्नामेंट से पहले खेलेगा दो मैत्री मैच

जिनेवा, 9 जनवरी (एजेंसियां)। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं।

फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा, 'इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के 'आर्काइव' फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका भी मिलेगा।' फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया। इससे पहले 2022 कतर विश्व कप में 'यूट्यूब' का एक सीमित प्रायोजन समझौता हुआ था जिसमें क्रिएटर्स को विशेष अनुमति मिली थी। ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी। प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और फिर पांच दिन बाद फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में क्रोएशिया से दोस्ताना मैच खेलेगी।

ट्रेविस हेड और स्कॉट बोलैंड बीबीएल नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में इंग्लैंड को एशेज सीरीज में 4-1 से रौंदने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रमुख खिलाड़ी देश में चल रही बिग बैश लीग (बीबीएल) में हिस्सा लेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि ट्रेविस हेड और स्कॉट बोलैंड बीबीएल में नहीं खेलेंगे। हेड 629 रन बनाकर सीरीज के श्रेष्ठ स्कोरर रहे, जबकि बोलैंड ने 159.5 ओवर की गेंदबाजी की थी और 20 विकेट लिए थे। दोनों खुद को बीबीएल से दूर रखेंगे। बिग बैश लीग में लौटने वाले खिलाड़ियों में एलेक्स कैरी (एडिलेड स्ट्राइकर्स), ब्रेंडन डॉगेट (मेलबर्न रेनेगेड्स), जोश इंग्लिस (पर्थ स्कॉर्चर्स), उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन (ब्रिस्बेन हीट), टॉड मर्फी और स्टीव स्मिथ (सिडनी सिक्सर्स), जेक वेदराल्ड और ब्यू वेबस्टर (होबार्ट हरिकेंस) का नाम शामिल है।

एलिना स्वितोलिना ऑकलैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं

> क्वार्टर फाइनल में सोने कार्टल को दी मात

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने शुक्रवार को सोने कार्टल को तीन सेट में हराकर ऑकलैंड में चल रहे डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न में 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारियों के लिए आयोजित इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में अब स्वितोलिना की भिड़ंत शनिवार को अमेरिका की इवा जोविच से होगी।

विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज स्वितोलिना तीसरे सेट में 5–3 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 6–4, 6–7 (2), 7–6 (5) से जीत दर्ज की।

मुंबई मैराथन में 60,000 से ज्यादा धावक भाग लेंगे

मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का आयोजन18 जनवरी को होगा जिसमें भाग लेने के लिए 60,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल (ऑनलाइन) रन में भाग लेंगे।

पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है।

तैयारी में जुटी अंतिम पंघाल

भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल आगामी प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) के लिए तैयारियों में जुटी हैं और उनके फोन पर हर दिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी के मैच चल रहे हैं ताकि उन्हें रणनीति बनाने में मदद मिले। अंतिम का पीडब्ल्यूएल में जापानी पहलवान से भिड़ना तय है जिन्हें दुनिया की सबसे दमदार पहलवान माना जाता है।

अंतिम ने कहा, वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पहलवान हैं। उनके पास मुझसे ज्यादा अनुभव है लेकिन वह 50 किग्रा वर्ग की हैं और मैं 53 किग्रा वर्ग की हूं। मैं उनसे छोटी हूं। इसलिए मैं उनके मुकाबले बहुत ध्यान से देख रही हूं कि वह कैसे खेलती हैं, कैसे बचाव करती हैं, किस तरह की गलतियां नहीं करती।

बांग्लादेश क्रिकेट खिलाड़ियों को होगा बड़ा नुकसान-भारत की कंपनी स्पांसरशिप वापस लेगी

ढाका, 9 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को एक और बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत की बड़ी स्पोर्ट्स प्रसाधन बनाने वाली कंपनी 'एसजी' ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच बांग्लादेशी क्रिकेटरों के साथ अपना अनुबंध समाप्त करने का फैसला लिया है। एसजी बांग्लादेश शीर्ष खिलाड़ियों कप्तान लिटन दास, यासिर रब्बी और मोमिनुल हक को स्पांसर करती है। खिलाड़ियों को अनुबंध का नवीनीकरण न करने के बारे में आधिकारिक तौर पर नहीं बताया गया है, लेकिन उनके एजेंट्स को इस बारे में बता दिया गया है।

टेलिकॉम एशिया नेट के हवाले से एक बांग्लादेशी क्रिकेटर के हवाले से कहा, ऐसा लगता है कि आने वाले दिनों में ऐसा होने की संभावना है। एसजी द्वारा अनुबंध रिन्यू न किए जाने से बांग्लादेश स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को नुकसान हो सकता है। आने वाले समय में दूसरी कंपनियां भी ये कदम उठा सकती हैं। प्लेयर स्पॉन्सरशिप से जुड़े एक सूत्र ने टेलिकॉम एशिया नेट को बताया, मुझे लगता है कि दूसरी कंपनियां भी हमारे क्रिकेटरों को स्पॉन्सर न करने का विकल्प चुन सकती हैं। दोनों देशों के बीच विवाद केकेआर द्वारा बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर रिलीज किए जाने के बाद शुरू हुआ है।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में गजब का मामला

बिजली चमकने के कारण रद्द हुआ मैच

जोहान्सबर्ग, 9 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका की लीग एसए20 में जोबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स का मुकाबला बेनतीजा रहा। वांडरर्स मैदान पर खराब मौसम के कारण एक पारी के बाद ही मैच को बेनतीजा घोषित करना पड़ा। हालांकि इसके बाद भी जोबर्ग सुपर किंग्स के पॉइंट टॉप पर चल रही सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बराबर हो गए हैं। दोनों के 17-17 पॉइंट हैं। जेसीके खराब नेट रन रेट की वजह से दूसरे नंबर पर है। वहीं रॉयल्स 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर नेटॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। डु प्लेसिस और नए ओपनिंग साथी जेम्स विंस ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 7.3 ओवर में 73 रनों की साझेदारी की। डु प्लेसिस ठीक से गेंद को डाइम नहीं कर पा रहे थे। इसके बाद भी उन्होंने 24 गेंदों में 39 रन (6 चौके, 1 छक्का) ठोक दिए। सातवें ओवर में रॉयल्स ने अपने सिकंदर रजा को गेंद सौंपी।

उन्होंने अपनी पहली ही गेंद पर डुप्लेसिस को बोल्ड कर दिया। इसके बावजूद जेएसके की रफ्तार थमी नहीं। मैथ्यू डिविलियर्स और विंस ने दूसरे विकेट के लिए 39 गेंदों में 56 रन जोड़े। विंस ने 33 गेंदों में लीग का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। 22 गेंदों पर डिविलियर्स ने 30 रन बनाए। 15 ओवर के बाद जेसीके का स्कोर दो विकेट पर 145 रन था। यहां से टीम आसानी से 200 के पार जाती दिख रही थी लेकिन रॉयल्स के गेंदबाजों ने दमदार वापसी की। आखिरी 5 ओवर में जेसीके की टीम 42 रन ही बना पाई। पहली पारी खत्म होने के बाद मौसम खराब हो गया। बिजली काफी ज्यादा चमक रही थी। इसकी वजह से रॉयल्स की पारी शुरू नहीं हो पाई। डेढ़ घंटे से ज्यादा इंतजार के बाद मौसम सही नहीं हुआ तो मैच को बेनतीजा घोषित करना पड़ा।

पीवी सिंधू मलयेशिया ओपन के सेमीफाइनल में; यामागुची मैच के दौरान हुईं रिटायर

कुआलालंपुर, 9 जनवरी (एजेंसियां)। दो बार की ओ लं पि क पदक विजेता पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान की अ का ने यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से रिटायर होने के बाद मलयेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधू ने पहला गेम 21-11 से जीत लिया था लेकिन इसके बाद तीन बार की विश्व चैंपियन और तीसरी वरीय यामागुची ने मैच से हटने का फैसला किया। वह घुटने में ब्रेस पहने हुए थीं।

चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी और इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त कुसुमा वरदानी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल की विजेता से होगा।

महिला प्रीमियर लीग 2026 को लेकर पांचों कप्तान उत्साहित

> सभी ने खिताब जीतने का किया दावा

मुंबई, 9 जनवरी (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत हो गयी है। डीवाई पाटिल क्रिकेट अकादमी में पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला जाएगा। इस मैच से पहले महिला प्रीमियर लीग के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किए गए वीडियो में पांचों टीमों की कप्तानों ने इस सीजन में टीम की उम्मीदों को लेकर अपनी राय रखी है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि पहला सीजन खास था। हमने पहला खिताब जीता था। तीसरा सीजन भी खास था, क्योंकि हमने दूसरी बार खिताब जीता। चौथा सीजन भी हमारे लिए खास होगा। हम इस साल अपना तीसरा खिताब जीतने जा रहे हैं। स्मृति मंधाना ने कहा कि दूसरा सीजन खास था। मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने खिताब जीता था।

यूपी वॉरियर्ज की कप्तान मेग लैनिंग ने कहा कि चौथा सीजन खास होने जा रहा है। हमारे पास कुछ खिलाड़ी हैं, जो अपना दबदबा दिखाने के लिए तैयार हैं। मेग लैनिंग 2023 से 2025 के बीच दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान थीं। उन्होंने लगातार तीन साल डीसी को फाइनल में पहुंचाया, लेकिन खिताब नहीं दिला सकीं। इस बार लैनिंग यूपी वॉरियर्ज को पहला खिताब दिलाने का प्रयास करेंगी। गुजरात जायंट्स की कप्तान एश्ले गार्डनर ने कहा कि हमारे पास बहुत अच्छी टीम है। इसलिए यह सीजन काफी रोमांचक होने वाला है। महिला प्रीमियर लीग में पहली बार कप्तान के रूप में जेमिमा रोड्रिग्स नजर आएंगी। टीम इंडिया की इस खिलाड़ी को दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तानी सौंपी है। वह पिछले तीन साल से टीम का हिस्सा हैं। रोड्रिग्स ने कहा कि पिछले तीन सीजन अच्छे रहे थे। इस बार हम और बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए सीजन को विशेष बनाएंगे और चैंपियन बनने कोशिश करेंगे। महिला प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन 9 जनवरी से 5 फरवरी तक किया जाएगा। इस दौरान 22 मैच खेले जाएंगे। देखना होगा कि चौथे सीजन में कोई नया विजेता मिलता है या नहीं।

इंग्लैंड की हार के बाद ईसीबी गंभीर

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले बदलाव देखने को मिलेगा : रिचर्ड गोल्ड

नई दिल्ली, 9 जनवरी (एजेंसियां)। एशेज सीरीज में 4-1 से इंग्लैंड को मिली हार के बाद इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड गंभीर है। बोर्ड इस हार की समीक्षा करेगा। साथ ही नूसा दौरे के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ियों के बहुत ज्यादा शराब पीने की खबरों की जांच भी की जा सकती है। बोर्ड पर हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम को पद से हटाने का दबाव भी बढ़ रहा है।

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह एशेज टूर काफी उम्मीद के साथ शुरू हुआ था। यह बहुत निराशाजनक है कि हम ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीतने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाए। हालांकि सीरीज के दौरान कुछ अच्छे पल आए, जिसमें मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत भी शामिल है, लेकिन हम मुकाबले के सभी हालात और चरणों में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया एशेज जीतने का हकदार था। उन्होंने कहा, हम इस सीरीज से सबक लेंगे और जल्दी सुधार करने का इरादा रखते हैं। हमारा फोकस 2027 में एशेज फिर से जीतने पर है। कैंपेन का पूरा रिव्यू पहले से ही चल रहा है। इसमें टूर प्लानिंग और तैयारी, व्यक्तिगत प्रदर्शन और व्यवहार, और हालात के हिसाब से ढलने और असरदार तरीके से जवाब देने की हमारी क्षमता शामिल होगी। बदलाव लागू किया जाएगा। हमने अपने प्रशंसकों से यह भी वादा किया है कि बोर्ड आने वाले कुछ महीनों में बदलाव लागू करेगा। संभावना है कि जून 2026 में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले यह सब हो जाएगा। मैकुलम की कोचिंग और स्टोक्स की कप्तानी में, इंग्लैंड ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ कोई सीरीज नहीं जीती है।

विश्व के प्रमुख शहरों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है हैदराबाद : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने नई फ्लूइड्स यूनिट का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल स्थित एक फ्लूइड्स निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, मंत्री श्रीधर बाबू, सांसद अनिल कुमार यादव, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पी. महेंद्र रेड्डी, विधायक प्रकाश गौड़, मल रेड्डी रंगारेड्डी, काले यदैय्या सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 1995 से 2025 तक लगातार तीन दशकों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप हैदराबाद ने इतनी प्रगति की है कि आज वह विश्व के प्रमुख शहरों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि जर्मन तकनीक का उपयोग करते हुए दक्षिण भारत में आईवी फ्लूइड्स के लिए एक प्रमुख निर्माण कंपनी की स्थापना प्रशंसनीय है। तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के अंतर्गत सुजेन मेडिकेयर निर्माण इकाई की स्थापना देखकर प्रसन्नता हो रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्लोबल समिट में तेलंगाना विजन डॉक्यूमेंट नीति का अनावरण किया है, जिसका उद्देश्य 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, तेलंगाना की आर्थिक संरचना क्योर, प्योर और रेयर के सिद्धांतों पर आधारित होगी। हैदराबाद और तेलंगाना विश्व के अग्रणी शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। विशेष रूप से तेलंगाना जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूयॉर्क से मुकाबला कर रहा है। इसी संदर्भ में हम युवा उद्यमियों द्वारा शुरू किए गए उद्योगों को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले एक दशक में भारत फ्यूचर सिटी को इस तरह विकसित किया जाएगा कि लोग भविष्य के शहर में रहने पर गर्व महसूस करेंगे।

अवैध चीनी मांझा रैकेट का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) की टीम ने गुरुवार को अवैध चीनी मांझा रैकेट का पर्दाफाश किया। पुलिस ने प्रतिबंधित मोनो फिलामेंट पतंग की डोर रखने और बेचने की कोशिश करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में के पवन कुमार, रोहित अग्रवाल, बी निखिल, मोहम्मद मोइन मल्लिक और अब्दुल करीम शामिल हैं।

उनके पास से मोनोफिल गोल्ड चाइनीज मांझा की कुल 155 बॉबिन जब्त की गईं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध कथित तौर पर खतरनाक मांझा को उच्च कीमत पर बेच रहे थे। चीनी मांझा मानव जीवन और पक्षियों के लिए गंभीर खतरा होने के कारण प्रतिबंधित है। गिरफ्तार आरोपियों को जब्त सामग्री के साथ आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है।

जनता को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए : सज्जनार

सड़क सुरक्षा पर संबंधित विभागों की समन्वय समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरीय क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत सड़क सुरक्षा उपायों को और कड़ा करने के निर्देश पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने अधिकारियों को दिए। शुक्रवार को इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में सड़क सुरक्षा पर आयोजित बैठक में ट्रैफिक जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस जोएल डेविस, जिला कलेक्टर हरिचंदन दासरी, खैरताबाद जोनल कमिश्नर प्रियंका अला, तथा परिवहन विभाग के उप कमिश्नर रमेश के साथ पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने भाग लिया और बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से ही दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर में दुर्घटनाएं ज्यादा होने वाले क्षेत्रों की पहचान करके उन्हें तुरंत ठीक किया जाए और संबंधित विभाग इसके सतत निगरानी करें। उन्होंने आधुनिक बैरिकेडिंग और डिवाइडर सिस्टम की स्थापना को महत्वपूर्ण बताया। शहर के स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों को ट्रैफिक नियमों के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया। पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोड पर ज़ेब्रा क्रॉसिंग लगाई जाएगी ताकि लोग सुरक्षित रूप से सड़क पार कर सकें। उन्होंने कहा कि शहर में खराब या बंद स्ट्रीट लाइट्स को लगातार चालू रखने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, क्योंकि लाइटिंग व्यवस्था सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बैठक में जीएचएमसी अधिकारियों ने शहर की सड़कों, स्ट्रीट लाइट्स और सड़क मरम्मत से संबंधित की गई कार्यवाही की जानकारी दी। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि शहर में लगभग 1687.76 किलोमीटर लेन मार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। शहर भर में 4,585 ज़ेब्रा क्रॉसिंग और 4,047 ट्रांसवर्स बार मार्किंग स्थापित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, शहर में 3,335 साइनबोर्ड्स लगाये गए हैं, जिनमें गति सीमा और यू-टर्न संकेत शामिल हैं। शहर में 212 किलोमीटर लंबाई की फुटपाथ मरम्मत की गई और 23 अनुमोदित फुट ओवर ब्रिज में से 15 पहले ही जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध कराए जा चुके हैं। ब्लॉक स्पॉट्स समाधान के हिस्से के रूप में, हैदराबाद कमिश्नरेट क्षेत्र में पहचाने गए 45 ब्लॉक स्पॉट्स में से 42 को पहले ही ठीक किया जा चुका है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पैदल यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए ट्रैफिक विभाग समय-समय पर फुटपाथों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाता रहेगा। सड़क सुरक्षा कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए हर महीने की दूसरी शुक्रवार को संबंधित विभागों की समन्वय बैठक आयोजित करने का उन्होंने प्रस्ताव रखा। इस बैठक में सड़क दुर्घटना रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में हैदराबाद सेंट्रल जोन के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पुरुषोत्तम रेड्डी, आरटीसी आरएम सुधा परिमल, यूनीसेफ, आरएंडबी, टीजीएसआरटीसी के प्रतिनिधि और विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीपीआई ने डीजीपी से लेफ्ट नेताओं के खिलाफ मामले वापस लेने का आग्रह किया

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें पूर्व विधायक चाडा वेंकट रेड्डी, सीपीआई राज्य सहायक सचिव ई.टी. नरसिंह और राज्य समिति के सदस्य मरुपका अनिल कुमार शामिल थे, ने शुक्रवार को डीजीपी शिवधर रेड्डी से मुलाकात की और पूर्व बीआरएस शासन के दौरान लेफ्ट पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि ये मामले 2016 में इंदिरा पार्क धरना चौक पर प्रदर्शन पर लगे प्रतिबंध के बाद शुरू किए गए "इंदिरा पार्क धरना चौक पुनर्स्थापन आंदोलन" से जुड़े थे। नेताओं ने कहा कि उच्च न्यायालय ने बाद में इंदिरा पार्क में प्रदर्शन की अनुमति दी थी, इसे एक केंद्रीय लोकतांत्रिक स्थान मान्यता दी गई थी। इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों (जिनमें सीपीआई नेता भी शामिल थे) के खिलाफ मामले दर्ज किए गए।

कोहरे के कारण हैदराबाद-वाराणसी उड़ानें प्रभावित

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाराणसी हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से शुक्रवार सुबह हैदराबाद और वाराणसी के बीच हवाई सेवाएं प्रभावित रहीं।

खराब मौसम के चलते यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए इंडिगो और स्पाइसजेट ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाराणसी के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें रद्द कर दीं। खबरों के अनुसार, वाराणसी में हालात में सुधार न होने के कारण हैदराबाद से उड़ान भर चुकी दो फ्लाइट्स को बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। दोनों विमान सुरक्षित रूप से हैदराबाद लौट आए और यहां लैंड कर गए। एयरलाइंस ने यात्रियों से अपील की है कि वे मौसम से जुड़ी स्थिति को देखते हुए उड़ानों की समय-सारिणी की ताजा जानकारी लेते रहें।

प्रश्न पत्र लीक पर हरीश राव का सरकार पर हमला

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने परीक्षा संचालन और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा को लेकर रेवंत रेड्डी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय में हुए प्रश्न पत्र लीक को सरकार की लापरवाही और विफलता का उदाहरण बताया। हरीश राव ने अनियमितताओं में शामिल अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि आगे किसी भी तरह के प्रश्न पत्र लीक को रोकने और भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

एक बयान में उन्होंने कहा कि राज्य अभी पीजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा घोटाले से उबर भी नहीं पाया था कि कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि के प्रश्न पत्र व्हाट्सएप के जरिए लीक होने का मामला सामने आ गया। इस घटना से तेलंगाना भर के छात्र परेशान और सदमे में हैं। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में शिक्षण संस्थान भ्रष्टाचार के केंद्र बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार न तो समय पर नौकरी की अधिसूचनाएं जारी कर पा रही है और न ही परीक्षाएं ठीक से करा पा रही है, जो मौजूदा सरकार की बड़ी विफलता है।

फिल्म क्रू की बस पलटी, चार लोग घायल

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के शहर के बाहरी इलाके हयातनगर के पेद्दा अंबरपेट में एक सड़क हादसा हो गया। फिल्म क्रू को ले जा रही एक बस फ्लाईओवर के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। पुलिस के अनुसार, बस विशाखापत्तनम से मणिकोंडा जा रही थी। पेद्दा अंबरपेट फ्लाईओवर के प्रवेश द्वार पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह दुर्घटना हुई।

हादसे में चालक विजय भास्कर रेड्डी, उनके पिता नरसी रेड्डी और दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में एक इलेक्ट्रीशियन और एक अन्य क्रू सदस्य शामिल है। सभी को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हयातनगर पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सरकारी नौकरियों की मांग पर पुलिस कार्रवाई, केटीआर ने हमला बोला

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी नौकरियों की अधिसूचनाओं की मांग को लेकर बेरोजगार युवाओं और छात्रों द्वारा जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पुलिस की ज्यादती और नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की हिरासत की कड़ी निंदा की। उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी से तुरंत प्रतिक्रिया देने और राज्य सरकार को अपने चुनावी वादे के तहत नौकरियां उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की। शुक्रवार को नंदी नगर स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रामाराव ने कहा कि बेरोजगार युवाओं और छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज केवल इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने नौकरी की अधिसूचना न जारी होने पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए विश्वासघात का उदाहरण बताया।

ऑस्ट्रेलिया जाएंगे केटीआर

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया स्थित बीआरएस की प्रवासी इकाई ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को मेलबर्न में आयोजित होने वाले रजत जयंती समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। खबरों के अनुसार, केटी रामाराव ने इस निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और उनके जल्द ऑस्ट्रेलिया दौरे की संभावना जताई जा रही है।

संक्रांति से पहले अधिक किराया वसूलने वाली निजी बसों पर आरटीए की कार्रवाई

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने शुक्रवार को राजेंद्रनगर क्षेत्र में अचानक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई संक्रांति त्योहार से पहले निजी ट्रैवल बसों द्वारा अधिक किराया वसूलने की शिकायतों के बाद की गई। आरामघर चौराहे पर जांच के दौरान हैदराबाद से केरल, बेंगलुरु, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश जाने वाली कई निजी बसों को रोककर उनके दस्तावेज और किराए की जांच की गई।

विशेष अभियान में आरटीए अधिकारियों ने किराया और परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाली कम से कम पांच बसों के खिलाफ मामले दर्ज किए। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी ऐसे निरीक्षण जारी रहेंगे और नियम तोड़ने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह विशेष प्रवर्तन अभियान रंगा रेड्डी जिले के उप परिवहन अधिकारी सदानंदम के निर्देश पर चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य छुट्टियों के मौसम में निजी बस संचालकों की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है।

श्रीमनी सके वेंकतेशवर यायवन, सठके यायागीरी
स्वमि यायागेरि वि.कि.कैकिन & ख्वोद्रिर शांडदयंय,
शीता शायदेन्य अश्रश्रन तुत्तलले
श्री भगवती सम्पूर्ण पाठथ यज्ञान
ततिश्र : शनिवार, शनिवार को प्रात: कात 9.00 बजे से प्रारंभ
तिथि : 11-01-2026, शनिबार को प्रात:काल 9.00 बजे से प्रारंभ
स्थल : त्रिदेथत्री वालडय उत्कान्नगर
अद्दूबेन, हैदराबाद, हादराबाद
श्रीमान रघुराम यादव मुपा, शुपा, 9440892007
श्री तीरथराज यादव • श्रीमान विष्णु यादव के भतीजे विशाल यादव
9290444203
విర్వాహకులు
श्री कालिका नायक मुप्पा, पी. जयनंदर, 91606 07662
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

असहनीय दर्द
सूजन
ऐंठन
बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
महारास्नादि काढ़ा (गुग्गुल युक्त)
वात रोगों में दर्द से छुटकारा दिलाने में सहायक।
बदलते मौसम के कारण वातरोगों के शिकायते काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय लीजीये महारास्नादि काढ़ा (गुग्गुलु युक्त) यह जोड़ों का दर्द, सूजन, ऐंठन आदि को दूर करने में सहायक है।
Baidyanath Maharasnadi Kadha (With Guggulu)
Useful to treat Painful Joints, Backache, Muscular Pain etc.
UID No. MP 3.24
वैद्यकीय सलाह : 844 844 4935 www.baidyanath.co

कोहरा और कड़ाके की ठंड जारी रहने की संभावना

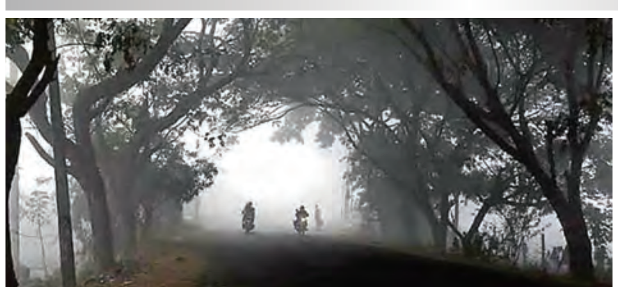

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति उत्सव के लिए यात्रा की तैयारी कर रहे लोगों को आने वाले सप्ताह में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। हालांकि 11 जनवरी के बाद तापमान में मामूली वृद्धि की संभावना जताई गई है, लेकिन मौजूदा शीत लहर की स्थिति, जिसके कारण संगारेड्डी जिले के कोहिर में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, से त्योहार के समय ठंड बनी रहने की आशंका है। आईएमडी-हैदराबाद के पूर्वानुमानों के अनुसार, इस सप्ताह के अंत तक यानी 11 जनवरी तक मौसम ठंडा रहेगा। इसके बाद न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो सकती है, लेकिन तेलंगाना भर में ठंड और कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

आईएमडी ने कहा कि अगले दो दिनों में राज्य के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने की संभावना है। हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह के बीच न्यूनतम तापमान एकल अंकों में दर्ज किया गया। हैदराबाद के कुछ प्रमुख स्थानों में न्यूनतम तापमान इस प्रकार दर्ज किया गया: सेंट्रल यूनिवर्सिटी, शेरलिंगमपल्ली (7.4), मौला अली (8.8), राजेंद्रनगर (8.9), कुतुबुल्लापुर (10.7), अलवाल (11), शिवरामपल्ले (11.2) और पश्चिम मरेडपल्ली (11.2)। जिलों में तापमान राजधानी से भी कम रहा, संगारेड्डी जिले के कोहिर में 5.6 डिग्री सेल्सियस, कुमरामभीम आसिफाबाद के तिरयानी में 6.0, विकाराबाद के मारपल्ले में 8.2 और कामारेड्डी के जुक्कल में 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

घने कोहरे में वाहन न चलाने की पुलिस की अपील

हैदराबाद, 9 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने नागरिकों से अपील की है कि वे घने कोहरे में, खासकर देर रात और सुबह के समय, वाहन चलाने से बचें। उन्होंने कहा कि राज्य भर में कम दृश्यता सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन रही है। संक्रांति त्योहार से पहले लोगों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुए आयुक्त ने कहा कि जल्दबाजी में अपने पैतृक स्थानों पर पहुंचने के चक्कर में लोग अपनी जान जोखिम में न डालें। घने कोहरे के कारण आगे का दृश्य साफ नहीं दिखता, जिससे सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

सलाह में कहा गया है कि कम दृश्यता होने पर निजी वाहनों से यात्रा न करें और कोहरा छंटने तथा सड़क साफ दिखाई देने के बाद ही यात्रा शुरू करें। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे सुरक्षित तरीके से अपने परिवारों तक पहुंचें। यदि कोहरे में यात्रा करना जरूरी हो, तो वाहन चालक फॉग लाइट और इंडिकेटर चालू रखें, आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें और सड़क खाली दिखने पर भी तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं। आयुक्त ने कहा कि सुरक्षित घर पहुंचना ही असली उत्सव है और त्योहार के दौरान सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।

Manav Seva — Madhav Seva
Badrivishal Pannalal Pitti Trust in coordination with Agarwal Seva Dal
AGARWAL SAMAJ MALAKPET SHAKHA Organises
158th Camp MEGA MEDICAL CAMP FREE
In Associates with
LCH Sadhuram Eye Hospital, Domalguda, Hyd.
KIMS Sunshine Hospitals, Begumpet, Hyd.
SHRI BHAGWAN MAHAVEER VIKLANG SAHAYATA SAMITI, Hyderabad
Rainbow Children's Heart Institute, Banjara Hills, Hyd.
Free Aids & Appliances: Artificial Limbs, Hand Kits, Callipers, Hands
Specialities at the Camp
• EYE CHECKUP (FREE CATARACT SURGERY, RETINA DISORDER EVALUATION CAMP & OPTICALS TO THE NEEDY)
• GENERAL PHYSICIAN
• PHYSIOTHERAPY (BAJAJ PHYSIO CARE, DR. MEETA BAJAJ)
• DENTAL
• ORTHOPAEDIC • CARDIOLOGY
• ECG | 2D ECHO | BMD • RBS | BP CHECKUP
रविवार 11 जनवरी 2026
प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक
VENUE : DELHI PUBLIC SCHOOL
Indraprastha Colony, Road No.1, Santosh Nagar, Hyderabad
REGISTRATION 10.00 AM to 12 NOON
"Please bring along your past health records, if available, for a detailed evaluation."
शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी।
संयोजक :
प्रदीप अग्रवाल 9246504222 | सुधीर गुप्ता 9550522277 | सुरेन्द्र गोयल 9866493222 | पंकज कुमार संघी 9246581090 | प्रदीप बंसल 9247202647 | श्यामसुन्दर अग्रवाल 9849916085 | राधिया 7780788066
AGROHA BANK
AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Opp. High Court, Rikabgunj, Hyderabad – 500002 Ph-040-24511322, 7093326428
Interest rate on Deposit more than 2 years 9.00%
Senior Citizen 9.50%

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.